Art of Life®

कैटलॉग

अच्छे स्वास्थ्य की शुरुआत एक छोटे कदम से होती है

95% लोग इलाज कराना चाहते हैं, **5%** — अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए कदम उठाते हैं

क्या आप जानना चाहेंगे कि आप किस श्रेणी में आते हैं?

स्वास्थ्य का अर्थ है –

संपूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वस्थता, न कि केवल बीमारी या शारीरिक दोषों का न होना

हमारा स्वास्थ्य किस पर निर्भर करता है?

मानव शरीर में बारह प्रणालियाँ होती हैं, जो उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों के आधार पर वर्गीकृत होती हैं:
हृदय–नाडी तंत्र, पचन तंत्र, श्वसन तंत्र, प्रजनन तंत्र आदि। प्रणालियाँ अंगों से बनती हैं, अंग ऊतकों से बनते हैं और ऊतक कोशिकाओं से बने होते हैं।

व्यक्ति
अंगों से बनी
12 प्रणालियाँ
अंग
ऊतक
कोशिकाएँ
मुख्य आधार है —
कोशिका का
स्वास्थ्य

लोगों को अपने स्वास्थ्य की देखभाल कब करनी चाहिए?

बीमारी के प्रथम लक्षण दिखने पर

नियमित रूप से!

शारीरिक स्वास्थ्य बनाए रखने और उसे बेहतर बनाने के लिए क्या आवश्यक कार्य होते हैं?

कचरा निकालें — आवश्यक तत्व लें!

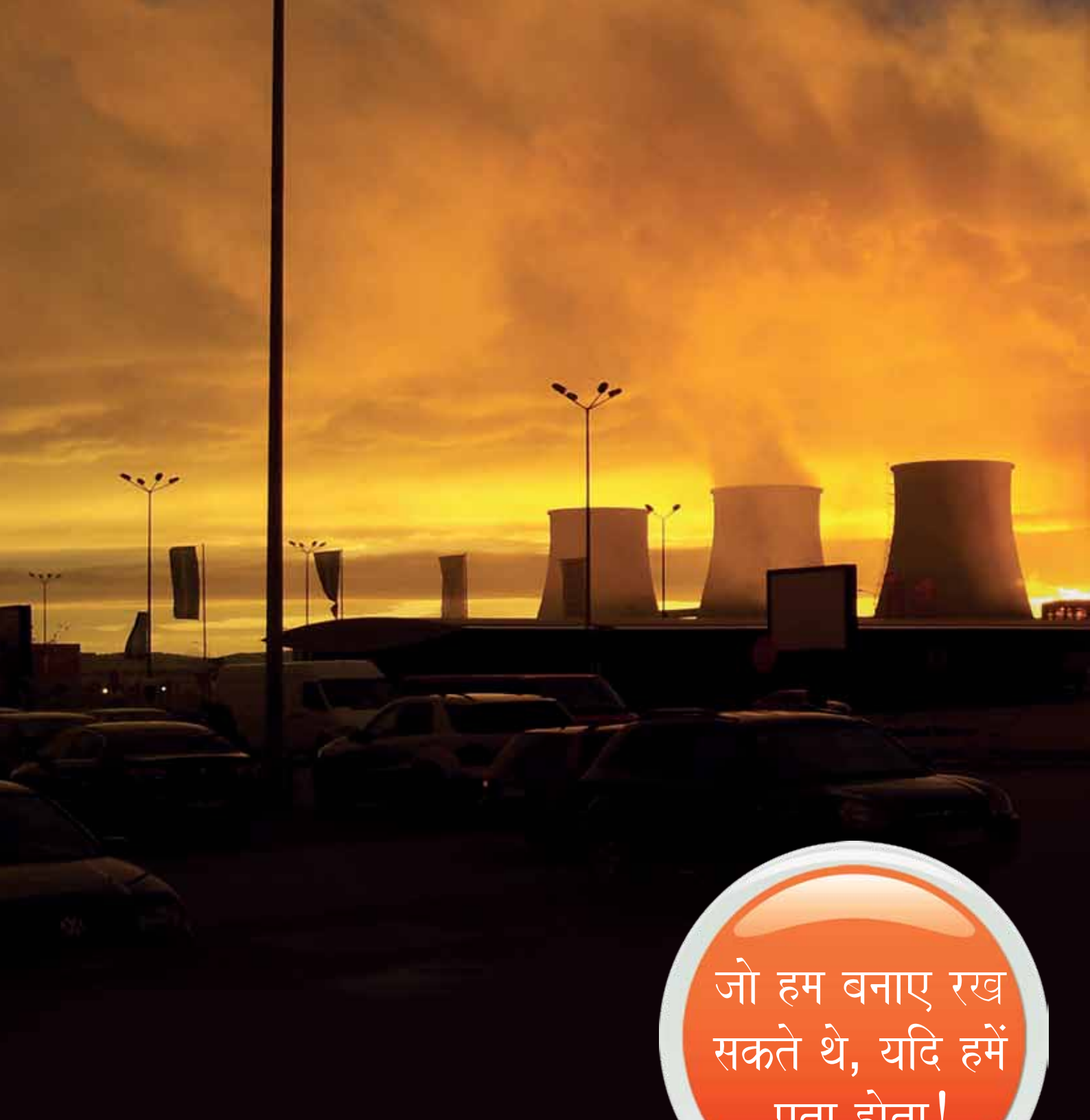

जो हम बनाए रख सकते थे, यदि हमें पता होता!

आधुनिक समय में लोग कई नकारात्मक कारकों से ग्रसित होते हैं:

खतरनाक वातावरण; तनाव; शारीरिक निष्क्रियता; वातावरण में अपर्याप्त ऑक्सीजन; असंतुलित भोजन

हर साल, हम कुछ ऐसा खो देते हैं...

कचरा निकालें!

ट्रांसफैट्स

ये वनस्पति तेलों से एक विशेष प्रक्रिया – हाइड्रोजनेशन – द्वारा उत्पन्न होते हैं:
हाइड्रोजन को अत्यंत गर्म तेल से होकर गुज़ारा जाता है। परिणामस्वरूप एक ठोस, वसायुक्त पदार्थ मिलता है जिस पर ऑक्सीकरण का प्रभाव नहीं पडता।

भोजन में ट्रांसफैट शामिल होने के नकारात्मक परिणाम

यह माँ के दूध द्वारा बच्चे को मिलता है।

मधुमेह होने की संभावना बढ जाती है।

जोडों और आंखों की झिल्ली के ऊतकों को नुकसान पहुँचता है।

रोग–प्रतिकार क्षमता कमजोर होती है।

पुरुषीय हारमोन टेस्टोस्टेरोन का स्तर कम होता है और वीर्य की गुणवत्ता घट जाती है।

केवल **2%** (मात्र **4** ग्राम प्रतिदिन!) अधिक ट्रांसफैट लेने से रक्ताल्पता हृदय रोग की जोखिम **23%** बढ जाती है

कचरा निकालें!

डिसबायोसिस

अमोनिया, एमाइन्स, फेनोल, इंडोल, स्कैटोल। ये पदार्थ खून में चले जाते हैं और इन्हें निष्क्रिय करने में लीवर पर अत्यधिक प्रभाव पडता है।

$NH_3 + H^+ \rightarrow NH^+_4$

C_6H_5OH

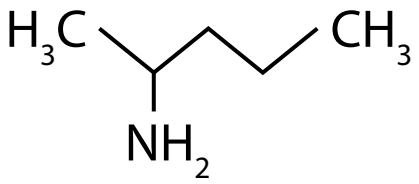

कारण

- संक्रामक रोग;
- एंटीबायोटिक लेना;
- केमिकल, हारमोन एवं रेडिएशन उपचार;
- तनावपूर्ण स्थिती;
- बडी मात्रा में शारीरिक श्रम और थकान;
- खतरनाक वातावरण; अत्यधिक आहार;
- अल्कोहोल का सेवन;
- मौसमी कारक (पतझड और बसंत);
- आयु;
- जिम्मेदार!

कोशिका के मुख्य दुश्मन एबी, वी, एफ, जी, पी

रूसी स्वास्थ्यकर्मियों ने करीब **70** प्रकार के टेपवर्म खोज निकाले हैं जो मनुष्यों में फैलते हैं। इनमें से **30** से अधिक का अत्यधिक प्रसार हो चुका है लेकिन अब तक केवल **11** टेपवर्म अधिकृत रूप से दर्ज हो सके हैं।

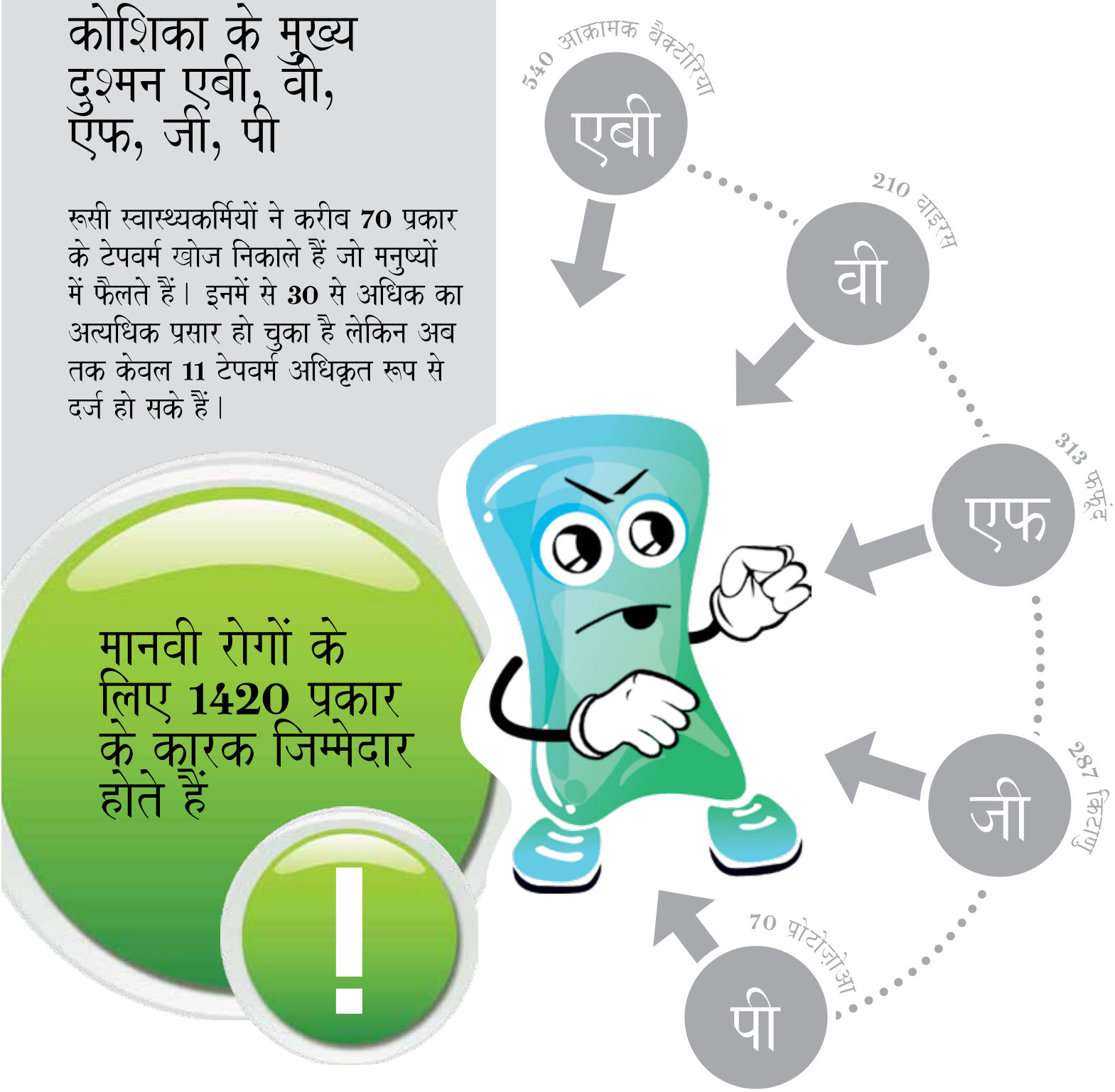

रूस में परजीवी रोगों की बारंबारता

- प्रत्येक वर्ष **2** करोड से अधिक घटनाएं और यह बढ रही हैं।
- डब्लुएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) के मूल्यांकन के अनुसार – संक्रामक तथा परजीवी रोगों से पीडित लोगों की सूची में टेपवर्म से पीडितों की संख्या (**1.4** अरब) तीसरे और जंगल फीवर से पीडितों की संख्या (**60** करोड) चौथे स्थान पर है।
- तुलनात्मक रूप से देखें, तो इन्फ्लुएंज़ा और तीव्र श्वसन रोगों से पीडितों की संख्या (**39.5** करोड) विश्व में छठे स्थान पर है।

अपशिष्ट और विषैले पदार्थों की सफाई

↓

किटाणुओं का निपटान

↓

सूक्ष्म जीवों की संख्या सामान्य स्तर पर लाना

↓

रोग-प्रतिकार प्रणाली में सुधार

↓

पचन क्रिया ठीक करना

हमारी कोशिका से विषाक्त प्रभाव हटाना और उसकी सफाई करना – यही हमारे स्वास्थ्य का आधार है?

?

शरीर की संपूर्ण, व्यापक सफाई साल में 2 बार करें!

!

आपकी रोग-प्रतिकार प्रणाली ठीक करने में, अम्ल-क्षार संतुलन समान्य बनाने में, शरीर की सफाई करने में और परजीवी रोगों की रोकथाम में आर्टलाइफ उत्पाद आपके लिए मददगार साबित होंगे।

कोशिका की प्यास बुझाएँ

अपनी कोशिकाओं को जीवनरूपी जल दें!

पानी अत्यंत महत्वपूर्ण है – यह एक आदर्श विलायक है, यह स्वास्थ्यप्रद या रोगप्रद भी हा सकता है।

एक व्यक्ति को प्रतिदिन 2.5 लीटर से अधिक शुद्ध पानी पीना चाहिए।

नुकसानदेह

स्वच्छ पानी (बोतलबंद, उबला हुआ, सूक्ष्म तत्वों से रहित, क्लोराइड–युक्त, पाइप–लाइन से आया हुआ), अशोधित पानी (नुकसानदायक रसायनों से युक्त हार्ड पानी), साथ ही कृत्रिम रंग एवं प्रिज़र्वेटिव युक्त पेय भी।

≪नुकसानदेह≫ पेय पीने से सूक्ष्म तत्वों की कमी हो जाती है और कोशिकाओं का नाश होता है।

उपयोगी

पेय जो आवश्यक सूक्ष्म तत्व तथा विटामिन्स से युक्त हों

≪उपयोगी≫ पेय इलेक्ट्रोलाइट संतुलन एचसी को सामान्य बनाते हैं और कोशिकाओं को सर्वोत्तम कार्य करने की क्षमता देते हैं

आप तो रोज भोजन करते हैं, लेकिन क्या कोशिकाओं की आवश्यकता पूर्ण होती है?

?

एंज़ाइम्स
17

पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड
3

विटामिन्स
12

खनिज
15

एमिनो एसिड्स
20

आर्टलाइफ बायोकॉम्प्लेक्स लें — और अपनी कोशिकाओं को पोषण से भरपूर आहार दें!

!

हमारे रोज के भोजन में जैविकरूप से सक्रिय कॉम्प्लेक्स क्यों आवश्यक हैं?

पिछले 100 वर्षों में सेब के घटकों में कमी आई है
लौह – 96% की
कैल्शियम – 48% की
मैग्नेशियम – 83% की
पत्तागोभी में पोटेशियम 58% कम हुआ है,
टमाटर में — कैल्शियम 61% कम हुआ है,

आहार के साथ उपयोगी बैक्टीरिया के उपभोग में 100 गुना कमी आई है।

विटामिन सी !

300 विभिन्न कार्यों को सक्रिय करता है

ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि केवल 2 घंटों के तनाव में ही शरीर का सारा विटामिन सी उपयोग कर लिया जाता है।

और शरीर को इसकी पूर्ति करना आवश्यक होता है!

स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए क्या आवश्यक है?

ज्ञान

उपकरण

वे लोग जो सेहतमंद बने रहना चाहते हैं, लेकिन उपचार नहीं कराना चाहते, उनके लिए आर्टलाइफ की संभावनाएं तथा संसाधन मौजूद हैं।

जैविक रूप से सक्रिय मिश्रण/आहार पूरक

Art of Life®

टॉक्सफाइटर लक्स

शरीर का आंतरिक वातावरण तथा पचन तंत्र अच्छी स्थिती में रखने के लिए शरीर की नियमित (साल में 1–2 बार) व्यापक सफाई आवश्यक होती है।

जठरांत्र प्रणाली का सामान्य स्वास्थ्य बनाए रखने में मददगार खाद्य फाइबर, फ्लेवोनाइड्स और टैनिंग एजेंटों का अतिरिक्त स्रोत होने के कारण एक आहार पूरक के रूप में ≪टॉक्सफाइटर लक्स≫ की अनुशंसा की जाती है।

टॉक्सफाइटर लक्स एक आहार पूरक है जो वनस्पति घटकों पर आधारित है। ये घटक आंतों में पूर्ण रूप से अवशोषित हो जाते हैं और विषैले पदार्थों तथा पचन से उत्पन्न अपशिष्टों के दुष्परिणाम दूर करते हैं, एलर्जी पैदा करने वाले पदार्थों का प्रभाव कम करते हैं, पचन तंत्र के कार्य में सुधार लाते हैं और खून में कोलेस्ट्रॉल का स्तर नीचे लाते हैं, जिससे किडनी तथा लीवर का बोझ कम होता है एवं पचन क्रिया में सुधार होता है।

केले की पत्तियाँ, परिशुद्ध चुकन्दर, गेहूँ का चोकर, सेब का पेक्टिन आदि कॉम्प्लेक्स के घटक फ्री रैडिकल्स, भारी धातुओं के यौगिक तथा पचन अपशिष्टों को बांध कर सुरक्षित निकाल बाहर करते हैं। इन घटकों में मौजूद आहार फाइबर के प्रभाव से पेट में मल निकालने की क्रिया धीमी हो जाती है; पचन क्रिया लंबी होने से संतुष्टि का अनुभव होता है। आहार फाइबर जठरांत्र नलिका में भोजन को आगे बढने में लक्षणीय मदद देते हैं, कोलेस्ट्रॉल विनिमय से उत्पन्न पदार्थ हटाते हैं और इस प्रकार एथेरोस्क्लेरोसिस तथा मोटापे की रोकथाम करते हैं। पेक्टिन रक्तस्राव रोकता है और श्लेष्मा झिल्ली पर एक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करता है। वनस्पतिक अर्क दाहरोधक, ऐंठनरोधक तथा लीवर के कार्य में मददगार होते हैं। पेपेन और ब्रोमेलाइन जैसे एंज़ाइम अन्न के विघटन को बढावा देते हैं और पचन कार्य में मदद देते हैं। लैक्टोबैक्टीरिया आंत में विषाक्त पदार्थों के विरुद्ध प्राकृतिक सूक्ष्म जीवों को सुरक्षित रखते हैं, स्थानीय प्रतिकार क्षमता विकसित करते हैं और संक्रमण एवं वातावरण के नुकसानदेह कारकों के प्रति शरीर का प्रतिरोध बढाते हैं।

1 गोली की सामग्री (0.6 ग्रा.):
गेहूँ का चोकर – 4200 मिग्रा, केला (पत्ते) – 900 मिग्रा, परिशुद्ध चुकन्दर – 450 मिग्रा, सेंट जॉन्स वोट – 150 मिग्रा, भोज पत्ती – 150 मिग्रा, थॉरोवैक्स – 120 मिग्रा, पटसन (बीज) – 120 मिग्रा, काउबेरी (पत्ते) – 120 मिग्रा, नॉटग्रास – 120 मिग्रा, हिप्स – 90 मिग्रा, गुग्गुल – 90 मिग्रा, स्पाइरुलिना – 76 मिग्रा, दूब – 60 मिग्रा, मिलफॉइल – 60 मिग्रा, काला अखरोट (फल) – 60 मिग्रा, क्लोरेला – 30 मिग्रा, गामा ओरीज़ेनोल – 30 मिग्रा, सुगंध (नीबू) – 27 मिग्रा, लैक्टोबैक्टीरिया – 23 मिग्रा, सेब पेक्टिन – 18 मिग्रा, कद्दू (बीज) – 18 मिग्रा, सेन्ना (फली) – 15 मिग्रा, सेंट मेरी थिसल – 15 मिग्रा, मदरवोर्ट – 15 मिग्रा, मुलेठी (जड का सत) – 15 मिग्रा, पेपेन – 9 मिग्रा, गरारी – 9 मिग्रा, सिंहपर्णी (जड) – 8 मिग्रा, बुर्डाक (जड) – 8 मिग्रा, ब्रोमेलाइन – 2 मिग्रा

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):
वयस्क 3 कैप्सूल दिन में 2 – 3 बार भोजन के साथ लें।

अनुशंसित खुराक (1 गोली) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती है:
आरब्युटिन (4.4 मिग्रा) – 55%, सेन्नोसाइड ए और बी (0.2 मिग्रा) – 20%, ग्लाइसेरिक एसिड (1.0 मिग्रा) – 10%, आहार फाइबर (3.2 मिग्रा) – 16%, फ्लेवोनाइड्स (14 मिग्रा) – 47%, टैनिंग एजेंट (100 मिग्रा) – 50%

% – दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:
उत्पाद के घटकों के प्रति असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

एंज़ाइम प्लस कॉम्प्लेक्स

प्राकृतिक एंज़ाइम्स का मिश्रण

सक्रिय एंज़ाइम्स का प्रणालीगत कार्य होता है बिगडे पचन तंत्र तथा अवशोषण प्रक्रिया को सुधारना और विभिन्न कारणों से हुई दाहक बीमारियों के बाद शरीर को फिर पटरी पर लाना।

≪एंज़ाइम्स प्लस कॉम्प्लेक्स≫ एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो रुटिन, जस्ता और पाचक एंज़ाइम्स का स्त्रोत है। यह पचन तंत्र का सामान्य स्वास्थ्य बनाए रखने में मददगार है।

जैविक रूप से सक्रिय ≪कॉम्प्लेक्स ऑफ एंज़ाइम्स प्लस≫ सक्रिय वानस्पतिक एवं पशुजन्य एंज़ाइम्स का मिश्रण है जो दाहरोधक है और रोग-प्रतिकार प्रणाली को भी मजबूत बनाता है। यह एंज़ाइम्स पाचन तंत्र पर अच्छा प्रभाव डालते हैं, जिससे अन्न का पूर्ण विघटन होने में मदद मिलती है और एंज़ाइम्स के शरीर में अन्य कार्यों में भी मदद मिलती है।

कॉम्प्लेक्स में रुटिन है जो दाहरोधक गतिविधी को बढावा देता है और जस्ता है जो ऑक्सीजन की कमी का निवारण करता है। लाइपेज़, एमाइलेज़, प्रोटेज़, माल्टेज़, साथ ही पैंक्रिएटाइन, पेप्सिन, कीमोट्रिप्सिन और पित्त भोजन पचाने में मदद करते हैं, उसके उपयोग को बढावा देते हैं और आंतों में उसके अवशोषण को सुविधाजनक बनाते हैं। ट्रिप्सिन, पेपेन और ब्रोमेलाइन पचन क्रिया में भागीदारी के अलावा बैक्टीरिया-रोधक और दाहरोधक प्रभाव भी छोडते हैं। इसमें मुलेठी और एकिनेसिया जड के रोग-प्रतिकार प्रणाली को मजबूत करने के प्रभाव की भी मदद मिलती है। कैटलेज़ और सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेज़ आक्रामक फ्री-रैडिकल्स को नुकसानरहित रसायनों में बदल देते हैं। रुटिन महीन रक्त वाहिनियों को मजबूती देता है, विभिन्न रोग कारकों को उनके अन्दर पहुँचने नहीं देता, और प्राकृतिक एंटी-ऑक्सीडेंट्स तथा एम्ज़ाइम्स के प्रभाव में वृद्धि करता है। जस्ता अंतर-कोशिका श्वसन एंज़ाइम्स को मदद देता है और ऊतकों की श्वसन क्रिया को प्रभावी बनाता है।

1 गोली की सामग्री (0.5 ग्रा.):

पैंक्रिएटाइन (प्रोटेज 2000 एफआईपी यू,एमाइलेज़ 35000 एफआईपी यू, लाइपेज़ 42000 एफआईपी यू) - 50 मिग्रा, ब्रोमेलाइन (80 एफआईपी यू) - 35 मिग्रा, पेपेन (74 एफआईपी यू) - 25 मिग्रा, ट्रिप्सिन (75 एफआईपी यू) - 25 मिग्रा, मुलेठी जड - 25 मिग्रा, एकिनेसिया - 17.5 मिग्रा, एमाइलेज़ (15000 एफआईपी यू) - 5 मिग्रा, कैटलेज़ (1000 एफआईपी यू) - 5 मिग्रा, लैक्टेज़ (1000 एफआईपी यू) - 5 मिग्रा, लाइपेज़ (1000 एफआईपी यू) - 5 मिग्रा, माल्टोज़ - 5 मिग्रा, प्रोटेज़ (25000 एफआईपी यू) - 5 मिग्रा, सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेज़ - 5 मिग्रा, पित्त - 5 मिग्रा, ज़िंक ऑक्साइड - 4 मिग्रा, राइबोन्यूक्लेज़ - 3.75 मिग्रा, डीऑक्सीराइबोन्यूक्लेज़ - 3.75 मिग्रा, रुटिन - 3 मिग्रा, सुक्रेज़ (1000 एफआईपी यू) - 2.5 मिग्रा, रेनिन - 1.25 मिग्रा, पेप्सिन (1:3000 एफआईपी यू) - 1.25 मिग्रा, कीमोट्रिप्सिन (1000) - 0.5 मिग्रा

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क 1 गोली दिन में 3 बार भोजन के साथ लें तथा भरपूर पानी पिएँ। 1 महिने तक लें।

अनुशंसित खुराक (3 गोली) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती है:

पेपेन (75 मिग्रा) - 100%, जस्ता (9.6 मिग्रा) - 64%, रुटिन (15 मिग्रा) - 50%, ब्रोमेलाइन (105 मिग्रा) - 15%,

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

ग्रीन स्टार

समुद्री घास आधारित, एमिनो एसिड्स और विटामिन्स युक्त एनर्जी कॉम्प्लेक्स

शरीर में सही प्रकार से प्रोटीन बनने के लिए और जैव रासायनिक क्रियाएं सही प्रकार से हो सकने के लिए, साथ ही सभी जीवनावश्यक प्रक्रियाओं के मूल में कुछ विशिष्ट एमिनो एसिड्स, विटामिन्स तथा सूक्ष्म तत्वों की आवश्यकता होती है।

≪ग्रीन स्टार≫ एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो विटामिन ई और आयोडीन का अतिरिक्त स्रोत है। यह सामान्य स्वास्थ्य तथा पचन बनाए रखने में मददगार है।

ग्रीन स्टार के घटक बहु-उद्देशीय स्वास्थ्य-सुधारक कॉम्प्लेक्स की तरह कार्य करते हैं और वातावरण के खराब कारकों के विरुद्ध शरीर में प्रतिरोध उत्पन्न करते हैं, साथ ही एमिनो एसिड्स, विटामिन्स और बडे तथा सूक्ष्म तत्वों का संतुलन बना कर शरीर की सम्पूर्ण गतिविधियों में मदद करते हैं।

कॉम्प्लेक्स का आधार है स्पिरूलिना और क्लोरेला जैसी समुद्री घासों का एक संतुलित मिश्रण। स्पिरूलिना एक विशेष प्रोटीन का स्रोत है जिसके गुण पशुजन्य प्रोटीन के समकक्ष होते हैं! इस समुद्री घास में मनुष्य के लिए आवश्यक आधारभूत एमिनो एसिड्स होते है जो उसके वजन का 65-70% भाग होते हैं। स्पिरूलिना में उपस्थित खनिज की एक विशेषता यह है कि उसके सूक्ष्म तत्व कीलेट रूप में होते हैं, जिससे वे मानव शरीर में आसानी से अवशोषित हो जाते हैं (प्रोटीन अणुओं के साथ संयुक्त रूप से)। क्लोरेला एक समुद्री घास है जिसमें क्लोरोफिल प्रचुर मात्रा में होता है जिसकी संरचना मानव शरीर में मौजूद होमोग्लोबिन के समान होती है। क्लोरोफिल शरीर को बहुमूल्य पोषण देता है और यह एक प्रभावी प्राकृतिक किटाणुनाशक है। यह कोशिका-झिल्ली को मजबूती देता है, ऊतकों के बनने की क्रिया को बढावा देता है, खरोंच-अल्सर तथा घावों के ठीक होने को तेजी देता है। समुद्री घास की कोशिकाओं की दीवार में पॉली सैकराइड्स होते हैं जो गेहूँ के सेल्युलोज और पेक्टिन के साथ मिल कर जठरांत्र की प्रक्रियाओं में तथा आंत में भोजन को आगे बढाने में सुधार लाते हैं। एकिनसिया के सक्रिय घटक रोग-प्रतिकार क्षमता का संवर्धन करते हैं। जिंकगो बिलोबा का सत खून के संचरण पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। डॉग रोज़, बिलबेरी, ग्रीन टी, एंज़ाइम्स और विटामिन ई के सक्रिय घटक एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि में सक्रिय होते हैं।

1 गोली की सामग्री (0.6 ग्रा.):

स्पिरूलिना - 150 मिग्रा, क्लोरेला - 50 मिग्रा, सेब पेक्टिन - 50 मिग्रा, लैमिनेरिया (थैलस) - 50 मिग्रा, गेहूँ (बालियाँ) - 50 मिग्रा, फैरिना - 20 मिग्रा, कैटलेज़ - 20 मिग्रा, हिप्स - 15 मिग्रा, एकिनेसिया - 10 मिग्रा, लैक्टोबैक्टीरिया कॉम्प्लेक्स - 10 मिग्रा, टोकोफेरोल एसीटेट (विटामिन ई) - 5 मिग्रा, जिंकगो बिलोबा (सत) - 4 मिग्रा, ब्लैकबेरी (कली) - 3 मिग्रा, ग्रीन टी - 3 मिग्रा, सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेज़ - 3 मिग्रा, रॉयल जेली - 2 मिग्रा, कोएंज़ाइम क्यू10 - 1 मिग्रा।

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क 1 - 2 कैप्सूल दिन में 2 बार भोजन के साथ लें

अनुशंसित खुराक (4 गोली) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:

विटामिन ई (20 मिग्रा) - 200%, आयोडीन (0.115 मिग्रा) - 76%, कोएंज़ाइम क्यू10 (4 मिग्रा) - 13%, आहार फाइबर (1040 मिग्रा) - 5%, लैक्टोबैक्टीरिया (2*105 सीएफयू)

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

थायरोबैलेन्स

थायराइड ग्रंथी थायराइड हारमोन उत्पन्न और भंडारित करती है, जो हृदय गति, रक्तचाप, शरीर का तापमान और शरीर में अन्न से ऊर्जा बनाने की दर पर नियंत्रण रखता है। थायराइड हारमोन शरीर की प्रत्येक कोशिका के कार्य के लिए आवश्यक होते हैं। वे वृद्धि और विकास को तथा शरीर में रासायनिक प्रतिक्रियाओं (चयापचय) को नियंत्रित करते हैं।

≪थायरोबैलेन्स≫ एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो आयोडीन, जस्ता, सेलेनियम, तांबा, मैंगनीज़, विटामिन ए, ई, बी1, बी2, बी3, बी6, बी9, कोबाल्ट तथा एल–टायरोसाइन का अतिरिक्त स्रोत है, जो थायराइड ग्रंथी के सामान्य रूप से कार्य करने के लिए और यायराइड हारमोन के सुयोग्य संश्लेषण के लिए आवश्यक होते हैं। यह सामान्य स्वास्थ्य बनाए रखने में मददगार होता है।

थायरोबैलेन्स कॉम्प्लेक्स में उपस्थित आयोडीन का प्रकार आयोडीन–केसीन होता है, जो प्रोटीन से जुड़ी आयोडीन होती है और जो शरीर में आने पर लीवर के चयापचय में सुधार लाती है और बायोट्रान्सफॉर्मेशन की प्रक्रिया के दौरान सूक्ष्म तत्वों की हानी रोकती है, साथ ही यह ऊतकों की सूजन भी कम करती है। अन्य प्रकारों के विपरीत, थायरोबैलेन्स कॉम्प्लेक्स में पॉलीसैकराइड्स नहीं होते, जिनमें आयोडीन समुद्री घास के घटकों के साथ मिश्रित रहती है। यह साबित हो चुका है कि समुद्री घास के पॉलीसैकराइड्स आयोडीन को अवशोषित कर शरीर में उसकी कमी ला सकते हैं। थायरोबैलेन्स कॉम्प्लेक्स थायराइड हारमोन्स के संतुलन का आधार है, क्योंकि इसमें टायरोसिन नामक एमिनो एसिड होता है जो थायराइड हारमोन के थायरोक्सिन अणु के निर्माण के लिए आवश्यक होता है, साथ ही इसमें लौह के संश्लेषण के लिए आवश्यक विटामिन और खनिज, और ऑटोइम्यून प्रक्रिया को रोकने वाला कैट्स क्लॉ का सत भी होता है। मेलाटोनिन के उत्प्रेरण के जरिए प्राकृतिक जैवचक्र के नियमन में टायरोसिन की भागीदारी, और आहार में इस एमिनो एसिड को शामिल करने से सोने और जागने के चक्र में सामान्यता बनी रहती है, साथ ही यह बालों को समय से पहले सफेद होने से भी बचाता है। वातावरण में मौजूद नुकसानदेह रेडिएशन के चलते आहार में पर्याप्त आयोडीन लेना अत्यंत आवश्यक है। अन्यथा थायराइड ऊतक वातावरण में मौजूद रेडियोएक्टिव आयोडीन ग्रहण करने लगेंगे, जिससे न केवल उनका कार्य प्रभावित होगा, बल्कि यह कैन्सर का कारण भी बन सकता है। इस प्रकार, थायरोबैलेन्स के घटक आयोडीन की कमी को पूरा कर थायराइड के कार्य में मदद करते हैं, और इस तरह से कार्यकुशलता, मूड, ध्यान केन्द्रण, स्मृति, सोने और जागने के चक्र, रक्तचाप की स्थिरता, सूजन में कमी, प्रजनन प्रणाली

कार्य, त्वचा में निखार, बालों का सफेद होना, बालों तथा नाखूनों की दशा आदि में सुधार लाते हैं।

1 गोली की सामग्री (0.5 ग्रा.):

एल – टायरोसिन – 220 मिग्रा, कैट्स क्लॉ सत – 20 मिग्रा, ज़िंक साइट्रेट – 9.62 मिग्रा, टोकोफेरोल एसीटेट – 4 मिग्रा, निकोटिनएमाइड – 4 मिग्रा, मैंगनीज़ एस्पार्टेट – 2.92 मिग्रा, रेटिनोल एसीटेट – 1.16 मिग्रा, आयडोकेसीन – 1.07 मिग्रा, कॉपर साइट्रेट – 0.57 मिग्रा, पायरोडॉक्सीन क्लोराइड – 0.4 मिग्रा, राइबोफ्लाविन – 0.36 मिग्रा, थायमीन मोनोनाइट्रेट – 0.3 मिग्रा, लाइपोसोमल पोटेशियम आयोडेट – 0.25 मिग्रा, सेलेक्सा – 60 माइक्रोग्राम, फोलिक एसिड – 40 माइक्रोग्राम, कोबाल्ट एस्पार्टेट – 14 माइक्रोग्राम सहायक घटक: आलू सत, माइक्रोक्रिस्टलाइन सेल्युलोज़, टैल्क, हाइड्रोक्सीप्रोपाइल मेथिलसेल्युलोज़, टाइटेनियम डाइऑक्साइड, टार्ट्राज़ाइन, अकुसेल, लेसिथिन, जिनडोक्स 109, माल्टोडेक्सट्रिन।

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क 1 गोली प्रतिदिन भोजन के साथ लें।

अनुशंसित खुराक (1 गोली) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:

आयोडीन (0.105 मिग्रा) – 70%, विटामिन ई (2.0 मिग्रा) – 20%, विटामिन बी1 (0.3 मिग्रा) – 20%, सेलेनियम (0.014 मिग्रा) – 20%, विटामिन बी2 (0.36 मिग्रा) – 20%, तांबा (0.2 मिग्रा) – 20%, विटामिन बी3 (4.0 मिग्रा) – 20%, मैंगनीज़ (0.4 मिग्रा) – 20%, विटामिन बी6 (0.4 मिग्रा) – 20%, कोबाल्ट (0.002 मिग्रा) – 20%, विटामिन बी9 (0.04 मिग्रा) – 20%, विटामिन ए (0.2 मिग्रा) – 20%, एल – टायरोसिन (20 मिग्रा) – 10%

% – दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति व्यक्तिगत असहनीयता, गर्भावस्था तथा स्तनपान

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

आर्टेमिज़िन-एस

शरीर का अधिकांश प्रकार के हेल्मिंथ और प्रोटोज़ोआ से बचाव के लिए कॉम्प्लेक्स

हेल्मिंथ आक्रमण और प्रोटोज़ोआ द्वारा फैलाए गए संक्रमक रोग काफी आम हैं। हेल्मिंथ और प्रोटोज़ोआ का परजीवी प्रसार जठरांत्र मार्ग के अंगों के कार्य में बाधा उत्पन्न करता है और पचन सम्बन्धी रोगों को जन्म देता है। इनके दुष्परिणामों से बचाव के लिए वनस्पति घटकों पर आधारित कॉम्प्लेक्स अत्यंत प्रभावी सिद्ध एवं सुरक्षित होते हैं।

≪आर्टेमिज़िन-एस≫ एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो फ्लेवोनाइड्स और टैनिन, हायपेरिसिन और वनस्पति घटकों का अतिरिक्त स्त्रोत है, जो हेल्मिंथ आक्रमण और प्रोटोज़ोआ संक्रमण की रोकथाम करते हैं। यह सामान्य स्वास्थ्य तथा तंदुरुस्ती बनाए रखने में मददगार होता है।

बायो कॉम्प्लेक्स के वनस्पति घटक सु-संतुलित होते हैं और हेल्मिंथ आक्रमण और प्रोटोज़ोआ संक्रमण का मुकाबला कर और उनकी रोकथाम कर जठरांत्र मार्ग के कार्य में सुधार लाते हैं। एस्केरिएसिस और एन्टेराबायोसिस में उनकी 100% प्रभावकारिता देखी गई है। 100 में से 80 घटनाओं में, इन घटकों ने लैंब्लिएसिस का कारण बनने वाले परजीवी प्रोटोज़ोआ लैंब्लिया पर सक्रिय रूप से असर डाला।

टैन्सी, अजवाइन और नागदौन हेल्मिंथ के विरुद्ध और किटाणुनाशक के रूप में अत्यंत प्रभावी होते हैं। टैन्सी के फूलों में मौजूद फ्लेवोनाइड्स शक्तिशाली फायटोन-रोधी होते हैं जो राउंडवर्म तथा अन्य कई पायोजेनिक सूक्ष्मजीवीयों को मार डालते हैं। इन पदार्थों की दाहरोधक तथा ऐंठनरोधक क्रियाएं साबित हो चुकी हैं। अजवाइन एक शक्तिशाली प्राकृतिक दर्दनाशक है। नागदौन के सक्रिय घटकों में रक्तस्त्राव-रोधक, ज्वर नाशक, घाव भरना तथा सामान्य स्वास्थ्य सुधार, साथ ही रोग-प्रतिकार क्षमता को सक्रिय करने के गुण होते हैं। नॉटग्रास सत के सूक्ष्मजीव-रोधक, हेल्मिंथ-रोधक और रक्तस्त्राव-रोधक गुण जठरांत्र मार्ग की श्लेष्मा झिल्ली पर सकारात्मक प्रभाव छोडते हैं। सेंट जॉन्स वोर्ट और पुदिने के सत की ऐंठन-रोधक, एंटीसेप्टिक तथा लीवर में पित्त बनाने की क्रियाओं से इन प्रभावों में वृद्धि होती है, आंतों में भोजन आगे बढने में मदद मिलती है और हेल्मिंथ तथा प्रोटोज़ोआ के अपघटित उत्पाद अवशोषित नहीं हो पाते।

1 गोली की सामग्री (0.5 ग्रा.):
टैन्सी फूल - 80 मिग्रा, पुदिना पत्ती - 50 मिग्रा, अजवाइन - 50 मिग्रा, जवा कुसुम - 50 मिग्रा, नागदौन - 40 मिग्रा, झड़बेरी छाल - 30 मिग्रा, नागदौन पाइन का सत - 30 मिग्रा, नॉटग्रास सत - 15 मिग्रा, सेंट जॉन्स वोर्ट सत - 10 मिग्रा,

सक्रिय घटक:
माइक्रोक्रिस्टलाइन सेल्युलोज़, टैल्क, आवरण (कोलीडॉन, हाइड्रोक सीप्रोपाइल मेथिल सेल्युलोज़, कोलीकुट, अकुस्लेल, रंग: ≪टाइटैनियम डाइऑक्साइड≫, ≪पोला क्विनोलाइन≫, ≪पोन्स4आर≫)

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):
वयस्क 2 गोलियाँ दिन में 3 बार भोजन के साथ लें। 10 दिन लें।

अनुशंसित खुराक (6 गोली) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती है:
एविकुल्यरिन के फ्लेवोनाइड्स (7.2 मिग्रा) - 24%, टैनिंग के टैनिंग कारक (60 मिग्रा) - 30%, रुटिन के फ्लेवोनाइड्स (42 मिग्रा) - 140%

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:
उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता, गर्भावस्था तथा स्तनपान।

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

ग्लूकोसिल

मधुमेह मेलिटस में पचन क्रिया की मदद के लिए कॉम्प्लेक्स

मधुमेह मेलिटस, जिसे आम तौर पर सिर्फ मधुमेह कहा जाता है, एक पचन तंत्र सम्बन्धी रोग है जिसमें व्यक्ति को उच्च रक्तचाप हो जाता है क्योंकि शरीर में या तो इंस्युलिन पर्याप्त मात्रा में उत्पन्न नहीं होता या कोशिकाएं उत्पन्न इंस्युलिन के साथ क्रिया नहीं करतीं।

इंटरनेशनल डाइबिटीज़ फाउंडेशन के मुताबिक, दुनिया के किसी भी देश की तुलना में भारत में सबसे अधिक (5.08 करोड) मधुमेह के रोगी हैं (4.32 करोड के साथ चीन दूसरे स्थान पर है)। यह रोग 5.08 करोड भारतीयों को प्रभावित करता है – वयस्क जनसंख्या का 7.1% – और प्रतिवर्ष 10 लाख भारतीयों की मृत्यु का कारण होता है। यह रोग लगने की औसत आयु है 42.5 वर्ष। इस उच्च प्रादुर्भाव का कारण है वंशानुगतता एवं भारतीय मध्यम वर्ग की उच्च-कैलोरी, निम्न-सक्रियता की ओर बढती जीवन शैली। मधुमेह का सबसे बडा प्रभाव दिखता है बडी और छोटी रक्तवाहिनियों के नुकसान में, जिससे हृदय रोग, पक्षाघात, और किडनी, आंख, पैर और तंत्रिकाओं की समस्याएं का खतरा बढता है। डब्लुएचओ का अनुमान है कि 21वी शताब्दी में विकासशील देशों पर इसकी सबसे अधिक मार पडेगी।

ग्लूकोसिल एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो विटामिन्स, खनिज, फ्लेवोनाइड्स, टैनिन, क्यूरसेटिन, कोएंज़ाइमक्यू10 और कार्निटाइन का अतिरिक्त स्रोत है, जो कार्बोहाइड्रेट और लिपिड के पचन को सामान्य बना कर पैंक्रियास के सामान्य स्वास्थ्य में सुधार लाता है।

अदरक, इन्युला और आर्टीचोक की जड, बिलबेरी, रास्पबेरी और भोजवृक्ष की पत्तियाँ पचन क्रिया पर प्रभाव डाल कर खून में शर्करा का स्तर कम करने में सक्षम होती हैं। एल-कार्निटाइन, क्रोमियम, मैंगनीज़ और ग्रुप-बी के सूक्ष्म तत्वों के साथ मिल कर बुर्डाक सत कार्बोहाइड्रेट और लिपिड का पचन समायोजित करता है। विटामिन सी, ई, पीपी, क्यूरसेटिन और जिंकगो बिलोबा सत रक्तवाहिनियों की दीवारों को मजबूती देते हैं, सूक्ष्म-संचरण में सुधार लाते हैं और रक्त की तरलता बढाते हैं। सेज ब्रश में सूक्ष्मजीवरोधक तथा दाहरोधक गुण होते हैं जो पेपेन एवं ब्रोमेलाइन एंज़ाइम्स द्वारा संवर्धित किए जाते हैं। लहसुन और सेंट जॉन्स वोर्ट के सूक्ष्मजीवरोधक तथा रोग-प्रतिकार संवर्धक गुण रोग-प्रतिकार प्रणाली की कमियों को दूर कर बीमारी की रोकथाम करने में मदद करते हैं। सेंट जॉन्स वोर्ट पचन क्रिया को सक्रिय करता है, पित्त जागृत करता है, और तंत्रिका तंत्र के कार्य में सुधार लाता है। काउबेरी की पत्तियों के एंटीसेप्टिक और डाइयूरेटिक प्रभाव से किडनियों को राहत मिलती है।

1 गोली की सामग्री (0.5 ग्रा.):

ब्लुबेरी (अंकुर) – 100 मिग्रा, भोज (पत्ती) – 37.5 मिग्रा, काउ बेरी (पत्ती) – 35 मिग्रा, आर्टीचोक (जड) – 25 मिग्रा, सेंट जॉन्स वोर्ट – 25 मिग्रा, नेटल (पत्ती) – 25 मिग्रा, इन्युला जड – 25 मिग्रा, नॉटवीड – 25 मिग्रा, बुर्डाक (सत) – 12.5 मिग्रा, रास्पबेरी सत – 12.5 मिग्रा, पुदिना – 12.5 मिग्रा, नागदौन (सत) – 10 मिग्रा, क्यूरसिटिन – 7.5 मिग्रा, रुटिन – 7.5 मिग्रा, ब्रोमेलाइन – 5 मिग्रा, जिंकगो बिलोबा (सत) – 5 मिग्रा, पेपेन – 5 मिग्रा, लहासुन (बिक्यूम में सुखाया) – 5 मिग्रा, ज़िंक ऑक्साइड – 3.3 मिग्रा, एल – कार्निटाइन – 2.5 मिग्रा, कोएंज़ाइम क्यू10 – 2.5 मिग्रा, मैंगनीज़ सल्फेट – 2.5 मिग्रा, विटामिन पीपी – 201 मिग्रा, ऑक्टाकोनैज़ोल – 1.25 मिग्रा, विटामिन ई – 0.9 मिग्रा, कैल्शियम डी – पैंटोथेनेट – 0.89 मिग्रा, क्रोम पाइकोलिनेट – 0.83 मिग्रा, विटामिन बी6 – 0.23 मिग्रा, विटामिन ए – 0.2 मिग्रा, विटामिन बी1 – 0.19 मिग्रा, विटामिन बी2 – 0.19 मिग्रा, फोलिक एसिड – 67.5 माइक्रोग्राम, बायोटिन – 24.6 माइक्रोग्राम, विटामिन बी12 – 0.4 माइक्रोग्राम, विटामिन डी3 – 1.35 माइक्रोग्राम

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क 1 गोली दिन में 2 बार भोजन के साथ लें। 1 महिने तक लें।

अनुशंसित खुराक (2 गोली) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:

विटामिन ए (0.4 मिग्रा) – 40%, विटामिन ई (1.8 मिग्रा) – 12%, विटामिन सी (20.6 मिग्रा) – 29%, विटामिन बी1 (0.38 मिग्रा) – 22%, विटामिन बी2 (0.38 मिग्रा) – 19%, विटामिन बी3 (4.2 मिग्रा) – 21%, विटामिन बी6 (0.46 मिग्रा) – 23%, विटामिन बी5 (1.8 मिग्रा) – 36%, जस्ता (4.6 मिग्रा) – 38%, बायोटिन (49.2 मिग्रा) – 98%, विटामिन बी12 (0.80 मिग्रा) – 27%, फोलिक एसिड (135 मिग्रा) – 34%, विटामिन डी3 (2.7 मिग्रा) – 54%

% – दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति व्यक्तिगत असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

हेपर फार्मूला

लीवर टिशू के ठीक होने के लिए कॉम्प्लेक्स

बाहरी हानिकारक तत्व, जैसे बिगडता पर्यावरण, असंतुलित पोषण, विभिन्न औषधियों का बढता इस्तेमाल, अल्कोहल का सेवन, साथ ही लीवर की रुकी हुई और दाहक आंतरिक प्रक्रियाएं आदि इस अंग के कार्य में और उसकी स्वयं ठीक होने की क्षमता में बाधा पहुँचाते है।

हेपर फार्मूला एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो विटामिन बी6, फ्लेवोलिग्नान्स आदि का अतिरिक्त स्त्रोत है, जो लीवर के ऊतकों की नवीनीकरण प्रक्रिया को बढावा दे कर लीवर का सामान्य स्वास्थ्य ठीक रखता है और उसे वातावरण के दुष्परिणामों से सुरक्षित रखता है।

वनस्पति सत और फास्फोलिपिड से बना यह कॉम्प्लेक्स लीवर की कोशिकाओं की आरोग्य प्रक्रिया में मदद करता है, दाहपूर्ण बीमारी (हेपेटाइटिस) के बाद लीवर के ऊतकों के नवीनीकरण में तेजी लाता हैं, लीवर को नुकसानदेह या विषैले पदार्थ के प्रभाव से एवं वातावरण के दुष्परिणामों से सुरक्षित रखता है।

साल्टवोर्ट और सेंट मेरी थिसल के सत में मौजूद सक्रिय घटक लीवर की कोशिकाओं को संरक्षण देते हैं और उनमें नई जान डालते हैं। इन सतों की क्रिया उपचारात्मक प्रभाव छोडती है, खून में कोलेस्ट्रॉल का स्तर घटता है। थिसल और आर्टीचोक में पित्त संश्लेषण को सक्रिय करने की और उसे प्रवाहित करने की क्षमता होती है, जिससे वे हीपेटोबिलियरी सिस्टम की निष्क्रियता दूर कर सकते हैं। आर्टीचोक मतली, और लीवर का कार्य बिगडने से उठे दर्द में राहत देता है। फॉस्फोलिपिड्स (कोलाइन, आइनोसिटोल और लेसिथिन) लीवर की कोशिका झिल्लियों को ताकत देते हैं, उनमें वसा का जमाव रोकते हैं और सिरोसिस रोकते हैं। मीथियोनाइन एमिनो एसिड कोलाइन पचन को सामान्य बनाता है और लीवर में प्रोटीन पचने की क्रिया को मजबूती देकर उसे तेजी से ठीक होने में मदद करता है। विटामिन बी6 सभी एंज़ाइम प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करता है और शरीर द्वारा ऊर्जा के उपयोग में सुधार लाता है। हेपर फार्मूला के घटक लीवर की बिगडी हुई संरचना, उसकी कोशिकाओं तथा हीपेटोबिलियरी तंत्र के कार्य सुधारने में प्रभावकारी सिद्ध हो चुके हैं। इस कारण से यह लीवर के सामान्य स्वास्थ्य को बढावा देने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

1 गोली की सामग्री (0.5 ग्रा.):
आर्टीचोक (जड) – 54 मिग्रा, ब्लेस्ड थिसल – 54 मिग्रा, बाइटारट्रेट कोलाइन – 50 मिग्रा, आइनोसिटोल – 50 मिग्रा, लेसिथिन – 40 मिग्रा,पहाडी साल्टवोर्ट का सत – 27 मिग्रा, एल – मेथियोनाइन – 25 मिग्रा, हल्दी – 10 मिग्रा, होली थिसल का सत – 6.25 मिग्रा, विटामिन बी6 – 0.6 मिग्रा

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):
वयस्क 1 गोली दिन में 3 बार भोजन के साथ लें।

अनुशंसित खुराक (6 गोली) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:
फ्लेवोलिग्नान्स का रूपांतरण सिलविन में (4.5 मिग्रा) – 15%, विटामिन बी6 (1.8 मिग्रा) – 90%

% – दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:
उत्पाद घटकों के प्रति व्यक्तिगत असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

बुर्डाक–सी

सभी पचन क्रियाओं को सामान्य बनाने के लिए कॉम्प्लेक्स

किसी व्यक्ति का स्वास्थ्य कुछ बायोकेमिकल प्रतिक्रियाओं द्वारा निर्धारित होता है। इन प्रतिक्रियाओं का एक भाग होता है व्यक्ति के लिए आवश्यक जैव–अणुओं का संश्लेषण (प्लास्टिक एक्सचेंज की प्रतिक्रिया) और इन प्रतिक्रियाओं का एक बडा भाग शरीर के सभी भागों तक ऊर्जा पहुँचाने के लिए जिम्मेदार होता है। उनके संतुलित रहने से पचन क्रिया भी ठीक रहती है। पचन क्रिया हेतु ये प्रतिक्रियाएं सुचारू रहने से शरीर में पोषक तत्वों का तथा ऊर्जा का वितरण योग्य प्रकार से होता है और अपशिष्ट पदार्थ भी बाहर निकाल जाते हैं। पचन क्रिया का सामान्य होना ही संपूर्ण स्वास्थ्य तथा सुन्दर दिखने का रहस्य है।

बुर्डाक–सी एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो विटामिन सी, आरब्युटिन का अतिरिक्त स्त्रोत है, जो सभी पचन क्रियाओं को सामान्य बनाने में मदद करता है जिससे सामान्य स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती ठीक रहती है।

इस कॉम्प्लेक्स का आधार है बुर्डाक की जड का सत, जो डाइयूरेटिक, पसीना आना, सौम्य दर्दनाशक और पित्त सहायक प्रभाव छोडता है, पैंक्रियास के कई एंज़ाइम्स बनने में सहायक है, रेचक है, और त्वचा के लिए भी गुणकारी है। बुर्डाक जड के सक्रिय घटक एलर्जीरोधक, सूक्ष्मजीवरोधक, एंटीसेप्टिक और किटाणुनाशक होते हैं, खुजली दूर करते हैं, मधुमेह से लडते हैं, रक्तशुद्धि करते हैं, बाल बढने में मददगार होते हैं और पथरी एवं लवण का बनना रोकते हैं। बुर्डाक जड के व्यापक फायदे बायोएक्टिव क्रैनबेरी कॉम्प्लेक्स और एस्कॉर्बिक एसिड मिलाने से और भी बढ जाते हैं। क्रैनबेरी की पत्तियाँ किडनी और मूत्राशय के दाहक रोगों में, पथरी, गठिया में और संक्रामक अतिसार में प्रभावी होती हैं। एस्कॉर्बिक एसिड रक्तवाहिनियों की पारगम्यता और नाजुकता कम करता है, और शरीर में संक्रमण की रोकथाम करने वाली एंटीबॉडीज़ का संवर्धन करता है। इस कॉम्प्लेक्स के घटकों की उच्च कार्यकुशलता जल–लवण तथा खनिजों के पचन में देखी जा सकती है।

1 गोली की सामग्री (0.5 ग्रा.):
सामान्य बुर्डाक जड का सत – 156 मिग्रा
लाल बिलबेरी सामान्य पत्ती – 50 मिग्रा
एस्कॉर्बिक एसिड (विटामिन सी) – 25 मिग्रा

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):
वयस्क 1 गोली दिन में 2 बार खाने के समय लें। एक बार में 2 – 3 सप्ताह तक लें।

अनुशंसित मात्रा (2 गोलियाँ) निम्नलिखित की आपूर्ति करती ह:
विटामिन सी (50 मिग्रा) – 70%, आरब्युटिन (8 मिग्रा) – 100%
% – दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:
उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

फाइटोरेन

मूत्राशय में पथरी सम्बन्धित रोगों की रोकथाम हेतु कॉम्प्लेक्स

वनस्पति आधारित प्राकृतिक डाइयूरेटिक पदार्थ फाइटोरेन कॉम्प्लेक्स का आधार है, जो मूत्र उत्पादन की प्रक्रिया को सक्रिय करता है और किडनी के कार्य में रुकावट पैदा नहीं होने देता।

फाइटोरेन एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो विटामिन सी, जस्ता, ग्लाइसिरिज़िक एसिड, टैनिन आदि का अतिरिक्त स्रोत है। यह उत्सर्जन तंत्र के कार्य में सुधार लाता है और मूत्र उत्पादन की प्रक्रिया को सक्रिय कर, और मूत्र प्रणाली के कार्य में रुकावट पैदा नहीं होने देकर मूत्राशय में पथरी का बनना रोकता है।

क्रेनबेरी, पार्स्ली, बियरबेरी सत, भोज आदि फाइटोरेन के घटक डाइयूरेटिक प्रभाव छोडते हैं। नॉट ग्रास, खास कर पौधे में मौजूद घुलनशीन सिलिसिक एसिड मूत्राशय में पथरी जमने से रोकता है। सिंहपर्णी की जड, दूब और हॉर्स-टेल जैसे घटक दाहरोधक तथा सूक्ष्मजीवरोधक गतिविधि के साथ डाइयूरेटिक क्रिया देते हैं। फाइटोरेन कॉम्प्लेक्स की महत्वपूर्ण विशेषताएं है इसमें विटामिन सी का होना, जो रक्तवाहिनियों की दीवारों को मजबूती देता है, उनकी पारगम्यता कम करता है, और उसमें प्राकृतिक दाहरोधक एंज़ाइम ब्रोमेलाइन की उपस्थिति। मुलेठी की जड का सत दाहरोधक गुण रखता है और एल-आर्जिनाइन सूक्ष्मपोषकों के उपयोग में सुधार लाता है। डाइयूरेटिक जैसे सक्रिय पदार्थ ले रहे लोगों में आयनें का संतुलन बिगड जाता है। सूक्ष्मपोषकों का मिश्रण शरीर में आयनों का संतुलन बनाए रखता है।

जब आहार असंतुलित हो, शारीरिक गतिविधि का अभाव हो और धूम्रपान आदि नुकसानदेह आदतें मौजूद हों तब फाइटोरेन कॉम्प्लेक्स में मौजूद घटक मूत्र उत्पादन तथा उसके उत्सर्जन में मदद करते हैं। इसलिए फाइटोरेन का इस्तेमाल किडनियों को अत्यंत प्रभावी मदद पहुँचाता है।

1 गोली की सामग्री (0.5 ग्रा.):

लाल बिलबेरी की पत्ती - 80 मिग्रा, मुलेठी की जड का सत - 35 मिग्रा, कॉमन हॉर्सटेल - 35 मिग्रा, भोजवृक्ष की पत्ती का सत - 35 मिग्रा, पोटेशियम क्लोराइड - 25 मिग्रा, पार्स्ली पत्ती - 25 मिग्रा, एस्कॉर्बिक एसिड (विटामिन सी) - 20 मिग्रा, हॉप दूब - 15 मिग्रा, सिंहपर्णी की जड - 15 मिग्रा, एल - आर्जिनाइन - 12.5 मिग्रा, ब्रोमेलाइन - 10 मिग्रा, मैग्नेशियम ऑक्साइड - 10 मिग्रा, ज़िंक ऑक्साइड - 4.3 मिग्रा

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क 1 गोली दिन में एक बार भोजन के साथ लें।

अनुशंसित खुराक (1 गोली) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती है:

आरब्युटिन (5 मिग्रा) - 60%, विटामिन सी (20 मिग्रा) - 30%, जस्ता (3.4 मिग्रा) - 30%, टैनिन्स (25 मिग्रा) - 13%, ग्लाइसिरिज़िक एसिड (5 मिग्रा) - 50%

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

ग्लैज़ोरोल

आँखों के पोषण तथा तेज नज़र बनाए रखने के लिए कॉम्प्लेक्स

रेटिना सम्बन्धी प्राथमिक तथा द्वितीयक बीमारियाँ, आँख तथा लेन्स की मांसपेशियाँ ढीली पडना आदि के निवारण हेतु दृष्टि के लिए आवश्यक जैविक पदार्थो का प्राकृतिक संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होता है।

ग्लैज़ोरोल एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो बी-ग्रुप के विटामिन, विटामिन सी, कैरोटिनॉइड्स, क्रोमियम, जस्ता, सेलेनियम, टौरीन, ग्लूटेथियॉन, फ्लेवोनाइड्स आदि का अतिरिक्त स्रोत है। यह आँखों को पोषण देते हैं, नज़र तेज बनाए रखते हैं और दृष्टि अंग का सामान्य स्वास्थ्य बनाए रखते हैं।

ग्लैज़ोरोल कॉम्प्लेक्स के कार्यत्मक घटक कोशिका स्तर पर आँखों के कार्य में मदद देते हैं और सूक्ष्म-संचरण नलिकाओं के विकार से होने वाली आँखों की खराबियों से सुरक्षा देते हैं, दृष्टि विश्लेषक को थकान से बचाते हैं और दृष्टि की तीव्रता बनाए रखते हैं।

एमिनो एसिड्स, विटामिन्स और सूक्ष्म तत्व आँखों में ऊर्जा का सही उपयोग सुनिश्चित करते हैं। विटामिन सी और क्यूरसेटिन आँख की सूक्ष्म नलिकाओं की दीवारों को मजबूती देते हैं। गोटू-कोला और जिंकगो बिलोबा का मिश्रण एक टॉनिक की तरह होता है जो खून के संचरण में सुधार लाता है, आँख के टिशू में ऑक्सीजन की मात्रा बढाता है और मस्तिष्क के कार्य पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। विभिन्न एंटी-ऑक्सीडेंट्स (विटामिन सी, कैरोटिनॉइड्स, ग्लूटेथियॉन और काली चोकबेरी का सत) आँखों की कोशिका- झिल्ली को स्थिरता देते हैं, उन्हें फ्री-रेडिकल्स के नुकसान से बचाते हैं। कैलेंड्युला सत में मौजूद कैरोटिनॉइड्स रेटिना के केन्द्र में फोटो-ऑक्सीडेशन की क्रिया रोकते हैं, जिससे दृष्टि की तीव्रता बनी रहती है। कैरोटिनॉइड्स रेटिना की विकृति और दृष्टि की तीव्रता कम होना भी रोकते हैं।

इस प्रकार, कॉम्प्लेक्स के घटक उन बायोकेमिकल प्रतिक्रियाओं में भाग लेते हैं जो आँखों के योग्य कार्य का हिस्सा होती हैं, वे रोग-प्रतिकार क्षमता को सक्रिय कर सकते हैं और कोशिकाओं की हानी तथा उनका बूढा होना धीमा कर सकते हैं। उनके ये गुण दृष्टि को तरोताजा रखते हैं और आँख का ऑपरेशन होने के बाद उसके ठीक होने की प्रक्रिया में तेजी लाते हैं।

1 गोली की सामग्री (0.6 ग्रा.):

टौरीन - 100 मिग्रा, विटामिन सी - 50 मिग्रा, एल - ग्लूटेमिक एसिड - 50 मिग्रा, एरोनिया (सत) - 25 मिग्रा, कैलेंड्युला (सत: जिज़ैंथिन 5%, ल्यूटीन 85%) - 20 मिग्रा, ग्लाइसीन - 20 मिग्रा, एल - सिस्टीन - 20 मिग्रा, नीबू (बायोफ्लेवोनाइड्स) - 15 मिग्रा, एल - ग्लूटेथियॉन - 10 मिग्रा, ज़िंक ऑक्साइड - 5.2 मिग्रा, सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेज़ - 5 मिग्रा, क्यूरसेटिन - 5 मिग्रा, गोटू कोला (फल) - 5 मिग्रा, जिंकगो बिलोबा (सत) - 5 मिग्रा, विटामिन बी3 - 5 मिग्रा, विटामिन बी5 - 5 मिग्रा, बीटा कैरोटिन - 2 मिग्रा, विटामिन बी6 - 1 मिग्रा, विटामिन बी2 - 1 मिग्रा, विटामिन बी1 - 0.5 मिग्रा, क्रोमियम पाइकोलिनेट - 0.2 मिग्रा, विटामिन बी9 - 0.1 मिग्रा, सोडियम सेलेनाइट - 0.05 मिग्रा, विटामिन बी12 - 0.001 मिग्रा

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क 1 कैप्सूल दिन में 2 बार खाने के साथ लें

अनुशंसित खुराक (2 गोली) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:

विटामिन सी (100 मिग्रा) - 140%, विटामिन बी1 (1 मिग्रा) - 68%, विटामिन बी2 (2 मिग्रा) - 110%, विटामिन बी3 (10 मिग्रा) - 50%, विटामिन बी5 (6 मिग्रा) - 120%, विटामिन बी6 (2 मिग्रा) - 100%, विटामिन बी9 (0.2 मिग्रा) - 100%, विटामिन बी12 (0.002 मिग्रा) - 68%, बीटा कैरोटिन (4 मिग्रा) - 80%, जस्ता (8 मिग्रा) - 54%, सेलेनियम (0.05 मिग्रा) - 75%, क्रोमियम (0.048 मिग्रा) - 96%, क्यूरसेटिन (10 मिग्रा) - 33%, ग्लूटेथियॉन (20 मिग्रा) - 40%, ल्यूटीन (4 मिग्रा) - 80%, टौरीन (200 मिग्रा) - 50%, जिंकगो - फ्लेवोनाइड ग्लायकोसाइड्स (2.4 मिग्रा) - 48%

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता, गर्भावस्था और स्तनपान

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

पर्सिफेन

फ्री-रैडिकल्स के विरुद्ध संरक्षण हेतु कॉम्प्लेक्स

बायोएक्टिव कॉम्प्लेक्स पर्सिफेन आड़ू की पत्ती के सत से बनाया गया है और यह शरीर को एंटी-ऑक्सीडेंट संरक्षण देता है।

पर्सिफेन एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो विटामिन ई और सी, बीटा कैरोटिन, फ्लेवोनाइड्स आदि का अतिरिक्त स्त्रोत है। यह फ्री रैडिकल्स के नुकसानदेह प्रभावों से बचाता है और व्यक्ति के सामान्य स्वास्थ्य और रोग-प्रतिकार क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव छोडता है।

आड़ू की पत्ती के सत में प्राकृतिक रसायनों का मिश्रण होता है जिसमें फ्री रैडिकल्स को ब्लॉक करने की क्षमता होना पाया गया है। इसमें पॉलीफेनोल रसायनों का एक खास सेट होता है जो कोशिकाओं के एंटी-ऑक्सीडेंट संरक्षण में एक बडी भूमिका निभाता है। ये रसायन ऑक्सीकरण के कारण तनाव उत्पन्न नहीं होने देते और शरीर की एंटी-ऑक्सीडेंट सिस्टम का कार्य सामान्य बनाते हैं। साथ ही वे रोग-प्रतिकार क्षमता का लचीलापन भी बढाते हैं। पर्सिफेन कॉम्प्लेक्स में उपस्थित विटामिन ई, सी और बीटा कैरोटिन फ्री रैडिकल्स के विरुद्ध क्रिया को मजबूती देते हैं और नलिकाओं पर सकारात्मक प्रभाव छोडते हैं। इन विटामिन्स का मिश्रण धमनियों की दीवारों को मजबूती एवं लचीलापन देता है, एपिथैलियल टिशू की स्थिती में सुधार लाता है और खून में कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी घटाता है। बायोएक्टिव कॉम्प्लेक्स पर्सिफेन का उपयोग किसी भी प्रकार के फ्री रैडिकल्स के नुकसानदेह प्रभाव से बचाएगा और यह शरीर पर एक सकारात्मक प्रभाव छोडेगा।

1 गोली की सामग्री (0.6 ग्रा.):
आड़ू की पत्ती (सत) - 102 मिग्रा, एस्कॉर्बिक एसिड (विटामिन सी) - 30 मिग्रा, विटामिन ई - 20 मिग्रा, बीटा कैरोटिन - 10 मिग्रा, निष्क्रिय पदार्थ: लैक्टोज़ खाद्य, कैफोस एम, एरोसिल, टैल्क

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):
वयस्क 1 कैप्सूल दिन में 2 बार भोजन के दौरान लें।

अनुशंसित खुराक (2 कैप्सूल) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती है:
विटामिन सी (60 मिग्रा) - 86%, विटामिन ई (40 मिग्रा) - 400%, बीटा कैरोटिन (4 मिग्रा) - 80%

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:
उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता, गर्भावस्था और स्तनपान

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

फेरोडॉक

कोशिकाओं में ऑक्सीजन की कमी अभिन्न रूप से ऊर्जा की कमी से जुडी होती है। चयापचय क्रिया में हुए बदलावों से कोशिका दोषपूर्ण कार्य करने लगती है या मर भी सकती है। अल्प मात्रा में पाए जाने वाले तत्व तांबा, लौह और जस्ता एवं विटामिन्स तथा एमिनो एसिड्स का मिश्रण टिशू का श्वसन नियमित करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

फेरोडॉक एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो अल्प मात्रा में पाए जाने वाले तत्व, जैसे तांबा, लौह और जस्ता एवं विटामिन्स (एस्कॉर्बिक एसिड और बी विटामिन्स)तथा एमिनो एसिड्स के मिश्रण का अतिरिक्त स्त्रोत है। यह टिशू के श्वसन को नियमित करता है और इस प्रकार कोशिका में ऑक्सीजन की कमी नहीं होने देता। कोशिकाओं में ऑक्सीजन की कमी अभिन्न रूप से ऊर्जा की कमी से जुडी होती है, जिससे चयापचय क्रिया में परिवर्तन आते हैं। इसके फलस्वरूप कोशिका दोषपूर्ण कार्य करने लगती है या मर भी सकती है।

≪फेरोडॉक≫ कॉम्प्लेक्स स्पैनसुली रूप में होता है – जिलेटिन के खोल में गोलियाँ, जो एक खास पेलेट तकनीक से बनाए जाते हैं। इसके घटक एक स्तरीय संरचना में होते हैं जो एक गोल, ठोस आधार पर टिके होते हैं। कॉम्प्लेक्स के घटक एक खास पदार्थ के आवरण से ढँके रहते हैं जो आंतों में गल जाता है। इस प्रकार आप परस्पर-विरोधी पदार्थ एक साथ रख सकते हैं और आंत में उनका मुक्त होना इच्छानुसार समय-बद्ध कर सकते हैं। सक्रिय घटक युक्त गोलियाँ एक कठोर जिलेटिन के खोल में रखी जाती हैं। स्पैनसुली की सामग्री एक के बाद एक अवशोषित होती है और पोषक तत्व अपनी संपूर्णता के साथ प्राप्त होते हैं और टिशूओं में भरपूर ऑक्सीजन के साथ कोशिका को श्वसन के लिए सर्वोत्तम मदद मिलती है। लाल रक्त कोशिकाओं में ऑक्सीजन ले जाने वाला तत्व होता है हीमोग्लोबिन। हीमोग्लोबिन में लौह की कमी हो, तो लाल रक्त कोशिकाएं ठीक से कार्य नहीं कर सकतीं। लौह सायटोक्रोम के लिए भी आवश्यक होता है, जो कोशिका श्वसन के लिए कार्य करता है। मैग्नेशियम, कोबाल्ट, तांबा, सेलेनियम, जस्ता, लौह, मैंगनीज़ और मॉलिब्डेनम कुछ विशिष्ट एंज़ाइम्स की संरचना का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं और कई बायोकेमिकल कार्यों के लिए अत्यावश्यक होते हैं। इन सूक्ष्म तत्वों की कमी से शरीर में स्वास्थ्य एवं सेहत बनाए रखने वाले कार्यों का संतुलन बिगड सकता है। इस प्रकार फेरोडॉक के घटक विभिन्न कारणों से हुई लौह की कमी के एनिमिया और बार-बार होने वाले तीव्र संक्रमण तथा दाहक रोगों की रोकथाम में सहायक होते हैं।

1 गोली की सामग्री (0.6 ग्रा.):

विटामिन सी – 30 मिग्रा, मैग्नेशियम सल्फेट – 30 मिग्रा, आयरन सल्फेट – 12 मिग्रा, सिस्टीन – 10 मिग्रा, ज़िंक सल्फेट – 10 मिग्रा, पी – एमिनो बेंज़ोइक एसिड – 1 मिग्रा, कॉपर सल्फेट – 1 मिग्रा, विटामिन बी2 – 0.5 मिग्रा, विटामिन बी6 – 0.5 मिग्रा, विटामिन बी1 – 0.3 मिग्रा, फोलिक एसिड – 0.10 मिग्रा, विटामिन बी12 – 0.001 मिग्रा

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क 1 कैप्सूल दिन में 2 बार भोजन के साथ लें।

अनुशंसित खुराक (2 गोली) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:

विटामिन सी (60 मिग्रा) – 86%, विटामिन बी1 (0.6 मिग्रा) – 40%, विटामिन बी6 (1 मिग्रा) – 50%, विटामिन बी12 (0.002 मिग्रा) – 67%, लौह (8.8 मिग्रा) – 63%, जस्ता (8 मिग्रा) – 53%, तांबा (0.8 मिग्रा) – 40%

% – दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

कैल्सिमैक्स

शरीर में मानक कैल्शियम स्तर एवं अन्य सूक्ष्म तत्वों के पुनर्स्थापन के लिए संतुलित निवारक फार्मूला

कैल्सिमैक्स एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो विटामिन्स, खनिज तत्व और कैल्शियम का अतिरिक्त स्रोत है। ये हड्डियों के ढाँचे की संरचना के लिए और जोडों तथा कनेक्टिव टिशू के कार्य के लिए आवश्यक सूक्ष्म तत्वों का संतुलन बनाए रखते हैं जिससे स्नायु-अस्थि तंत्र का सामान्य स्वास्थ्य ठीक रहता है।

कैल्शियम अस्थि-टिशू का आधार तत्व होता है, मांसपेशियों को सिकुडने में और तंत्रिका तंत्र में आवेगों के प्रसारण में मदद करता है, साथ ही कुछ हारमोन्स को सक्रिय करने में और खून का थक्का जमने में हिस्सा लेता है। मैग्नेशियम सभीकोशिकाओं एवं टिशूओं के लिए आवश्यक होता है, फास्फोरस के साथ मिलकर कार्बोहाइड्रेट-विनिमय में तथा मांसपेशियों के सिकुडने और शिथिल होने में हिस्सा लेता है। यह कैल्शियम के साथ मिल कर हड्डियों को मजबूती देता है।बोरॉन कैल्शियम और पोटेशियम के चयापचय में भाग लेता है।मैंगनीज़ हमारी गतिशीलता एवं तंत्रिका तंत्र के लिए आवश्यक होता है। क्रोमियम कार्बोहाइड्रेट के उपयोग में तेजी लाता है, रक्त में

शर्करा का मानक स्तर बनाए रखने में मददगार होता है और शरीर को ऊर्जा की आपूर्ति करता है। इस कॉम्प्लेक्स के सक्रिय घटक जैव-अणु हैं जो हड्डियों, जोडों, तथा कनेक्टिव टिशूओं की संरचना तथा कार्य (क्रमशः विटामिन डी, कोन्ड्रॉइटिन सल्फेट एवं विटामिन सी) बनाए रखते हैं। ये सभी घटक इस कॉम्प्लेक्स को शरीर की गतिशीलता बनाए रखने के लिए बहु-उपयोगी बनाते हैं।

1 कैप्सूल की सामग्री (0.75 ग्रा.):

कैल्शियम हाइड्रॉक्सीपेटाइट - 350 मिग्रा, मैग्नेशियम ऑक्साइड - 100 मिग्रा, कोन्ड्रॉइटिन सल्फेट - 66 मिग्रा, विटामिन सी - 60 मिग्रा, सिलिकॉन ऑक्साइड - 8 मिग्रा, ज़िंक ऑक्साइड - 1.5 मिग्रा, मैंगनीज़ सल्फेट - 0.8 मिग्रा, बोरॉन ग्लिसरेट - 0.5 मिग्रा, क्रोमियम पाइकोलिनेट - 8.5 माइक्रोग्राम, विटामिन डी - 1.6 माइक्रोग्राम

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क 1 कैप्सूल दिन में 2 बार भोजन के दौरान लें

अनुशंसित खुराक (2 कैप्सूल) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:

विटामिन सी (120 मिग्रा) - 170%, विटामिन डी3 (3.2 माइक्रोग्राम (128 आईयू) - 60%, कोन्ड्रॉइटिन सल्फेट - (132 मिग्रा) - 30%, सिलिकॉन - (7 मिग्रा) - 100%, मैग्नेशियम - (120 मिग्रा) - 30%, ज़िंक - (2.4 मिग्रा) - 30%, मैंगनीज़ - (0.52 मिग्रा) - 26%, बोरॉन - (50 माइक्रोग्राम) - 25%, कैल्शियम - (170 मिग्रा) - 20%, क्रोमियम - (2 माइक्रोग्राम) - 5%

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

जॉइंटफ्लेक्स

स्नायु-अस्थि तंत्र के लिए दाहरोधक कॉम्प्लेक्स

दीर्घकालीन, दाहक जोडों की बीमारीयाँ असंक्रामक दाहक प्रतिक्रियाएँ और चयापचय विकारों की वजह से होती हैं। यह एक बहुव्यापी विचार है क्योंकि इसमें विभिन्न कारणों से हुई बीमारीयों को शामिल किया गया है जिनके सामान्य लक्षण समान होते हैं, जैसे जोडों के हिलने-डुलने में कठिनाई।

जॉइंटफ्लेक्स एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो विटामिन सी, ग्लूकोज़एमिनो-ग्लायकेन का अतिरिक्त स्त्रोत है। यह दाहक प्रतिक्रियाओं की रोकथाम कर स्नायु-अस्थि तंत्र को सामान्य कार्यो में मदद करता है।

ग्लूकोज़एमाइन सल्फेट और कोन्ड्रॉइटिन सल्फेट, जो प्राकृतिक उपास्थि कोशिका पदार्थ का एक भाग होते हैं, इस कॉम्प्लेक्स का आधार हैं। जोडों की सतह उपास्थि टिशू से ढँकी होती है, इसीलिए जॉइंटफ्लेक्स जोडों के कार्य के लिए सही पोषण दे सकता है। दीर्घकाल इस्तेमाल करने पर ग्लूकोज़एमाइन सल्फेट और कोन्ड्रॉइटिन सल्फेट दर्द निवारक हैं, जोडों के हिलने-डुलने में सुधार लाते हैं और दाहक प्रतिक्रियाओं की गति कम करते हैं। जोडों के कार्य का नवीनीकरण युक्का, इन्सेन्स वृक्ष और ब्रोमलिाइन के सक्रिय दाहक गुणों द्वारा, और पेरूवियन लता और कैट्स क्लॉ छाल के सत के रोग-प्रतिकार गुणों द्वारा साध्य किया जाता है। अंगूर के बीजों का सत और विटामिन सी के एंटी ऑक्सीडेंट गुण जोडों का दाह कम करते हैं और दीर्घकालीन संरक्षण प्रदान करते हैं।

1 कैप्सूल की सामग्री (0.5 ग्रा.):
ग्लूकोज़एमाइन सल्फेट - 100 मिग्रा, कोन्ड्रॉइटिन सल्फेट - 25 मिग्रा, कैल्शियम हाइड्रोक्सीपेटाइट - 25 मिग्रा, विटामिन सी - 25 मिग्रा, बोसवलिया सत - 25 मिग्रा, युक्का - 12.5 मिग्रा, ब्रोमेलाइन - 7.5 मिग्रा, लता कणों का सत - 1.25 मिग्रा, कैट्स क्लॉ का सत - 1 मिग्रा

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):
वयस्क 1 गोली दिन में 3 बार भोजन के साथ लें। 1 महिने तक लें

अनुशंसित खुराक (3 गोली) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:
विटामिन सी (75 मिग्रा) - 107%, ग्लूकोज़एमाइन सल्फेट (300 मिग्रा) - 60%, कोन्ड्रॉइटिन सल्फेट (75 मिग्रा) - 20%

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:
उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

पल्मोक्लिंज़

श्वसन तंत्र के लिए दाहरोधक कॉम्प्लेक्स

श्वसन नलिका की बीमारीयाँ दुनियाभर में सबसे आम हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के विशेषज्ञों के अनुसार, फेफडों की दीर्घकालीन बीमारीयाँ गंभीर परिणाम छोड सकती हैं, जो चोटें, कैन्सर, हृदय रोग और तंत्रिका तंत्र की बीमारीयों के बाद पाँचवे स्थान पर हैं।

पल्मोक्लिंज़ एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो विटामिन सी, फ्लेवोनाइड्स, टैनिन्स, क्यूरसेटिन आदि का अतिरिक्त स्त्रोत है। यह श्वसन तंत्र की दाहक प्रक्रियाओं को समाप्त करने में मददगार है और इस प्रकार श्वसन तंत्र का सामान्य स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद करता है।

मार्श मैलो, स्वर्ण धान्य और मुलेठी एक आवरणीय, दाहरोधक तथा कफरोधक प्रभाव छोडते हैं, वे श्लेष्मा झिल्ली को मृदु करने में मदद करते हैं और श्वसन नलिका से बलगम हटाते हैं। वनस्पति एंज़ाइम ब्रोमेलाइन और पो डि'आर्को की जड रोग-प्रतिकार प्रणाली की दाहरोधी प्रतिक्रिया को बढावा देते हैं। भोज वृक्ष की पत्तियों की दाहरोधक तथा बैक्टीरियारोधक गतिविधियाँ दाह की अवधि कम करती हैं। केले की पत्तियाँ बैक्टीरियारोधक, कफरोधक तथा घाव ठीक होने का प्रभाव छोडती हैं। तील, जो पल्मोक्लिंज़ कॉम्प्लेक्स का एक घटक है, खून का घनत्व धीरे-धीरे कम करता है, और यह एक शामक और कफरोधक प्रभाव छोडता है। बाम के सक्रिय घटक शामक प्रभाव छोडते हैं, श्वास नलिका की मांसपेशियों की ऐंठन मुक्त करते हैं और श्वसन की कठिनाई और कफ कम करते हैं। सौंफ की क्रिया से सौम्य डाइयूरेटिक और कफ कम करने का प्रभाव पडता है। अंगूर, क्यूरसेटिन और विटामिन ए और सी के एंटी ऑक्सीडेंट तथा नसों को मजबूती देने के गुण हिस्टेमाइन की रिलीज़ रोकते हैं; जिससे श्वास नलिका और फेफडों की कोशिकाओं के ठीक होने में तेजी आती है। इस प्रकार पल्मोक्लिंज़ बायोएक्टिव कॉम्प्लेक्स के सक्रिय वनस्पति पदार्थ श्वसन तंत्र की दीर्घकालीन बीमारी के तात्कालिक दौरों की अवधि और तीव्रता कम करते हैं और उनकी रोकथाम करते हैं।

1 कैप्सूल की सामग्री (0.5 ग्रा.):

मार्श मैलो की जड – 37.5 मिग्रा, विटामिन सी – 25 मिग्रा, सामान्य स्वर्ण धान्य फूल – 25 मिग्रा, सामान्य भोज की पत्ती – 12.5 मिग्रा, पो डी'आर्को की जड का सत – 12.5 मिग्रा, सौंफ – 12.5 मिग्रा, सामान्य केले की पत्ती – 12.5 मिग्रा, टिलेट फूल – 12.5 मिग्रा, ब्रोमेलाइन – 12.5 मिग्रा, सामान्य मुलेठी – 6.25 मिग्रा, मेलिसा पत्ती – 6.25 मिग्रा, क्यूरसेटिन – 6.25 मिग्रा, अंगूर के बीज का सत – 0.25 मिग्रा, विटामिन ए – 0.16 मिग्रा,

अतिरिक्त सामग्री: माइक्रोक्रिस्टलाइन सेल्युलोज़, एमाइलम, टाइटैनियम डाइऑक्साइड, कॉपर क्लोराफिल कॉम्प्लेक्स, हाइड्रॉक्सीप्रोपाइल मेथिलसेल्युलोज़, माल्टोडेक्सट्रिन, टैल्क।

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क 1 गोली दिन में 1 – 2 बार भोजन के साथ लें

अनुशंसित खुराक (2 गोली) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:

रुटिन के रूपांतरण में फ्लेवोनाइड्स (16 मिग्रा) – 53.3%, क्यूरसेटिन (11.2 मिग्रा) – 37.3%, विटामिन सी (45 मिग्रा) – 64.3%, टैनिंग के रूपांतरण में टैनिंग एजेंट्स (24 मिग्रा) – 12%

% – दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

सेट्राज़िन

सेट्राज़िन एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो फ्लेवोनाइड्स, टैनिन्स का अतिरिक्त स्रोत है। यह रोग-प्रतिकार सिस्टम के प्राकृतिक गुणों को मजबूती देता है, जो एलर्जीकारकों तथा रोगकारकों से लडने के लिए शरीर का रक्षा तंत्र होता है। इस प्रकार यह सामान्य स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद करता है।

आहार पूरक सेट्राज़िन के विशेष घटक रागकारकों पर नाशकारी प्रभाव छोडते हैं और ग्राम-पॉज़िटिव तथा ग्राम-निगेटिव बैक्टीरिया, फंगस, प्रोतोज़ोआ और वाइरसों पर एक जटिल प्रभाव छोडते हैं। साथ ही, सेट्राज़िन के घटक जठरांत्र नलिका की ग्रंथियों को उद्दीप्त करते हैं, प्रतिकार क्षमता बढाते हैं और चयापचय सामान्य बनाते हैं। नया जडीबूटी युक्त आहार पूरक सेट्राज़िन – जो सेट्रारिया, एंड्रोग्राफिस, सेंट जॉन्स वोर्ट जडी, अखरोट की पत्ती, नीलगिरी की पत्ती आदि औषधी वनस्पतियों तथा प्रोपोलिस और पैंक्रिएटिन से बना है – सच में ≪एक वरदान≫ है। आप में से कई बाइबल में उल्लेखित स्वर्गीय भोजन के बारे में जानते होंगे, जिसकी सहायता से मोज़ेस ने अपने कबीले को भुखमरी और मौत से बचाया था।

सेट्रारिया आइलैंडिका (आइसलैंड काई) एक शानदार वनस्पति है जिसमें कठिन से कठिन वातावरण में भी रह सकने की अद्भुत क्षमता होती है। आइसलैंड काई उगने के लिए आर्कटिक या पहाडी क्षेत्र ही चुनती है जहाँ आपको कोई सामान्य वनस्पति नहीं मिलेगी। उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में यह पाया गया कि आइसलैंड काई, जो फंगस और शैवाल का सहजीवन है, में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, एस्कॉर्बिक तथा फोलिक एसिड, बी विटामिन्स, लौह, तांबा, मैंगनीज़, क्रोमियम, बोरॉन तथा हर्बल एंटीबॉडी होते हैं और इसकी सूक्ष्मजीवरोधक क्रिया भी होती है। आइसलैंड काई शरीर में आसानी से अवशोषित हो जाती है, आंतरिक अंगों के कार्य में सुधार लाती है और रोग-प्रतिकार प्रणाली को मदद करती है। उस्निक एसिड पर खास ध्यान दिया जाना चाहिए, जो आइसलैंड काई में होता है (जो स्टेफाइलोकोकस, स्ट्रेप्टोकोकस, सबटिलिस आदि सूक्ष्म बैक्टीरिया के विरुद्ध प्रभावी होता है)। युस्निक एसिड की एंटीबायोटिक क्रिया सूक्ष्म जीवियों की कोशिका में ऑक्सीडेटिव फॉस्फोरिलेशन प्रक्रिया के व्यवधान के साथ सम्बन्धित होती है। युस्निक एसिड केवल संक्रामक एजेंटों पर प्रभाव छाडता है, सामान्य सूक्ष्मजीवों पर नहीं। आइसलैंड काई की क्रिया को अन्य वनस्पति घटकों की क्रिया का साथ मिलता है जो सेट्राज़िन आहार पूरक का हिस्सा होते हैं। विख्यात जडी सेंट जॉन्स वोर्ट इन्हीं में से एक वनस्पति है जो क्षतिग्रस्त टिशू के पुनर्निमाण पर एस्ट्रिंजेंट और दाहरोधक प्रभाव छोडती हैं। सेंट जॉन्स वोर्ट के टैनिन्स ग्राम-पॉज़िटिव, यहाँ तक कि पेनिसिलिन-रोधी स्टेफाइलोकोकस बैक्टीरिया पर भी सूक्ष्मजीवरोधक क्रिया करते हैं। सेंट जॉन्स वोर्ट में बायो-फ्लेवोनाइड सम्बन्ध पाया जाता है, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण है एमेन्टोफ्लेवोन, जिसकी दाहरोधक तथा अल्सररोधक क्रिया होती है। एंड्रोग्राफिस पारंपरिक रूप से विभिन्न संक्रामक रोगों के इलाज में इस्तेमाल होता आ रहा है, एंटीबायोटिक्स आने से भी पहले से। औषधिशास्त्रीय तथा चिकित्सीय अध्ययनों में एंड्रोग्राफिस का वाइरल रोगों के विरुद्ध प्रभावी होने की पुष्टि हो चुकी है। यह वाइरल ग्लाइकोप्रोटीन के प्रतिबंध में योगदान देता है और उसका पुनरुत्पादन रोकता है। रोग-प्रतिकार क्षमता को बढावा देने वाला एंड्रोग्राफिस टू वे-एंटीजेन-स्पेसिफिक प्रतिक्रिया देता है, जो रोग कारकों के विरुद्ध एंटीबॉडी पैदा करती है और सामान्य प्रतिकार प्रतिक्रिया देती है जिसमें बाहरी जीवों के खून से माइक्रोफेज का शुद्धिकरण किया जाता है। हाल के वर्षों में इस वनस्पति के कैन्सररोधक गुणों की पुष्टि भी हुई है। साथ ही, एंड्रोग्राफिस का लीवर को संरक्षण देने का गुण उसमें मौजूद चयापचय में हिस्सा लेने वाले एंज़ाइम्स के कारण आता है। ये एंज़ाइम्स शरीर में प्रवेश के साथ ही सक्रिय हो जाते हैं। बैक्टीरिया और फंगस की वृद्धि रोने का बैक्टीरियारोधक गुण अखरोट और नीलगिरी की पत्तियों में, और प्रोपोलिस में भी देखा गया है जो आहार पूरक सेट्राज़िन में शामिल होती हैं। अखरोट की पत्तियों में एल्डिहाइड, आवश्यक तेल, एल्केलॉइड्स, भरपूर मात्रा में विटामिन सी, निकोटिनिक एसिड, कैराटिन, फीनोल, कार्बोनिक एसिड, टैनिन्स, कूमैरिन्स, फ्लेवोनाइड्स, एंथोसिएनिन्स, क्विनोन्स और उच्च एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन्स, साथ ही जगलोन होते हैं। जगलोन एक शक्तिशाली सूक्ष्मजीवरोधक है जो बैक्टीरिया और फंगस कै वृद्धि रोकता है। इस वनस्पति की पत्तियों की ग्लूकोज़ जमाव को बढावा देने की क्षमता प्रयोगों में दर्शाई जा चुकी है। अखरोट की पत्तियों में घाव भरने के, सूक्ष्मजीवरोधक तथा दाहरोधक गुण होते हैं। नीलगिरी की पत्तियों में आवश्यक तेल होते हैं, जिनके मुख्य घटक होते हैं साइनियोल, टैनिन्स, ऑर्गनिक एसिड्स और कडुवापन; इस कारण नीलगिरी युक्त पदार्थों में सूक्ष्मजीवरोधक, दर्दनिवारक, एंटीसेप्टिक, हेल्मिंथरोधक, परजीवीरोधक और कफरोधक गुण

होते हैं। साइनियोल की गतिविधि डिप्थीरिया और अतिसार, टायफॉइड बैक्टीरिया, स्ट्रेप्टोकॉकस के विरुद्ध देखी जा सकती है, जब नीलगिरी का एंटीबायोटिक उपचारात्मक प्रभाव जल्द ही असर दिखाता है। इस बात के वैज्ञानिक सबूत मिल चुके हैं कि प्रोपोलिस एक सक्रिय उपचारात्मक पदार्थ है जो विशिष्ट तथा सामान्य रोग-प्रतिकार कारकों को सक्रिय करता है। प्रोपोलिस में बैक्टीरियारोधक, एंटीवाइरल, फंगसरोधक गुण होते हैं और यह दाहरोधक, त्वचा-सुधारक, विषाक्ततारोधक, जैव-उद्दीपन, कैन्सररोधक, एंटीऑक्सीडेंट और दर्द निवारक गतिविधियाँ भी रखता है। प्रोपोलिस टिशू नवीनीकरण को उद्दीप्त करता है, एंडोक्राइन सिस्टम को नियमित करता है, लीवर को संरक्षण देता है और यह रक्तचाप घटाने वाला एवं दिल की धडकन को नियमित करने वाला कारक भी है। पैंक्रिएटिन आहार पूरक सेट्राज़िन में शामिल वनस्पति घटकों को पचाने में मददगार होता है और उनके प्रभाव में वृद्धि करता है। पैंक्रिएटिन – एक एंज़ाइम सहायक, पैंक्रिएटिक एंज़ाइम्स की कमी को पूरा करता है। पैंक्रिएटिक एंज़ाइम्स (लाइपेज़, अल्फा एमाइलेज़, ट्रिप्सिन, कीमोट्रिप्सिन) प्रोटीन्स के एमिनो एसिड्स, वसा, और आगे ग्लायसेरॉल और फैटी एसिड्स, कार्बोहाइड्रेट्स, और आगे डेक्सट्रिन्स और शर्करा में विघटिन में योगदान देते हैं और जठरांत्र नलिका के कार्य में सुधार लाते हैं एवं पचन को सामान्य बनाते हैं। इस प्रकार सेट्राज़िन के घटकों में बैक्टीरियारोधक, वाइरलरोधक, प्रोटोज़ोआरोधक, फंगसनाशक, एंटीसेप्टिक, दाहरोधक, लीवर संरक्षक गुण होते हैं, वे जठरांत्र नलिका में स्थित एंडोक्राइन ग्रंथी को सक्रिय करते हैं, रोग-प्रतिकार क्षमता को बढाते हैं और पचन सामान्य करते हैं।

सेट्राज़िन दीर्घकाल इस्तेमाल के लिए सुरक्षित है क्योंकि वनस्पतिक सूक्ष्मजीवरोधक कारकों के प्रतिरोध से रोगों के कारक विकसित नहीं होते। एंटीबायोटिक्स के साथ सेट्राज़िन लेने से एंटीबायोटिक्स की बैक्टीरियारोधक गतिविधियों में कई गुना वृद्धि होती है। अंत में, इस बात को याद रखें कि वनस्पतिक बैक्टीरियारोधक तथा आहार पूरक सेट्राज़िन में कई वनस्पतियों का सत और विभिन्न जैव-सक्रिय घटक शामिल हैं जो इसे इसकी खास शक्ति और प्रभाव देते हैं। औषधि वनस्पतियाँ केवल रोग कारकों को मिटाती हैं और आँत के अधिकांश गुणकारी बैक्टीरिया को नहीं छेडतीं। एंटीबायोटिक तथा कृत्रिम सूक्ष्मजीवरोधकों की तुलना में यही इसका सबसे बडा फायदा है। प्रत्येक वनस्पति के जैव सक्रिय घटकों का मिश्रण कई अतिरिक्त प्रभाव छोडता है और ऐसी मदद पहुँचाता है जो आम एंटीबायोटिक्स नहीं दे सकते। यह हर्बल पूरक दुष्परिणाम नहीं छोडता और इसकी आदत लगना भी नामुमकिन है। और सबसे महत्वपूर्ण – सेट्राज़िन सचमुच शरीर का सामान्य स्वास्थ्य सुधार कर उसे कई दीर्घकालीन बीमारियों से बचा सकता है।

1 कैप्सूल की सामग्री (0.75 ग्रा.):

एंड्रोग्राफिस सत – 100 मिग्रा, सेट्रारिया आइलैंडिका सत – 100 मिग्रा, सेंट जॉन्स वोर्ट जडी का सत – 70 मिग्रा, नीलगिरी की पत्तियाँ – 50 मिग्रा, अखरोट की पत्ती का सत – 50 मिग्रा, पैंक्रिएटिन – 40 मिग्रा, प्रोपोलिस – 5 मिग्रा

सहायक घटक: माइक्रोक्रिस्टलाइन सेल्युलोज़, टैल्क, हाइड्रॉक्सीप्रोपाइल मेथिलसेल्युलोज, शेलैक, अकुत्सल, माल्टोडेक्सट्रिन, रंग टाइटैनियम डाइऑक्साइड, लैकर, टाट्राज़िन, चमकीला नीला

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क 1 गोली दिन में 3 बार भोजन के साथ 10 दिन लें

अनुशंसित खुराक (3 गोली) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:

फ्लेवोनाइड्स, रुटिन समकक्ष (24 मिग्रा) – 80%, गैलिक एसिड के रूप में पॉलीफेनोल्स (30 मिग्रा) – 30%, टैनिन्स के रूप में पॉलीफेनोल्स (30 मिग्रा) – 15%

% – दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता, गर्भावस्था और स्तनपान

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

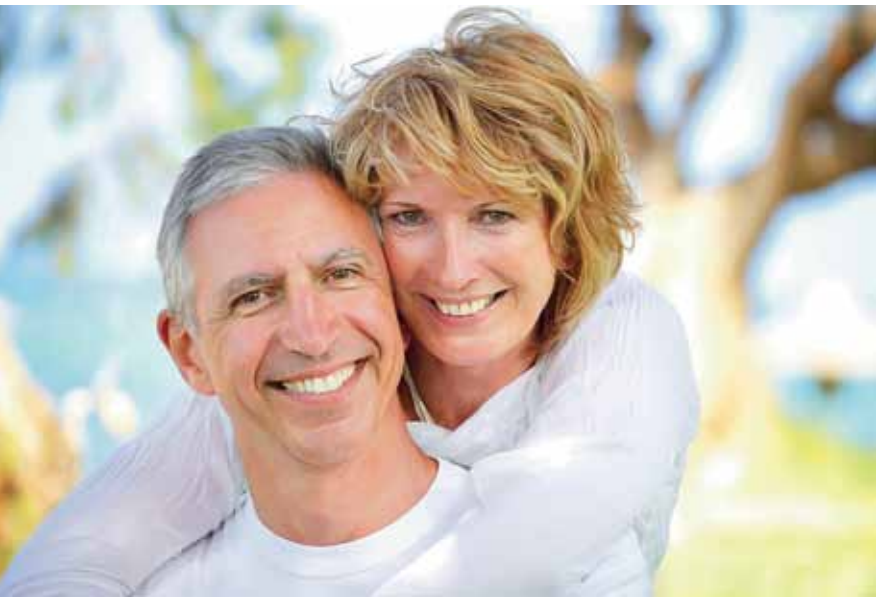

Art of Life®

एटेरोलेक्स

एथेरोस्क्लेरोसिस और जोडों में आयु-सम्बन्धी बदलावों के निवारण हेतु कॉम्प्लेक्स

कार्डियोवास्क्युलर वर्ग की बीमारीयों में हृदय तथा रक्तवाहिनियाँ (धमनी तथा शिराएँ) शामिल होती हैं। कार्डियोवास्क्युलर बीमारीयों के कई कारण होते हैं, लेकिन एथेरोस्क्लेरोसिस और उच्च रक्तचाप इनमें सबसे आम हैं। एथेरोस्क्लेरोसिस में धमनियों की आंतरिक दीवारों पर वसा जमा हो जाता है जिससे वे संकरी हो जती हैं। दुनियाभर में कार्डियोवास्क्युलर बीमारीयाँ मृत्यु का सबसे बडा कारण हैं। हालांकि कार्डियोवास्क्युलर बीमारीयाँ आम तौर पर अधिक आयु के वयस्कों को होती हैं, फिर भी कार्डियोवास्क्युलर बीमारीयों के लक्षण, खास कर एथेरोस्क्लेरोसिस, कम आयु में ही दिखने लगते हैं, जिसके कारण प्राथमिक रोकथाम की शुरुआत बचपन से ही करना आवश्यक होता है। इसकी जोखिम के कारकों में शामिल हैं – आयु, लिंग, उच्च रक्तचाप, उच्च सीरम कोलेस्ट्रॉल स्तर, तंबाखू, धूम्रपान, अत्यधिक मदिरापान, परिवार में इसका होना, मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता, मानसिक-सामाजिक तनाव, मधुमेह मेलिटस तथा वायु प्रदूषण। इनमें से कुछ जोखिमें, जैसे आयु, लिंग या परिवार में इसकी उपस्थिति आदि टाले नहीं जा सकते, लेकिन कार्डियोवास्क्युलर जोखिम के महत्वपूर्ण कारक जैवनशैली बदलाव, औषधोपचार या सामाजिक बदलावों के जरिए ताले जा सकते हैं।

एटेरोलेक्स एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो टौरीन, आइसोफ्लेवोन्स, पोटेशियम, मैग्नेशियम, क्रोमियम, लिपोइक एसिड, कोएंज़ाइम क्यू10, एल-कार्निटाइन और विटामिन्स सी, ई, बी1, बी3, बी5, बी6, बी9 और बी12 का अतिरिक्त स्रोत है। यह रक्तवाहिनियों में सूक्ष्म-संचरण को तथा कोलेस्ट्रॉल एक्सचेंज को बढावा देता है। इस प्रकार यह कार्डियोवास्क्युलर सिस्टम का सामान्य स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद करता है।

बायोएक्टिव कॉम्प्लेक्स एटेरोलेक्स की संरचना इसे एथेरोस्क्लेरोसिस को शुरुआत से ही नियंत्रित करने में सक्षम बनाती है, तब भी जब इस बीमारी के शुरुआती लक्षण सामने न आए हों। विटामिन बी का शक्तिशाली मिश्रण (बी1, बी3, बी5, बी6, बी12) और फोलिक एसिड होमोसिस्टीन की चयापचय प्रतिक्रियाओं के लिए आवश्यक सक्रिय पदार्थों की कमी को पूरा करते हैं। विटामिन सी कोलाजेन के संश्लेषण को सक्रिय करता है जिससे रक्तवाहिनियों की दीवारों को मजबूती मिलती है और उन्हें होमोसिस्टीन की विषाक्त क्रिया तथा खून में मौजूद रोग कारकों के विरुद्ध प्रतिकार की शक्ति मिलती है। विटामिन ई एथेरोस्क्लेरोसिस रोधक क्रिया करता है और लिपोइक एसिड के साथ मिलकर कोलेस्ट्रॉल का स्तर घटाता है, खून की एथेरोजेनिसिटी का इंडेक्स घटाता है। कार्निटाइन लिपिड एक्सचेंज से उत्पन्न हानिकारक पदार्थ (फ्री फैटी एसिड्स और ट्राइग्लिसेराइड्स) कम करता है, जिनका बढना हृदय और रक्तवाहिनियों की बीमारी का एक लक्षण है। यह इन पदार्थों के आवश्यकता से अधिक अणुओं को कोशिका के माइटोकॉंड्रिया में भेज देता है जहाँ वे ऊर्जा में तब्दील हो जाते हैं और इस प्रकार अधिक वसा जमा नहीं हो पाती। कोएंज़ाइम क्यू10 जैव-ऊर्जा प्रक्रिया में सुधार लाता है। टौरीन पित्त अम्लों के संश्लेषण के लिए आवश्यक होता है जो शरीर से अत्यधिक कोलेस्ट्रॉल हटाते हैं और एथेरोस्क्लेरोसिस के विकसित होने के खतरे को कम करते हैं। साथ ही, टौरीन कोशिकाओं की इंस्युलिन के प्रति संवेदनशीलता बढाता है, ग्लूकोज़ के अधिक अच्छे इस्तेमाल की परिस्थिती पैदा करता है और शरीर में उसे वसा में तब्दील होने से रोकता है। इस प्रक्रिया में क्रोमियम टौरीन का साथ देती है। पोटेशियम शरीर से आवश्यकता से अधिक सोडियम हटाने में मदद करता है, जिससे टिशूज़ में अत्यधिक पानी जमा नहीं हो पाता। इससे न केवल सूजन (एडीमा) कम होती है, बल्कि धमनियों का दबाव भी घटता है। मैग्नेशियम के आयन्स कोलेस्ट्रॉल कम करते हैं, वे केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र में अस्वस्थता कम करते हैं, सपाट मांसपेशियों की ऐंठन कम करते हैं जिससे उनका व्यास बढता है और धमनी का दबाव कम होता है। एक प्रभावी निराशारोधक होने के साथ-साथ मैग्नेशियम तनाव के दुष्परिणाम कम करता है और इस प्रकार हृदय-रक्तवाहिनी बीमारी का मुख्य खतरा कम करता है और चयापचय में सुधार लाता है।

1 कैप्सूल की सामग्री (0.75 ग्रा.):

पोटेशियम क्लोराइड – 33 मिग्रा, मैग्नेशियम ऑक्साइड – 133 मिग्रा, टौरीन – 80 मिग्रा, पोटेशियम ओरोटेट – 50 मिग्रा, मैग्नेशियम लैक्टेट – 48.8 मिग्रा, सोया आइसोफ्लेवोन का सत ≪सोलजेन≫ – 25 मिग्रा, एल – कार्निटाइन – 15 मिग्रा, एस्कॉर्बिक एसिड (विटामिन सी) – 14 मिग्रा, लिपोइक एसिड – 6 मिग्रा, निएसिन/निकोटिनिक एसिड (विटामिन बी3) – 4 मिग्रा, कोएंज़ाइम क्यू10 – 3 मिग्रा, टोकोफेरोल एसीटेट (विटामिन ई) – 2 मिग्रा, कैल्शियम पैंटोथनेट (विटामिन बी5) – 1 मिग्रा, पायरोडॉक्सीन हाइड्रोक्लोरीन (विटामिन बी6) – 0.4 मिग्रा, थायामीन मोनोनाइट्रेट (विटामिन बी1) – 0.3 मिग्रा, क्रोमियम पाइकोलिनेट – 0.08 मिग्रा, फोलिक एसिड (विटामिन बी9) – 0.04 मिग्रा, सायानोकोबालएमिन (विटामिन बी12) – 0.0006 मिग्रा

सहायक कारक: लैक्टोज़, टैल्क

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क 1 कैप्सूल दिन में 3 बार खाने के साथ लें। सम्पूर्ण कोर्स 1 महिने का है।

अनुशंसित खुराक (3 कैप्सूल) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:

विटामिन सी (42 मिग्रा) – 60%, विटामिन ई (6 मिग्रा) – 60%, विटामिन बी1 (0.9 मिग्रा) – 60%, विटामिन बी3 (12 मिग्रा) – 60%, विटामिन बी5 (3 मिग्रा) – 60%, विटामिन बी6 (1.2 मिग्रा) – 60%, विटामिन बी9 (0.12 मिग्रा) – 60%, विटामिन बी12 (0.0018 मिग्रा) – 60%, लिपोइक एसिड (18 मिग्रा) – 60%, मैग्नेशियम (240 मिग्रा) – 60%, टौरीन (240 मिग्रा) – 60%, क्रोमियम (0.03 मिग्रा) – 60%, आइसोफ्लेवोन्स (30 मिग्रा) – 60%, कोएंज़ाइम क्यू10 (9 मिग्रा) – 30%, पोटेशियम (555 मिग्रा) – 15.8%, एल – कार्निटाइन (45 मिग्रा) – 15%,

% – दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

नोवोमेजिन

इसेंशियल फैटी एसिड (ईएफए) ऐसे वसा (ओमेगा **3** और **6**) होते हैं जो मानव शरीर में प्रयोगशाला में नहीं बनाए जा सकते। हमें इन्हें अपने आहार या आहार पूरकों से ही प्राप्त करना होता है। दुर्भाग्यवश आज के प्रोसेस्ड और फास्ट फूड्स में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सैचुरेटेड फैट होते हैं और हमारे आहार में स्वास्थ्यप्रद फैट का अभाव होता है। विटामिन्स और खनिजों के साथ ही इसेंशियल फैटी एसिड भी शरीर के कार्यों के लिए आवश्यक होते हैं। ईएफए अन्न को उपयोग करने लायक ऊर्जा में बदलते हैं और इस ऊर्जा को पूरे शरीर में विरित करते हैं। ईएफए शरीर को वे विशिष्ट पोषक तत्व देते हैं जो कोशिका झिल्ली के निर्माण के लिए आवश्यक होते हैं। ये ईएफए कोशिका, तंत्रिका, चयापचय और कार्डियोवास्क्युलर सिस्टम्स को अत्यंत प्रभावी आधार देते हैं और रोग-प्रतिकार तंत्र को संक्रमण और एलर्जी से लडने में मदद देते हैं। वे जोडों की हलचल के लिए आवश्यक चिकनाई का निर्माण भी करते हैं। इस प्रकार सर्वोत्तम स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए हमें रोजाना ईएफए की आवश्यकता होती है क्योंकि वे वृद्धि, स्फूर्ति और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालते हैं।

नोवोमेजिन एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड्स, ओमेगा-**3** (आइकोसापेंटानोइक एसिड, डोकोसाहेक्सानोइक एसिड, अल्फा-लिनोलेनिक एसिड), सेलेनियम, लिपोइक एसिड, विटामिन ईऔर डाइहाइड्रोक्यूरसेटिन का अतिरिक्त स्त्रोत है। यह कार्डियोवास्क्युलर सिस्टम को वातावरणीय खतरे, तनाव, बुढापे से बचा कर उसके कार्य में सुधार लाता है और चयापचय पर सकारात्मक प्रभाव डालकर मानव शरीर का सामान्य स्वास्थ्य बढाता है।

नोवोमेजिन में ग्रीनलैंड की सामन मछली से प्राप्त उच्च दर्जे का मछली का तेल और पटसन के बीज होते हैं जो ओमेगा **3** और **6** फैटी एसिड्स का उत्तम स्त्रोत होते हैं। इसमें डाइहाइड्रोक्यूरसेटिन भी होता है, जो विटामिन पी समूह से सम्बन्धित पदार्थ है, छोटी रक्तवाहिनियों की पारगम्यता और नाजुकता घटाता है और रक्त की आपूर्ति बढाकर अंगों और टिशूज़ के कार्यों में सामान्यता लाता है। एंटी-ऑक्सीडेंट गतिविधि में डाइहाइड्रोक्यूरसेटिन विटामिन ई की तुलना में **11.5** गुना अधिक प्रभावी है।

नोवोमेजिन पहले से मौजूद उत्पाद ≪इसेंशियल ऑईल≫ का नया फार्मूला है, लेकिन यह अधिक प्रभावी है, क्योंकि यह अपने सक्रिय घटक नई तकनीक की मदद से अधिक अच्छी तरह से पहुँचाता है और इसमें अतिरिक्त नए पदार्थ भी जोडे गए हैं। आहार पूरक नोवोमेजिन के नए फामूर्ला की विशेषता यह है कि इसमें मौजूद डाइहाइड्रोक्यूरसेटिन लाइपोसम स्वरूप में है। लाइपोसम ओमेगा-**3** फैटी एसिड को ऑक्सीडेशन से बचाता है और उनके आंतों में अवशोयण में सुधार लाता है।

1 कैप्सूल की सामग्री (0.62 ग्रा.):

मछली का तेल, अलसी का तेल, डाइहाइड्रोक्यूरसेटिन के साथ लाइपोसम्स (लेसिथिन, डाइहाइड्रोक्यूरसेटिन), लिपोइक एसिड, विटामिन ई और सेलेक्ज़ेन। अन्य घटक: माल्टोडेक्सट्रिन, सिलिकॉन डाइऑक्साइड, एंटीऑक्सीडेंट ग्रिनडॉक्स **109**

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क **1** कैप्सूल प्रतिदिन भोजन के साथ लें। पूर्ण कोर्स **1** महिने का है।

अनुशंसित खुराक (1 कैप्सूल) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:

आइकोसापेंटानोइक एसिड (**90** मिग्रा) - **35%**, डोकोसाहेक्सानोइक एसिड - (**60** मिग्रा), अल्फा लिनोलेनिक एसिड - **200** मिग्रा, लिपोइक एसिड (**9.0** मिग्रा) - **30%**, डाइहाइड्रोक्यूरसेटिन (**7.5** मिग्रा) - **30%**, विटामिन ई (**3** मिग्रा) - **30%**, सेलेनियम (**0.01** मिग्रा) - **15%**

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

एडी–बैलेन्स

कार्डियोवास्क्युलर बीमारीयाँ भारत में मृत्यु का सबसे बडा कारण बनती जा रही हैं, जो **2005** में सर्वाधिक, करीब **29%** मृत्यु के लिए जिम्मेदार थीं। बीमारी के आँकडे साल दर साल सतत रूप से वृद्धि पर हैं। पिछले वर्ष सितम्बर में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर नई दिल्ली में विशेषज्ञों ने इसका विश्लेषण किया, तो पाया कि **2000** से **2015** के बीच इनके रोगियों की संख्या में **3.45** करोड की वृद्धि होगी। **2020** तक भारत में हृदय रोगियों की संख्या विश्व में सर्वाधिक हो जाने का अनुमान है। केवल इस घातक बीमारी और सम्बन्धित रोगों से ही **19%** मौतें होना अनुमानित है।

कार्डियोवास्क्युलर बीमारीयों की वजह जेनेटिक और खराब जीवनशैली, दोनों ही होते हैं। जेनेटिक वजह और शरीर की संरचना सीएडी विकसित होने की वजहों से जुडे हैं। तथापि, युवा तथा अधेड उम्र के पुरुषों और स्त्रियों में पैरालिसिस, कोरोनरी आर्टरी डिसीज़ (सीएडी), या दीर्घकालीन हृदय रोग होने का कारण है उच्च रक्तचाप।

तनाव, उच्च कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन के कारण आया अत्यधिक वजन और मोटापा, धूम्रपान और मदिरापान आदि के कारण बढा बीमारी का खतरा न केवल मृत्यु दर बढाता है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की बढती लागत से एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था भी खतरे में पड सकती है।

एडी–बैलेन्स एक आहार–पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो विटामिन्स ई, बी3, फ्लेवोनाइड्स (रुटिन, डाइहाइड्रोक्यूरसेटिन), एंथोसायनिन युक्त टैनिन का अतिरिक्त स्त्रोत है। यह कोलेस्ट्रॉल घटाता है, रक्त की तरलता बढाता है और कोशिका श्वसन में सुधार लाता है, जिससे अंगों और टिशूज़ में रक्त प्रवाह सामान्य बनता है और सामान्य स्वास्थ्य में सुधार होता है।

इस कॉम्प्लेक्स की रचना रक्तचाप को सामान्य बनाने के लिए की गई है। इसके घटक कोलेस्ट्रॉल घटाकर, खून की तरलता बढाकर और कोशिका के कार्य में सुधार कर अंगों और टिशूज़ में रक्त प्रवाह को सामान्य बनाते हैं। इस विधि से किसी भी टिशू या अंग में ऑक्सीजन की कमी नहीं होने पाती। कॉम्प्लेक्स के सक्रिय घटक फ्री रैडिकल्स को निष्क्रिय करते हैं और तनाव के दौरान शरीर को संरक्षण देते हैं। कॉम्प्लेक्स एडी–बैलेन्स उन पदार्थों से बना है जो शरीर में रक्तचाप नियमित करने वाले सभी भागों को सामान्य बनाते हैं: चाहे वे मस्तिष्क में केन्द्र स्थान पर हों या हाथ–पैर के सिरों पर, या वास्क्युलर स्वास्थ्य तथा उनकी दीवारों पर रक्त के दबाव पर निर्भर हों। सभी ओर समान रूप से कार्य करते हुए कॉम्प्लेक्स के सक्रिय घटक रक्तचाप की नियमितता का संतुलन बनाए रखते हैं और उसके लंबे समय तक सामान्य बने रहने की स्थिती पैदा करते हैं। शरीर में अत्यधिक पानी जमा होने की स्थिती उच्च रक्तचाप के कारण बनती है। पोटेशियम, सोडियम विरोधक अतिरिक्त पानी जमा कर लेते हैं और हॉर्सटेल का सत टिशूज़ से पानी निकालने में देरी नहीं होने देता। इस पृष्ठभूमि के साथ मैग्नेशियम रक्तवाहिनियों की दीवार से दबाव कम करता है और मदरवोर्ट और सिमिसिफ्युजी (काला कोहोश) के सत मस्तिष्क में स्थित रक्तचाप नियंत्रण केन्द्रों पर पडा अत्यधिक तनाव दैर करते हैं। चोकबेरी का सत, स्कलकैप और जिंकगो रक्तवाहिनियों का स्वास्थ्य सुधारते हैं और उन्हें सामान्य करते हैं। एरोनिया दिलचस्प है क्योंकि यह प्रकृति के सबसे प्रभावी रक्तचाप सामान्य बनाने वाले पदार्थों में से एक है और यह रक्तवाहिनियों में एक शक्तिशाली दाहरोधक प्रभाव छोडता है। स्कलकैप और जिंकगो न केवल रक्तचाप में स्थिरता लाते हैं, बल्कि रक्त प्रवाह में भी सुधार करते हैं। जिंकगो खून के धमनियों से शिराओं में जाने में तेजी लाता है, कोशिका श्वसन में सुधार लाता है, स्कलकैप खून जमाने के सिस्टम को सामान्य बनाता है जिससे खून के थक्कों का खतरा कम होता है। थक्कारोधक गुण विलो की विशेषता है। रुटिन, डाइहाइड्रोक्यूरसेटिन और विटामिन ई का संयुक्त प्रभाव रक्त वाहिनियों की दीवारों में सुधार लाता है, और साथ ही निकोटिनिक एसिड के साथ मिलकर खून में कोलेस्ट्रॉल बढने नहीं देता।

विनिट्रोक्स अपनी खास एंटीऑक्सीडेंट क्रिया से फ्री रैडिकल्स को निष्क्रिय करता है और एथेरोस्क्लेरोसिस से संरक्षण देता है, जिससे रक्त वाहिनी के रोगों (खून में थक्का, पैरालिसिस, हृदयाघात) के खतरनाक प्रभाव और कम हो जाते हैं।

इस प्रकार एडी–बैलेन्स कॉम्प्लेक्स कार्डियोवास्क्युलर स्वास्थ्य का आधार है, इसके सक्रिय घटक रक्तचाप संतुलित बनाए रखेंगे, रक्त वाहिनियों का स्वास्थ्य सुधारेंगे, शरीर को अधिक लंबी जवानी देंगे और रक्तचाप अचानक बढने का अनावश्यक खतरा कम करेंगे।

1 कैप्सूल की सामग्री (0.66 ग्रा.):

पोटेशियम क्लोराइड – **63** मिग्रा, स्क्यूटेलारिया बायाकैलेन्सिस का सत – **50** मिग्रा, विलो की छाल का सत – **50** मिग्रा, मदरवोर्ट का सत – **50** मिग्रा, हॉर्सटेल – **41.7** मिग्रा, विनिट्रोक्स – **25** मिग्रा, मैग्नेशियम ऑक्साइड – **22.1** मिग्रा, चोकबेरी का सत – **20** मिग्रा, जिंकगो बिलोबा का सत – **13.4** मिग्रा, विटामिन बी3 – **7** मिग्रा, काला कोहोश (सिमिसिफ्यूगा रेसमोसा) का सत – **5** मिग्रा, रुटिन – **2.5** मिग्रा, डाइहाइड्राक्यूरसेटिन – **4.1** मिग्रा, विटामिन ई – **3.33** मिग्रा

निष्क्रिय पदार्थ: लैक्टोज़, टैल्क, सिलिका, कैल्शियम स्टीयरेट

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क **1** कैप्सूल दिन में **2** बार भोजन के साथ लें। कोर्स की अवधि – **1** महिना

अनुशंसित खुराक (2 कैप्सूल) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:

विटामिन बी3 (**14** मिग्रा) – **70%**, विटामिन ई (**6.6** मिग्रा) – **67%**, फ्लेवोनोल ग्लायकोसाइड्स (**6.4** मिग्रा) – **21%**, डाइहाइड्रोक्यूरसेटिन (**8.36** मिग्रा) – **33%**, रुटिन (**5.0** मिग्रा) – **17%**, एंथोसायनिन्स (**6** मिग्रा) – **12%**

% – दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता, तात्कालिक और दीर्घकालिक किडनी के रोग, गर्भावस्था और स्तनपान

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

मेमोरी राइज़

ब्रेन टिशूज़ के पोषण के लिए कॉम्प्लेक्स

जानकारी और पहले के अनुभवों को पहचान देना, सुरक्षित रखना और उन्हें याद करना, हमारी इस क्षमता को मेमोरी कहा जाता है।

मेमोरी राइज़ एक आहार-पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो ग्रुप बी के विटामिन्स, फ्लेवोनाइड्स, जिंकगोलाइड्स का अतिरिक्त स्त्रोत है। यह ब्रेन टिशूज़ को पोषण देता है जिससे मानसिक स्वास्थ्य और सेहत में बढोत्तरी होती है।

कॉम्प्लेक्स के घटक न्यूरल कोशिकाओं को पोषण मदद देते हैं और न्यूरल टिशूज़ में ऑक्सीजन की कमी नहीं होने देते। कॉम्प्लेक्स में शामिल वनस्पतियों के सत और बायोएक्टिव तत्व न्यूरल टिशूज़ के लिए किसी भी परिस्थिति में आवश्यक पोषण का प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं। गोटू-कोला, जिनसेंग और गुआराना के सक्रिय घटक शरीर पर टॉनिक के समान असर डालते हैं और ग्लूटामिक एसिड तंत्रिका संवेदनों के बनने की प्रक्रिया में हिस्सा लेता है तथा न्यूरल कोशिकाओं को ऊर्जा देता है। गामा-एमिनोब्यूटिरिक एसिड और मदरवोर्ट न्यूरल टिशू को अतिसंवेदनशील होने से बचाते हैं ताकि ब्रेन के कार्य में बाधा न आए। बायोकॉम्प्लेक्स में मौजूद जिंकगो बिलोबा का सत, चेस्टनट और हॉथोर्न के गर्भ आदि वनस्पति घटक खून के सूक्ष्म संचरण को नियमित करते हैं और ब्रेन की धमनी और शिरा में खून का प्रवाह रुकने नहीं देते, साथ ही धमनी का दबाव भी कम करते हैं। आइनोसिटोल, बी ग्रुप के विटामिन, एंज़ाइम्स और एमिनो एसिड्स आदि पोषक तत्वों का मिश्रण ऊर्जा-एक्सचेंज को स्थिरता देता है, न्यूरल कोशिका झिल्ली के नवीनीकरण की सामग्री के भंडारण को आधार देता है और उनकी सक्रिय होने की अवस्था बनाए रखता है, साथ ही मेमोरी और ध्यान का आधार बनाने वाली आण्विक प्रक्रिया को नियमित करता है। इस प्रकार मेमोरी राइज़ के घटक किसी भी उम्र के लोगों में ब्रेन का कार्य सुचारू रूप से चलने में मदद करते हैं और बढती उम्र के साथ ब्रेन की कार्यकुशलता कम नहीं होने देते तथा युवा आयु के लोगों में पढाई आदि के जरिए अधिक जानकारी के बोझ से ब्रेन को थकने नहीं देते।

1 गोली की सामग्री (0.6 ग्रा.):
गोटू-कोला (गर्भ) - 50 मिग्रा, एल - ग्लूटामिक एसिड - 50 मिग्रा, मदरवोर्ट - 25 मिग्रा, लेसिथिन - 25 मिग्रा, गामा एमिनो ब्यूतिरिक एसिड - 25 मिग्रा, कैल्शियम कार्बोनेट - 25 मिग्रा, मैग्नेशियम ऑक्साइड - 25 मिग्रा, कोलाइन बाइटार्टरेट - 20 मिग्रा, गुआराना - 16.5 मिग्रा, जिंकगो बिलोबा (सत) - 15 मिग्रा, हॉथोर्न (गर्भ) - 15 मिग्रा, जिनसेंग (जड) - 13 मिग्रा, आइनोसिटोल - 8 मिग्रा, एल - मेथियोनाइन - 8 मिग्रा, एल - टायरोसाइन - 7.5 मिग्रा, एल - फेनिलएनाइन - 7.5 मिग्रा, एल - कार्निटाइन - 5 मिग्रा, विटामिन बी3 - 5 मिग्रा, विटामिन बी5 - 2.5 मिग्रा, डीएनएएसई - 4 मिग्रा, राइबोन्यूक्लेज़ - 4 मिग्रा, विटामिन बी6 - 1 मिग्रा, विटामिन बी1 - 0.5 मिग्रा, फोलिक एसिड - 0.2 मिग्रा, विटामिन बी12 - 0.0005 मिग्रा

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):
वयस्क 1 गोली दिन में 2 बार भोजन के दौरान लें। 2 - 3 सप्ताह तक लें।

अनुशंसित खुराक (2 गोलियां) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:
विटामिन बी1 (1 मिग्रा) - 67%, विटामिन बी3 (10 मिग्रा) - 50%, विटामिन बी5 (5 मिग्रा) - 100%, विटामिन बी6 (2 मिग्रा) - 100%, विटामिन बी9 (0.4 मिग्रा) - 200%, विटामिन बी12 (1 माइक्रोग्राम) - 30%, मैग्नेशियम (30 मिग्रा) - 8%

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:
उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता, फेनिलकीटोन्यूरिया

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

न्यूरोस्टेबिल

मानसिक-भावनात्मक सहित सभी तनावों का प्रतिकार बढाने हेतु कॉम्प्लेक्स

मानसिक-भावनात्मक तनाव, कम शारीरिक सक्रिया के साथ अत्यधिक जानकारी का बोझ और बार-बार तनावपूर्ण स्थिति से केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र में अतिसंवेदनशीलता आ जाती है, बार-बार मूड का बदलना ओर भावनात्मक अस्थिरता आ जाती है। दीर्घ काल तनाव, पूर्ण आराम न मिलना और दीर्घकाल नींद में कमी से शरीर की क्रियाओं पर नकारात्मक प्रभाव पडता है और यह कई दीर्घकालीन बीमारीयों को बुलावा दे सकता है।

न्यूरोस्टेबिल एक आहार-पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो विटामिन्स बी और सी, मैग्नेशियम, टैनिन्स आदि का अतिरिक्त स्त्रोत है। यह व्यक्ति में शांततापूर्ण प्रभाव तथा तनाव का प्रतिकार बढाकर मानसिक-भावनात्मक स्वास्थ्य बनाए रखता है।

फाइटो-कॉम्प्लेक्स न्यूरोस्टेबिल के घटक शांत करने का और सौम्य नींद आने का प्रभाव छोडते हैं। इस कॉम्प्लेक्स के घटक मदरवोर्ट, हॉप्स, ओरीगेनम और ब्लूमिंग सैली मन को शांत करते हैं। इस फाइटो-कॉम्प्लेक्स के घटक केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र की कार्यस्थिति को नियमित करते हैं, रक्तचाप सामान्य बनाते हैं, और ऐंठनरोधक प्रभाव छोडते हैं। विटामिन सी और पीपी रक्तवाहिनियों की दीवारों को ताकतवर और लचीला बनाते हैं, ग्लूटामिक एसिड केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र की संवेदना भेजने की प्रक्रिया को सामान्य बनाता है। ग्रुप बी के विटामिन चयापचय की कार्यकुशलता बढाते हैं, फोलिक एसिड मायलिन प्रोटीन के निर्माण में हिस्सा लेता है जो संवेदनाएं भेजने की क्रिया के लिए आवश्यक होता है।

बायोएक्टिव कॉम्प्लेक्स न्यूरोस्टेबिल के घटकों द्वारा ब्रेन के ऊतकों में चयापचय को सामान्य बनाना तथा एक सौम्य, शांतिकारक असर छोडना, यही केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र में उकसाने और शांत रहने के बीच संतुलन बनाता है, जिससे भावनात्मक स्थिति सामान्य बनी रहती है और नकारात्मक प्रभावों का असर कम होता है।

1 गोली की सामग्री (0.5 ग्रा.):

एल - ग्लूटामिक एसिड - 50 मिग्रा, ओरिगेनम - 50 मिग्रा, पिओनी की जड - 50 मिग्रा, हॉप कोन - 50 मिग्रा, मदरवोर्ट का सत - 27 मिग्रा, विलो हर्ब - 25 मिग्रा, मैग्नेशियम ऑक्साइड - 25 मिग्रा, पोटेशियम कोराइड - 25 मिग्रा, एस्कॉर्बिक एसिड (विटामिन सी) - 10 मिग्रा, निएसिनएमाइड (विटामिन पीपी) - 1.6 मिग्रा, डी - कैल्शियम पैंटोथनेट (विटामिन बी5) - 0.66 मिग्रा, टोकोफेरिल एसिटेट - 0.6 मिग्रा, पायरीडॉक्सीन हाइड्रोक्लोराइड (विटामिन बी6) - 0.16 मिग्रा, थायमीन मोनोनाइट्रेट (विटामिन बी1) - 0.14 मिग्रा, राइबोफ्लेविन (विटामिन बी2) - 0.14 मिग्रा, रेटिनोल एसिटेट (विटामिन ए) - 0.12 मिग्रा, फोलिक एसिड (विटामिन बी9) - 0.05 मिग्रा, बायोटिन (विटामिन एच) - 0.015 मिग्रा, कोलकैल्सिफेरोल (विटामिन डी3) - 0.0009 मिग्रा, सायनोकोबालएमीन (विटामिन बी12) - 0.0003 मिग्रा

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क 1 गोली दिन में 3 बार खाने के साथ लें।

अनुशंसित खुराक (3 गोली) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:

विटामिन सी (30 मिग्रा) - 43%, विटामिन ए (0.36 मिग्रा) - 36%, विटामिन ई (1.8 मिग्रा) - 18%, विटामिन डी3 (0.0027 मिग्रा) - 54%, बायोटिन (0.045 मिग्रा) - 90%, मैग्नेशियम (45 मिग्रा) - 11%, विटामिन बी1 (0.45 मिग्रा) - 30%, विटामिन बी2 (0.45 मिग्रा) - 25%, विटामिन पीपी (5 मिग्रा) - 25%, विटामिन बी5 (2.1 मिग्रा) - 40%, विटामिन बी6 (0.48 मिग्रा) - 24%, विटामिन बी9 (0.15 मिग्रा) - 75%, विटामिन बी12 (0.0009 मिग्रा) - 30%

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

मेन्स फार्मूला

पुरुषों की विशिष्ट समस्याएं सुलझाने के लिए कॉम्प्लेक्स

सामान्यत: लोगों की नज़र में, खासकर पुरुषों के मन में मर्दानगी और लैंगिक गतिविधि समानार्थी होते हैं। लैंगिक कार्य से जुडा कोई भी विकार, चाहे वह प्रजनन या आनन्द प्राप्ती से जुडा हो या नहीं, पुरुष के स्वाभिमान को गहरी ठेस पहुँचाता है और कई प्रकार की मानसिक कठिनाईयाँ खडी करता है। आधुनिक विज्ञान का मानना है कि लैंगिक असमर्थता का कारण होता है टेस्टोस्टेरोन (पुरुषीय हारमोन) का स्तर घटना। लेकिन जिन पुरुषों के खून में इस हारमोन का स्तर सामान्य होता है, वे भी एक अन्य समस्या से सुरक्षित नहीं होते, और वह है प्रोस्टेट ग्रंथी में दाहपूर्ण प्रक्रिया विकसित होना। यह 70% से भी अधिक पुरुषों को प्रभावित करती है, चाहे उनका सामाजिक या आर्थिक स्तर कुछ भी हो।

मेन्स फार्मूला एक आहार-पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो जस्ता और बीटा-सिटोस्टेरोल आदि का अतिरिक्त स्त्रोत है। यह पुरुषों में यूरो-जेनिटल सिस्टम का सामान्य स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद करता है।

मेन्स फार्मूला के घटक पुरुषों की विशिष्ट समस्याओं को समय पर हल करते हैं, जैसे प्रोस्टेट ग्रंथी की दाहपूर्ण प्रक्रिया की रोकथाम और यूरो-जेनिटल सिस्टम में अवरोध का निवारण। कॉम्प्लेक्स की संरचना पुरुयों में सेक्स हारमोन के संश्लेषण और संतुलन पर सकारात्मक प्रभाव छोडती है। सॉ पामेटो और पाइजियम के सत प्रोस्टेट हाइपरप्लेजिया को घटाने में सक्षम होते हैं, खासकर बीमारी की शुरुआती अवस्था में। कद्दू के बीज मूत्र उत्पादन में वृद्धि करते हैं, क्लोराइड साल्ट्स को सिस्टम से निकालते हैं और यूरो-जेनिटल सिस्टम पर सकारात्मक प्रभाव छोडते हैं। पार्स्ली भी मूत्र उत्पादन में मदद करता है। ज़िंक ऑक्साइड पुरुषों के सेक्स हारमोन्स के संश्लेषण के लिए तथा उनका प्राकृतिक स्तर बनाए रखने के लिए आवश्यक सूक्ष्म तत्वों का स्त्रोत है। इस कारण यह पुरुषों को सक्रिय मदद देता है। बायोएक्टिव कॉम्प्लेक्स मेन्स फार्मूला किसी भी उम्र में जननांग सिस्टम की बीमारीयों के विरुद्ध सक्रिय मदद पहुँचाता है और उसकी कार्यकुशलता बढाता है।

1 गोली की सामग्री (0.5 ग्रा.):
सॉ पामेटो (सत) - 50 मिग्रा, पार्स्ली (पत्तियाँ) - 25 मिग्रा, पाइजियम (सत) - 20 मिग्रा, कद्दू (बीज) - 20 मिग्रा, ज़िंक ऑक्साइड - 5.25 मिग्रा
अतिरिक्त पदार्थ: माइक्रोक्रिस्टलाइन सेल्युलोज़, पॉलीविनाइल पायरोलिडोन, टाइटैनियम डाइऑक्साइड, टैल्क, हाइड्रॉक्सीप्रोपाइल मेथिलसेल्युलोज़, माल्टोडेक्सट्रिन

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):
वयस्क 1 गोली दिन में 2 बार भोजन के साथ लें।

अनुशंसित खुराक (2 गोली) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:
जस्ता (8.4 मिग्रा) - 56%

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:
उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

वोमेन्स फार्मूला

महिलाओं में सामान्य हारमोन्स तथा सूक्ष्म तत्वों का संतुलन बानए रखने के लिए कॉम्प्लेक्स

महिलाएँ अपनी ज़िंदगीभर हारमोन बदलावों से गुज़रती हैं। ये बदलाव मासिक धर्म शुरू होने से पहले, और रजोनिवृत्ति से पहले, इन दोनों अवधियों से जुडे होते हैं। महिलाओं के स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाले गंभीर हारमोन असंतुलन और सूक्ष्म तत्वों के असंतुलन से बचने में रोकथाम के उपाय प्रभावी होते हैं।

वोमेन्स फार्मूला एक आदर्श संतुलित कॉम्प्लेक्स है जो स्त्री शरीर की आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर बनाया गया है। कॉम्प्लेक्स के घटक खनिज संतुलन बनाए रखते हैं और स्त्री के शरीर में हारमोन बदलाव और पोषक तत्वों की कमी से होने वाली बीमारीयों की रोकथाम करते हैं। वे मासिक धर्म शुरू होने से पहले, और रजोनिवृत्ति के बाद वाली अवधि में होने वाले दर्द को भी मिटाते हैं और स्त्रियों का स्वास्थ्य और सेहत बनाए रखने के लिए जननांगों की अच्छी देखभाल करते हैं।

वोमेन्स फार्मूला एक आहार-पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो विटामिन्स ए-डी—ई-सी और बी, तथा जस्ता, लौह, आयोडीन और सेलेनियम आदि खनिजों का अतिरिक्त स्त्रोत है। यह महिलाओं में हारमोन्स तथा खनिजों का संतुलन बनाकर जेनिटो-यूरीनरी सिस्टम का सामान्य स्वास्थ्य बनाए रखता है।

इस कॉम्प्लेक्स में वनस्पतियों के सत, खनिज, विटामिन और एमिनो एसिड्स हैं जो महिलाओं में चयापचय क्रिया को सामान्य बनाए रखते हैं। हाप्स, अल्फाअल्फा, डेमियाना, चाइनीज़ एंजेलिका और जिनसेंग के सतों में विशिष्ट पदार्थ, फाइटोएस्ट्रोजेन्स होते हैं जो हारमोन्स का प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं, मासिक चक्र को नियमित करते हैं। साथ ही, फाइटोजेन्स की रक्तवाहिनियों को शिथिल करने की क्षमता से दर्द, ऐंठन और मासिक धर्म से पहले की अवधि की समस्याओं से बडे पैमाने पर राहत मिलती है।

1 गोली की सामग्री (0.5 ग्रा.):

कैल्शियम कार्बोनेट - 100 मिग्रा, हॉप्स - 27.5 मिग्रा, सोडियम एस्कॉर्बेट (विटामिन सी) - 25 मिग्रा, मैग्नेशियम ऑक्साइड - 25 मिग्रा, अल्फाअल्फा - 25 मिग्रा, एग्रीमनी - 25 मिग्रा, एस्कॉर्बिक एसिड - 20 मिग्रा, चाइनीज़ एंजेलिका - 15 मिग्रा, आइनोसिटोल - 15 मिग्रा, कोलाइन बाइटार्टरेट - 15 मिग्रा, पोटेशियम क्लोराइड - 10 मिग्रा, फेरिक सल्फेट - 10 मिग्रा, शिसान्द्रा (फल) - 7.5 मिग्रा, ब्लेस्ड थिसल - 7.5 मिग्रा, डेमियाना - 7.5 मिग्रा, निएसिनएमाइड (बी3) - 5 मिग्रा, सिलिकॉन आक्साइड - 5 मिग्रा, लेसिथिन - 5 मिग्रा, ब्रोमेलाइन - 5 मिग्रा, लेमन बाइफ्लेवोनाइड - 5 मिग्रा, एल - मेथियोनाइन - 4 मिग्रा, एल - सिस्टीन - 4 मिग्रा, शुद्धीकृत लहसुन - 4 मिग्रा, जिनसेंग (जड़) - 4 मिग्रा, केयेन पेप्पर - 4 मिग्रा, ज़िंक ऑक्साइड - 3.75 मिग्रा, टोकोफ़ेरोल एसिटेट (ई) - 2.75 मिग्रा, जिंकगो बिलोबा (सत) - 2.5 मिग्रा, डीकैल्शियम पैंटोथेनेट (बी5) - 2.1 मिग्रा, पैरामिनोबेंज़ोइक एसिड - 1.65 मिग्रा, मैंगनीज़ सल्फेट - 1.5 मिग्रा, गामालिनोलिक एसिड - 1.5 मिग्रा, ऑक्टाकोसेनोल - 1 मिग्रा, रॉयल जेली - 1 मिग्रा, थायमिन मोनोनाइट्रेट (बी1) - 0.5 मिग्रा, पायरीडॉक्सीन हाइड्रोक लोराइड (बी6) - 0.5 मिग्रा, राइबोफ्लेविन (बी2) - 0.4 मिग्रा, रेटिनोल एसिटेट (ए) - 0.37 मिग्रा, फ़ोलिक एसिड (बी9) - 0.15 मिग्रा, क्रोमियम पाइकोलिनेट - 0.1 मिग्रा, पोटेशियम आयोडेट - 0.062 मिग्रा, सोडियम सेलेनाइट - 0.037 मिग्रा, कोलेकैल्सिफ़ेरोल (डी3) - 0.0027 मिग्रा, सायनोकोबालएमीन (बी12) - 0.0009 मिग्रा

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क 1 गोली दिन में 2 बार भोजन के साथ लें।

अनुशंसित खुराक (2 गोली) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती है:

विटामिन ए (0.74 मिग्रा) - 74%, विटामिन ई (5.5 मिग्रा) - 55%, विटामिन डी3 (0.0054 मिग्रा) - 108%, विटामिन सी (80 मिग्रा) - 110%, विटामिन बी1 (1 मिग्रा) - 67%, विटामिन बी2 (0.8 मिग्रा) - 44%, विटामिन बी3 (10 मिग्रा) - 50%, विटामिन बी5 (4.2 मिग्रा) - 8.4%, विटामिन बी6 (1.0 मिग्रा) - 66%, विटामिन बी9 (0.3 मिग्रा) - 150%, विटामिन बी12 (0.0018 मिग्रा) - 60%, बायोटिन (0.1 मिग्रा) - 200%, क्रोमियम (0.025 मिग्रा) - 50%, मैंगनीज़ (0.98 मिग्रा) - 50%, आयोडीन (0.074 मिग्रा) - 50%, सेलेनियम (0.034 मिग्रा) - 50%, जस्ता (6 मिग्रा) - 40%, मैग्नेशियम (30 मिग्रा) - 8%, लौह (3.7 मिग्रा) - 26%, कैल्शियम (80 मिग्रा) - 8%

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

डिस्कवरी चाम

डिस्कवरी चार्म एक आहार-पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो विटामिन्स ए-ई-डी-, बीटा कैरोटिन, ग्रुप बी, सी तथा जस्ता, लौह, मैग्नेशियम, मैंगनीज़, तांबा, मॉलिब्डेनम, सेलेनियम, क्रोमियम, कैल्शियम, सिल्वर, वैनेडियम, बोरॉन, आयोडीन, आदि खनिजों का और पी-एमिनो बेंज़ोइक एसिड, ब्रोमेलाइन, पेपेन, फ्लेवोनाइड्स तथा फ्लेवोलिग्नान्स आदि अतिरिक्त स्रोत है। यह महिलाओं के शरीर हेतु मूल पोषक तत्वों की आपूर्ति करते हैं और रोग-प्रतिकार क्षमता को मजबूती दे कर सामान्य स्वास्थ्य बनाए रखते हैं।

डिस्कवरी चार्म में कई घटक हैं जो महिलाओं को मूल पोषक तत्वों की आपूर्ति करते हैं। इस कॉम्प्लेक्स के सक्रिय घटक ऑक्सीजन की कमी को रोकते हैं, चयापचय को सामान्य बनाते हैं, दाहरोधक प्रभाव छोडते हैं और रक्तवाहिनी सिस्टम में थक्का जमने की क्रिया को नियमित करते हैं।

डिस्कवरी चार्म कॉम्प्लेक्स मैट्रिक्स गोलियों की आधुनिकतम तकनीक से बायो-पॉलीमर पदार्थ द्वारा बनाया जाता है। प्रत्येक गोली में तीन प्रकार के कण होते हैं जिनके सक्रिय घटक एक खास क्रम में शरीर में मुक्त किए जाते हैं। इस प्रकार डिस्कवरी कॉम्प्लेक्स एक नियमित गति से तथा सक्रिय घटकों की दीर्घकालीन क्रिया के साथ किसी सिस्टम की तरह कार्य करता है।

डिस्कवरी कॉम्प्लेक्स की गोली नं. 1 (पीली) में विटामिन्स, खनिज और वनस्पति सत होते हैं जो शारीरिक क्रियाओं में हिस्सा लेते हैं और शरीर को पूरे दिन एक टॉनिक जैसा असर देते हैं। इस कॉम्प्लेक्स के घटक शरीर में ग्रुप बी के विटामिन्स, आयोडीन और क्रोमियम की सहायता से ऊर्जा एवं शर्करा के उपयोग को सामान्य बनाते हैं; विटामिन सी, रुटिन, बायोफ्लेवोनाइड्स और जिंकगो बिलोबा सत रक्तवाहिनियों को शक्ति देते हैं। साथ ही, विटामिन्स ए तथा ई, पहाडी साल्टवोर्ट और सेंट मेरी थिसल जैसी वनस्पतियों के सत की सहायता से यह एपिथैलियल टिशू और लीवर की कोशिकाओं के नवीनीकरण में भी तेजी लाता है। कॉम्प्लेक्स की पहली गोली का हिस्सा होते हुए प्राकृतिक एंज़ाइम्स चयापचय से उत्पन्न पदार्थों के उपयोग की सुविधा देते हैं, दाहरोधक प्रभाव छोडते हैं और सूक्ष्म तत्वों के साथ मिल कर टिशू श्वसन को नियमित करते हैं और फ्री रैडिकल्स को निष्क्रिय करते हैं।

डिस्कवरी चार्म कॉम्प्लेक्स की गोली नं. 2 (हल्की भूरी) में कई सक्रिय घटक होते हैं जो स्त्री शरीर को ताकत देते हैं। वर्गेनिया के सत की एक स्पष्ट सूक्ष्म जीव रोधक क्रिया तथ रक्तस्राव नियंत्रित करने की क्रिया होती है। नेटल की पत्तियाँ खून का थक्का जमने की क्रिया को नियमित करती हैं, डाइयूरेटिक प्रभाव छोडती हैं और चयापचय को सक्रिय करती हैं। माइटाके मशरूम में मौजूद पॉलीसैकराइड कॉम्प्लेक्स लिपिड संरचना के गुणों को सामान्य बनाता है और रोग-प्रतिकार क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव छोडता है। शेल्फ-फंगस के सत का एक क्रोमोजेनिक कॉम्प्लेक्स ट्यूमर के विरुद्ध प्रतिरोध बढाता है। कैल्शियम और फास्फोरस ओस्टियोपोरॉसिस की रोकथाम करते हैं। फोलिक एसिड लाल रक्त कोशिकाओं की सही वृद्धि में सहायक होता है। पी-एमिनो-बेंज़ोइक एसिड ऑक्सीजन की कमी के प्रति सहनशीलता बढाता है, आंत के सहायक बैक्टीरिया का कार्य सक्रिय करता है, एमिनो एसिड्स के संश्लेषण में हिस्सा लेता है और केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र का कार्य सामान्य बनाता है। गोटूकोला का सत केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र का स्वास्थ्य सुधारता है और इसमें घाव भरने की क्षमता होती है। बीटा कैरोटिन एक शक्तिशाली एंटी ऑक्सीडेंट है और यह त्वचा में निखार लाता है तथा शरीर में विटामिन सी के कार्य को बढावा देता है।

सामग्री :

गोली नं. 1 (पीली):

बोमोलाइन – 75 मिग्रा, सोडियम एस्कॉर्बेट – 39.34 मिग्रा, फेरिक पायरोसल्फेट – 36.75 मिग्रा, पहाडी साल्टवोर्ट का सत – 25 मिग्रा, पेपेन – 25 मिग्रा, ज़िंक साइट्रेट – 24.2 मिग्रा, बोरॉन चेलेट – 20 मिग्रा, सोडियम मेटासिलिकेट – 18.94 मिग्रा, सेंट मेरी थिसल का सत – 18.75 मिग्रा, क्यूरसेटिन – 15 मिग्रा, रुटिन – 15 मिग्रा, जिंकगो बिलोबा (सत) – 10 मिग्रा, हेस्पेरिडिन – 10 मिग्रा, निकोटिनएमाइड – 10 मिग्रा, टोकोफेरिल एसिटेट – 10 मिग्रा, रेटिनोल एसिटेट – 2.9 मिग्रा, मैंगनीज़ सल्फेट – 3.1 मिग्रा, डाइहाइड्रोक्यूरसेटिन – 2.5 मिग्रा, कैल्शियम पैंटोथेनेट – 2.5 मिग्रा, कॉपर साइट्रेट – 1.43 मिग्रा, कोलकैल्सिफेरोल – 1.0 मिग्रा, पायरीडॉक्सीन हाइड्रोक्लोराइड – 1.0 मिग्रा, राइबोफ्लेविन – 0.9 मिग्रा, बीटा कैरोटिन – 4.375 मिग्रा, कोएंज़ाइम क्यू10 – 0.8 मिग्रा, थायमीन मोनोनाइट्रेट – 0.75 मिग्रा, क्रोमियम पाइकोलिनेट – 0.2 मिग्रा, पोटेशियम आयोडेट – 0.13 मिग्रा, फोलिक एसिड – 100 माइक्रोग्राम, सोडियम सेलेनाइट – 77 माइक्रोग्राम, सोडियम मॉलिब्डेट – 57 माइक्रोग्राम, अमोनियम वैनेडेट – 46 माइक्रोग्राम, बायोटिन – 25 माइक्रोग्राम, सिल्वर सल्फेट – 23.5 माइक्रोग्राम, सायनोकोबालएमिन – 1.5 माइक्रोग्राम

गोली नं. 2 (हल्की भूरी):

कैल्शियम ट्राइफॉस्फेट – 350 मिग्रा, पी – एमिनो – बेंज़ोइक एसिड – 50 मिग्रा, वर्गेनिया का सत – 50 मिग्रा, नेटल की पत्ती – 50 मिग्रा, माइटाके मशरूम – 50 मिग्रा, शेल्फ फंगस का सत – 50 मिग्रा, गोटूकोला का सत – 25 मिग्रा, बीटा कैरोटिन – 1.25 मिग्रा, फोलिक एसिड – 50 माइक्रोग्राम,

अतिरिक्त घटक: माइक्रोक्रिस्टलाइन सेल्युलोज़, टैल्कम, कॉर्सकार्मेलोज़, सोडियम साल्ट, कोलिडॉन 90, साइट्रिक एसिड, एसिटिलपैथेलिलसेल्युलोज़, क्लोरोफाइलिन कॉपर कॉम्प्लेक्स

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क 2 गोली नं. 1 सुबह और 2 गोली नं. 2 दोपहर में खाने के साथ लें। उपयोग की अवधि है 1 महिना।

अनुशंसित खुराक (2 गोली नं. 1 और 2 गोली नं. 2) निम्न की आपूर्ति करती है:

गोली नं. 1:

विटामिन ए (1 मिग्रा) – 100%, विटामिन डी3 (0.005 मिग्रा) – 100%, विटामिन ई (10 मिग्रा) – 100%, विटामिन बी1 (1.5 मिग्रा) – 100%, विटामिन बी2 (1.8 मिग्रा) – 100%, विटामिन बी3 (20 मिग्रा) – 100%, विटामिन बी5 (5 मिग्रा) – 100%, विटामिन बी6 (2 मिग्रा) – 100%, विटामिन बी9 (0.2 मिग्रा) – 100%, विटामिन बी12 (0.003 मिग्रा) – 100%, विटामिन एच (0.05 मिग्रा) – 100%, विटामिन सी (70 मिग्रा) – 100%, बीटा कैरोटिन (1.75 मिग्रा) – 35%, जस्ता (15 मिग्रा) – 100%, लौह (14 मिग्रा) – 100%, मैंगनीज़ (2 मिग्रा) – 100%, तांबा (1 मिग्रा) – 100%, मॉलिब्डेनम (0.044 मिग्रा) – 100%, सेलेनियम (0.07 मिग्रा) – 100%, क्रोमियम (0.05 मिग्रा) – 100%, आयोडीन (0.15 मिग्रा) – 100%, वैनेडियम (0.4 मिग्रा) – 100%, बोरॉन (2 मिग्रा) – 100%, सिल्वर (0.03 मिग्रा) – 100%, क्यूरसेटिन (30 मिग्रा) – 100%, रुटिन (30 मिग्रा) – 100%, हेस्पेरिडिन (20 मिग्रा) – 20%, डाइहाइड्रोक्यूरसेटिन (5 मिग्रा) – 20%, पेपेन (50 मिग्रा) – 100%, ब्रोमेलाइन (300 मिग्रा) – 40%, कोएंज़ाइम क्यू10 (1.6 मिग्रा) – 5%, फ्लेवोनोल ग्लायकोसाइड (5 मिग्रा) – 16%, सिलिबिनिन (10 मिग्रा) – 30%

गोली नं. 2:

बीटा कैरोटिन (0.5 मिग्रा) – 10%, विटामिन बी9 (0.1 मिग्रा) – 50%, पी – एमिनो – बेंज़ोइक एसिड (100 मिग्रा) – 100%, फास्फोरस (120 मिग्रा) – 12%, कैल्शियम (240 मिग्रा) – 24%, आरब्युटिन (0.24 मिग्रा) – 3%, पॉलीसैकराइड्स 6.4 मिग्रा, ट्राइटरपीन सैपोनाइन्स – 5 मिग्रा, क्रोमोजेनिक कॉम्प्लेक्स – 32 मिग्रा

% – दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता, गर्भावस्था और स्तनपान

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

डिस्कवरी फोर्स

डिस्कवरी फोर्स एक आहार-पूरक के रूप में अनुशंसित है, जो विटामिन्स ए-ई-डी-, बीटा कैरोटिन, लायकोपीन, ग्रुप बी-सी तथा जस्ता, लौह, मैग्नेशियम, मैंगनीज़, तांबा, मॉलिब्डेनम, सेलेनियम, क्रोमियम, कैल्शियम, सिल्वर, वैनेडियम, बोरॉन, आयोडीन, आदि खनिजों का और ब्रोमेलाइन, पेपेन, फ्लेवोलिग्नान्स तथा टैनिंग एजेंट्सआदि अतिरिक्त स्रोत है। यह पुरुषों के शरीर हेतु मूल पोषक तत्वों की आपूर्ति करते हैं और रोग-प्रतिकार क्षमता को मजबूती दे कर सामान्य स्वास्थ्य बनाए रखते हैं।

डिस्कवरी फोर्स में कई घटक हैं जो पुरुषों को मूल पोषक तत्वों की आपूर्ति करते हैं, जिनकी कमी से कई बीमारीयाँ पनप सकती हैं। यह एक टॉनिक जैसा प्रभाव छोडता है, तनाव का प्रतिकार करता है और पुरुषों में सेक्स हारमोन्स का संतुलन बनाए रखता है

डिस्कवरी फोर्स कॉम्प्लेक्स मैट्रिक्स गोलियों की आधुनिकतम तकनीक से वायो-पॉलीमर पदार्थ द्वारा बनाया जाता है। प्रत्येक गोली में तीन प्रकार के कण होते हैं जिनके सक्रिय घटक एक खास क्रम में शरीर में मुक्त किए जाते हैं। इस प्रकार डिस्कवरी कॉम्प्लेक्स एक नियमित गति से तथा सक्रिय घटकों की दीर्घकालीन क्रिया के साथ किसी सिस्टम की तरह कार्य करता है।

डिस्कवरी कॉम्प्लेक्स की गोली नं. 1 (पीली) में विटामिन्स, खनिज और वनस्पति सत होते हैं जो शारीरिक क्रियाओं में हिस्सा लेते हैं और शरीर को पूरे दिन एक टॉनिक जैसा असर देते हैं। इस कॉम्प्लेक्स के घटक शरीर में ग्रुप बी के विटामिन्स, आयोडीन और क्रोमियम की सहायता से ऊर्जा एवं शर्करा के उपयोग को सामान्य बनाते हैं; विटामिन सी, रुटिन, बायोफ्लेवोनाइड्स और जिंकगो बिलोबा सत रक्तवाहिनियों को शक्ति देते हैं। साथ ही, विटामिन्स ए तथा ई, पहाडी साल्टवोर्ट और सेंट मेरी थिसल जैसी वनस्पतियों के सत की सहायता से यह एपिथैलियल टिशू और लीवर की कोशिकाओं के नवीनीकरण में भी तेजी लाता है। कॉम्प्लेक्स की पहली गोली का हिस्सा होते हुए प्राकृतिक एंज़ाइम्स चयापचय से उत्पन्न पदार्थों के उपयोग की सुविधा देते हैं, दाहरोधक प्रभाव छोडते हैं और सूक्ष्म तत्वों के साथ मिल कर टिशू श्वसन को नियमित करते हैं और फ्री रैडिकल्स को निष्क्रिय करते हैं।

डिस्कवरी फोर्स कॉम्प्लेक्स की गोली नं. 2 (मटमैली-भूरी) में पुरुषों के शरीर को सक्रिय मदद देने के लिए आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। मैग्नेशियम हृदय की मांसपेशियों के नियमन में तथा न्यूरल टिशू के कार्य में हिस्सा लेता है। शिज़ांड्रा का टॉनिक-सदृश, तरोताज़ा करने वाला, उत्साहित करने वाला प्रभाव सारा दिन आपको सक्रिय रहने में मदद देता है। जस्ताा ओर डेमियाना के सक्रिय घटक सेक्स हारमोन्स के संश्लेषण और नियमन में हिस्सा लेते हैं। टिक-ट्रेफॉइल पुरुषों में मर्दाना ताकत जगाता है। पार्स्ली का डाइयूरेटिक असर, रेईशी मशरूम के पॉलीसैकराइड का रोग-प्रतिकार क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव और प्रेयरी घास की सूक्ष्मजीव रोधक तथा दाहरोधक क्रिया प्रोस्टेट ग्रंथी के कार्य में रुकावट और दाह उत्पन्न नहीं होने देते। लायकोपीन एक खास प्राकृतिक एजेंट है जिसकी शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट क्रिया कार्डियो-वास्क्युलर और कैन्सर जैसी बीमारीयों की रोकथाम करती है। यह प्रोस्टेट ग्रंथी के टिशू पर सर्वाधिक असर करती है।

सामग्री:

गोली नं. 1 (पीली):

ब्रोमेलाइन - 75 मिग्रा, सोडियम एस्कॉर्बेट - 39.34 मिग्रा, फेरिक पायरोफॉस्फेट - 36.75 मिग्रा, पहाडी साल्टवोर्ट का सत - 25 मिग्रा, पेपेन - 25 मिग्रा, ज़िंक साइट्रेट - 24.2 मिग्रा, बोरॉन चेलेट - 20 मिग्रा, सोडियम मेटासिलिकेट - 18.94 मिग्रा, सेंट मेरी थिसल का सत - 18.75 मिग्रा, क्यूरसेटिन - 15 मिग्रा, रुटिन - 15 मिग्रा, जिंकगो बिलोबा (सत) - 10 मिग्रा, हेस्पेरिडिन - 10 मिग्रा, निकोटिनएमाइड - 10 मिग्रा, टोकोफेरिल एसिटेट - 10 मिग्रा, मैंगनीज़ सल्फेट - 3.1 मिग्रा, रेटिनोल एसिटेट - 2.9 मिग्रा, डाइहाइड्रोक्यूरसेटिन - 2.5 मिग्रा, कैल्शियम पेंटोथनेट - 2.5 मिग्रा, कॉपर साइट्रेट - 1.43 मिग्रा, कोलकैल्सिफेरोल - 1.0 मिग्रा, पायरीडॉक्सीन हाइड्रोक्लोराइड - 1.0 मिग्रा, राइबोफ्लेविन - 0.9 मिग्रा, बीटा कैरोटिन - 0.875 मिग्रा, कोएंज़ाइम क्यू10 - 0.8 मिग्रा, थायमीन मोनोनाइट्रेट - 0.75 मिग्रा, क्रोमियम पाइकोलिनेट - 0.2 मिग्रा, पोटेशियम आयोडेट - 0.13 मिग्रा, सोडियम सेलेनाइट - 77 माइक्रोग्राम, सोडियम मॉलिब्डेट - 57 माइक्रोग्राम, अमोनियम वैनेडेट - 46 माइक्रोग्राम, बायोटिन - 25 माइक्रोग्राम, सिल्वर सल्फेट - 23.5 माइक्रोग्राम, सायनोकोबालएमिन - 1.5 माइक्रोग्राम

गोली नं. 2 (मटमैली - भूरी):

मैग्नेशियम ऑक्साइड - 335 मिग्रा, टिक - ट्रेफॉइल का सत - 50 मिग्रा, पार्स्ली की पत्तियाँ - 50 मिग्रा, रेईशी मशरूम - 50 मिग्रा, डेमियाना की पत्तियाँ - 25 मिग्रा, प्रेयरी घास का सत - 25 मिग्रा, चाइनीज़ एंजेलिका का सत - 12.5 मिग्रा, ज़िंक साइट्रेट - 8.6 मिग्रा, लायकोपीन - 2.5 मिग्रा

अतिरिक्त घटक: माइक्रोक्रिस्टलाइन सेल्युलोज़, टैल्कम, क्रॉसकार्मेलोज़, सोडियम साल्ट, कोलिडॉन 90, माइट्रिक एसिड, एसिटिलफ्थैलिलसेल्युलोज़, क्लोरोफाइलिन कॉपर कॉम्प्लेक्स

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):

वयस्क 2 गोली नं. 1 सुबह और 2 गोली नं. 2 दोपहर में खाने के साथ लें। उपयोग की अवधि है 1 महिना।

अनुशंसित खुराक

(2 गोली नं. 1 और 2 गोली नं. 2) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:

गोली नं. 1:

विटामिन ए (1 मिग्रा) - 100%, विटामिन डी3 (0.005 मिग्रा) - 100%, विटामिन ई (10 मिग्रा) - 100%, विटामिन बी1 (1.5 मिग्रा) - 100%, विटामिन बी2 (1.8 मिग्रा) - 100%, विटामिन बी3 (20 मिग्रा) - 100%, विटामिन बी5 (5 मिग्रा) - 100%, विटामिन बी6 (2 मिग्रा) - 100%, विटामिन बी9 (0.2 मिग्रा) - 100%, विटामिन बी12 (0.003 मिग्रा) - 100%, विटामिन एच (0.05 मिग्रा) - 100%, विटामिन सी (70 मिग्रा) - 100%, जस्ता (15 मिग्रा) - 100%, लौह (14 मिग्रा) - 100%, मैंगनीज़ (2 मिग्रा) - 100%, तांबा (1 मिग्रा) - 100%, मॉलिब्डेनम (0.044 मिग्रा) - 100%, सेलेनियम (0.07 मिग्रा) - 100%, क्रोमियम (0.05 मिग्रा) - 100%, आयोडीन (0.15 मिग्रा) - 100%, वैनेडियम (0.4 मिग्रा) - 100%, बोरॉन (2 मिग्रा) - 100%, सिल्वर (0.03 मिग्रा) - 100%, सिलिकॉन (5 मिग्रा) - 100%, हेस्पेरिडिन (20 मिग्रा) - 20%, डाइहाइड्रोक्यूरसेटिन (5 मिग्रा) - 20%, बीटा कैरोटिन (1.75 मिग्रा) - 35%, कोएंज़ाइम क्यू10 (1.6 मिग्रा) - 55%, क्यूरसेटिन (30 मिग्रा) - 100%, रुटिन (30 मिग्रा) - 100%, फ्लेवोनोल ग्लायकोसाइड (5 मिग्रा) - 16%, ब्रोमेलाइन (300 मिग्रा) - 40%, पेपेन (50 मिग्रा) - 100%, सिलिबिनिन (10 मिग्रा) - 30%

गोली नं. 2:

लायकोपीन (0.5 मिग्रा) - 10%, जस्ता (5 मिग्रा) - 33%, मैग्नेशियम (400 मिग्रा) - 100%, शिज़ांड्रिन (0.5 मिग्रा) - 100%, टैनिंग एजेंट्स (32 मिग्रा) - 16%, पॉलीसैकराइड्स (19 मिग्रा) - 0.2%, सिटोस्टेरोल (0.1 मिग्रा) - 0.5%

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:

उत्पाद घटकों के प्रति असहनीयता, असामान्य तंत्रिका अस्वस्थता, नींद न आना, उच्च रक्तचाप

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

फाइटोजेल्स

Art of Life®

सॉरबायोजेल
(100 ग्राम)

आधुनिक जीवन की गति तनाव से भरी और असंतुलित पोषण युक्त है जिसके कारण पचन तंत्र की बीमारीयाँ विकसित हो सकती हैं। चयापचय की क्रिया अधूरी रहने के कारण या अन्य विषैले पदार्थों के संपर्क के कारण एकत्र हानिकारक पदार्थ तत्काल निकालना आवश्यक हो सकता है।

सॉरबायोजेल एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है जिसमें खाद्य फाइबर, ऑर्गनिक एसिड्स और एन्थाक्विनोन्स होते हैं जो शरीर से सभी प्रकार के विषैले पदार्थों को एकत्र कर उन्हें निष्क्रिय करते हैं और बाहर निकालते हैं।

जेल के घटक पॉलीसॉरबेट और गेहूँ के चोकर में अवशोषण की भरपूर क्षमता होती है जिससे वे विषैले अणुओं को सोख लेते हैं और उन्हें शरीर के सिस्टम में नहीं जाने देते। गम अरेबिक और पेक्टिन में न केवल अवशोषण की सक्रिय क्षमता होती है बल्कि वे आंत में सूक्ष्मजीवों के नवीनीकरण में भी मदद करते हैं, जो विषैले पदार्थों के प्रभाव से क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। सॉरबायोजेल के सक्रिय पॉलीसैकराइड और पेक्टिन कोलेस्ट्रॉल के चयापचय पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं और शरीर में इसे आवश्यकता से अधिक जमा नहीं होने देते। पेक्टिन का एक सुधार लाने का स्पष्ट गुण जठरांत्र नलिका की श्लेष्मा झिल्ली पर सकारात्मक प्रभाव डालता है और घाव आदि के बाद इसे ठीक होने में मदद करता है। ग्लासवोर्ट का सत लीवर को संरक्षण देता है, डॉग रोज़ और सिल्क कॉर्न लीवर के कार्य को सामान्य बनाने में मदद देते हैं। एस्पेन की छाल का सत सूक्ष्म जीवरोधक, दाहरोधक तथा कीटाणुनाशक प्रभाव छोडता है। सेन्ना घास का सत जठरांत्र नलिका के कार्य में मददगार होता है। सॉरबायोजेल के सक्रिय घटकों की क्रिया आंत के फायदेमंद सूक्ष्मजीवों के नवीनीकरण के लिए परिस्थिति को सामान्य बनाता है और जठरांत्र नलिका के कार्य में सुधार लाता है जिससे लीवर से विषैले पदार्थ निकल जाते हैं।

प्रति 10 ग्राम घटक:
पॉलीसॉरबोटिव – 500 मिग्रा, गेहूँ का चोकर – 400 मिग्रा, मैलिक – पेक्टिन – 100 मिग्रा, बबूल का गोंद (गम अरेबिक) – 100 मिग्रा, मैलिकफाइबर – 50 मिग्रा, एस्पेन की छाल का सत – 50 मिग्रा, डॉग रोज़ हिप्स का सत – 50 मिग्रा, साल्ट – वोर्ट का सत – 30 मिग्रा, सेन्ना का सत – 25 मिग्रा, कॉर्न सिल्क का सत – 15 मिग्रा,

सहायक घटक:
सान्द्र सेब का रस, शुद्ध जल, फ्रुक्टोज़, कैल्शियम साइट्रेट, साइट्रिक एसिड, नैट्रियम बेंज़ोएट, पोटेशियम सॉरबेट, नैट्रियम एल्जिनेट, प्राकृतिक – सदृश स्वाद

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):
वयस्क 1 चम्मच दिन में एक बार भोजन के दौरान एक ग्लास पानी के साथ या एक ग्लास पानी में पहले से घोला हुआ लें।

अनुशंसित खुराक (1 चम्मच) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:
खाद्य फाइबर (100 मिग्रा) – 50%

% – दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:
उत्पाद घटकों के प्रति व्यक्तिगत असहनीयता, गर्भावस्था और स्तनपान

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

गैस्ट्रीजेल
(100 ग्राम)

पचन तंत्र की बीमारीयाँ अक्सर मौसम के अनुसार उभरती हैं और इन रोगों की सबसे बडी वजह दोषपूर्ण पोषण होता है।

गैस्ट्रीजेल एक आर पूरक के रूप में अनुशंसित है जो विटामिन ए, जस्ता, मैग्नेशियम, टैनिन्स और फ्लेवोनाइड्स का एक स्रोत है। यह जठरांत्र की दीर्घकालीन बीमारीयों में पचन क्रिया में सुधार लाते हैं।

गैस्ट्रीजेल कई प्रकार के सतों का मिश्रण है जिसमें चमेली, पुदिना, मुलेठी, शेल्फ फंगस, स्वीट फ्लैग, मिलफॉइल, मार्शमैलो, आइन्युला, डैंडेलियॉन और केला शामिल है; यह जठरांत्र नलिका के कार्य नियमित करता है, ऐंठन और बेचैनी रोकता है। मिश्रित सत में शामिल वनस्पतियों के सक्रिय घटक दाहरोधक, कवच जैसा, नींद आने का, ऐंठनरोधक, सूक्ष्म जीव रोधक, किटाणुनाशक और बंधक प्रभाव छोडते हैं। पेक्टिन, सेब के टिशू और बबूल का गोंद अवशोषण का गुण रखते हैं, वे आंत की दीवारों को मजबूती देते हैं और संक्रामक घाव ठीक होने की प्रक्रिया में तेजी लाते हैं। एस्पेन की छाल का सत सूक्ष्मजीवरोधक, दाहरोधक और हेल्मिंथरोधक प्रभाव छोडता है। मैग्नेशियम सल्फेट पित्त के निर्माण को बढावा देता है, आडू के प्राकृतिक पॉलीफेनोल्स और विटामिन ए फ्री रैडिकल्स के विरुद्ध संरक्षण देते हैं। गैस्ट्रीजेल के मुख्य घटकों की मिश्रित क्रिया से पोषक तत्वों का संतुलन तथा जठरांत्र नलिका का कार्य सामान्य होता है। इसके फलस्वरूप संपूर्ण पचन तंत्र सामान्य रूप से कार्य कर पाता है।

1 छोटा चम्मच (5 ग्राम) में सक्रिय घटक:
मिश्रित सत (चमेली, पुदिना, मुलेठी, शेल्फ फंगस, फ्लैग रूट, मिल्फॉइल, एल्थिया, एलकैम्पेन, डैंडेलियॉन, केला) – 300 मिग्रा, सेब का पेक्टिन – 150 मिग्रा, मैग्नेशियम सल्फेट – 100 मिग्रा, सेब का सेल्युलोज़ – 100 मिग्रा, बबूल का गोंद (गम अरेबिक) – 100 मिग्रा, एस्पेन की छाल का सत – 25 मिग्रा, आडू की पत्ती का सत – 0.25 मिग्रा, ज़िंक एस्पारजिनेट – 10 मिग्रा, विटामिन ए (रेटिनोल एसिटेट) – 0.32 मिग्रा

अतिरिक्त पदार्थ:
सान्द्र सेब का रस, शुद्ध जल, फ्रुक्टोज़, कैल्शियम साइट्रेट, साइट्रिक एसिड, नैट्रियम बेंज़ोएट, पोटेशियम सॉरबेट, नैट्रियम एल्जिनेट, प्राकृतिक – सदृश स्वाद

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):
वयस्क दिन में 1 छोटा चम्मच भोजन के साथ पानी में घोल कर लें या बाद में थोडा पानी पिएँ।

अनुशंसित खुराक (1 छोटा चम्मच) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:
विटामिन ए (0.32 मिग्रा) – 30%, खाद्य फाइबर (450 मिग्रा) – 20%, जस्ता (2 मिग्रा) – 15%, मैग्नेशियम (20 मिग्रा) – 5%

% – दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:
उत्पाद घटकों के प्रति व्यक्तिगत असहनीयता।

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

कार्डियोजेल
(100 ग्राम)

सामान्यत: कार्डियो-वास्क्युलर बीमारीयों के तीव्र दौरे की रोकथाम में आहार और जीवनशैली एक बडी भूमिका निभाते हैं। बायोएक्टिव पदार्थों के कॉम्प्लेक्स भी कार्डियो-वास्क्युलर सिस्टम को ताकत देते हैं और असामान्यताओं को विकसित होने से रोकते हैं।

कार्डियोजेल एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है जो विटामिन्स ए, सी, ई, ऑर्गनिक एसिड्स और फ्लेवोनाइड्स का स्त्रोत है। यह हृदय को तुरंत और सक्रिय मदद देता है और वाहिनियों के कार्य में सहायता करता है। कार्डियोजेल के घटकों का मिश्रण कार्डिएक मांसपेशियों की चयापचय क्रिया को उद्दीप्त करते हैं, उनके कार्य में सुधार लाते हैं और मायोकार्डियम में रक्त की आपूर्ति को सामान्य बनाते हैं।

मिश्रित सत, अर्थात नेटल, हाथोर्न, मदरवोर्ट, वैलेरियन, पुदिना, मेलिसा, ओरिगेनम और विलो हृदय को संरक्षण देते हैं, वाहिनियों को चौडा करते हैं और सौम्य नींद आने का प्रभाव छोडते हैं जिससे हृदय की गति और रक्तचाप सामान्य होते हैं और थक्का नहीं जमता। सेव के पेक्टिन और बबूल के गोंद (गम अरेबिक) में पॉलीसैकराइड और पेक्टिन्स होते हैं जो एथेरोस्क्लेरोसिस के तीव्र दौरे की रोकथाम में लक्षणीय रूप से मददगार होते हैं। जेल में उपस्थित सूक्ष्म तत्व महत्वपूर्ण आयनों का स्तर घटने नहीं देते, पानी-इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखते हैं जिससे कार्डिएक मांसपेशियों के कार्य पर सकारात्मक प्रभाव पडता है। साइट्रस पौधे के शक्तिशाली एंजियोसंरक्षक और एंटी ऑक्सीडेंट्स जैसे बायोफ्लेविन, रुटिन और क्यूरसेटिन आदि रक्तवाहिनियों की दीवार को मजबूती देते हैं, उनकी पारगम्यता और नाजुकता कम करते हैं। विटामिन सी और ई के साथ मिलकर वे फ्री रैडिकल्स के दुष्परिणाम कम करते हैं जिससे रक्तवाहिनियों में ऑक्सीडेटिव कोलेस्ट्रॉल जमा नहीं हो पाता।

1 छोटा चम्मच (5 ग्राम) में सक्रिय घटक:
मिश्रित सत (नेटल, हाथोर्न, मदरवोर्ट, वैलेरियन, पुदिना, बाम, मुलेठी, विलो) - 300 मिग्रा, सेब का पेक्टिन - 200 मिग्रा, सेब का सेल्युलोज़ - 100 मिग्रा, बबूल का गोंद (गम अरेबिक) - 100 मिग्रा, सोडियम एस्कॉर्बेट - 50 मिग्रा, मैग्नेशियम सल्फेट - 50 मिग्रा, पोटेशियम क्लोराइड - 50 मिग्रा, साइट्रिक बाइफ्लेवोनाइड्स - 10 मिग्रा, रुटिन - 5 मिग्रा, क्यूरसेटिन - 5 मिग्रा, टोकोफेरोल एसिटेट - 3 मिग्रा, रेटिनोल एसिटेट - 0.22 मिग्रा

अतिरिक्त पदार्थ:
सान्द्र सेब का रस, शुद्ध जल, फ्रुक्टोज़, साइट्रिक एसिड, सोडियम बेंज़ोएट, पोटेशियम सॉरबेट, प्राकृतिक - सदृश स्वाद

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):
वयस्क दिन में 1 छोटा चम्मच भोजन के साथ पानी में घोल कर लें या बाद में थोडा पानी पिएँ।

अनुशंसित खुराक (1 चम्मच) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती है:
विटामिन सी (44 मिग्रा) - 60%, विटामिन ई (3 मिग्रा) - 30%, विटामिन ए (0.22 मिग्रा) - 20%, खाद्य फाइबर (400 मिग्रा) - 20%,

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:
उत्पाद घटकों के प्रति व्यक्तिगत असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

सीडाजेल
(100 ग्राम)

सतत तनाव, तीव्र मानसिक स्थिति और अत्यधिक जानकारी का बोझ तंत्रिका तंत्र में गंभीर विकारों को जन्म दे सकता है, जो आगे चलकर दीर्घकालीन बीमारी का रूप ले सकते हैं। इसीलिए, सेहत बनाए रखने के लिए शांत रहना, तनाव-मुक्त होना और तनावपूर्ण स्थितियों से निपटना आदि सीखना आवश्यक है।

सीडाजेल एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है जो फ्लेवोनाइड्स, आर्गनिक एसिड्स और अन्य कॉम्प्लेक्स का अतिरिक्त स्त्रोत है। यह अपने सौम्य नींद आने के प्रभाव के जरिए केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र के कार्य को और नींद को सामान्य करता है।

सीडाजेल फाइटोकॉम्प्लेक्स के मिश्रित सत, जिसमें वैलेरियन, मदरवोर्ट, ओरिगेनम, मेलिसा, हॉप, पुदिना और मुलेठी शामिल हैं, एक नींद आने की, सम्मोहक, दर्द निवारक और सामान्य स्वास्थ्य सुधारक क्रिया करते हैं। वनस्पतिक घटकों के सक्रिय पदार्थ ह दय की मांसपेशियों की रक्तवाहिनियों को शिथिल करते हैं जिससे वे फैलती हैं और उच्च रक्तचाप का खतरा कम होता है। गम अरेबिक और सेब के टिशू में स्थित पेक्टिन और पॉलीसैकराइड के अवशोषण प्रभाव से कोलेस्ट्रॉल का स्तर घटता है जिससे खून की तरलता बढती है और उच्च रक्तचाप का खतरा और भी कम होता है तथा टिशूज़ में ऑक्सीजन की कमी नहीं हो पाती। पानी-लवण के प्राकृतिक संतुलन को सीडाजेल कॉम्प्लेक्स में मौजूद तत्वों के मिश्रण द्वारा बनाए रखा जाता है, जिसमें मैग्नेशियम की प्रमुख भूमिका होती है जोकि तंत्रिका तंत्र में संवेदनाओं के भेजे जाने के लिए एवं न्यूरॉन्स के सामान्य कार्य के लिए आवश्यक होती है। कॉम्प्लेक्स का आरामदेह प्रभाव ग्लायसीन और गामा-एमिनोब्युटिरिक एसिड द्वारा आता है जो कॉम्प्लेक्स का हिस्सा हैं और केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र को सक्रिय होने से रोकते हैं।

1 छोटा चम्मच (5 ग्राम) में सक्रिय घटक:
मिश्रित सत (वैलेरियन, मदरवोर्ट, वैलेरियन, मार्जोरम, मलिस, हॉप, पुदिना, पीवाइन), सेब का पेक्टिन, सेब का सेल्युलोज़, गम अरेबिक, पोटेशियम क्लोराइड, मैग्नेशियम सल्फेट, ग्लायसीन, गामा - एमिनो - ब्युटिरिक एसिड

अतिरिक्त पदार्थ:
सान्द्र सेब का रस, शुद्ध जल, फ्रुक्टोज़, लेमन एसिड, सोडियम बेंज़ोएट, पोटेशियम सॉरबेट, प्राकृतिक - सदृश स्वाद

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):
वयस्क दिन में दो बार 5 ग्राम (एक मैशे) भोजन के साथ पानी में घोल कर लें या बाद में थोडा पानी पिएँ।

अनुशंसित खुराक (5 ग्राम) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:
खाद्य फाइबर (400 मिग्रा) - 20%

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:
उत्पाद घटकों के प्रति व्यक्तिगत असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

जॉइंटजेल
(100 ग्राम)

जोड जटिल बायोकेमिकल संरचनाएँ होते हैं। जोड के किसी भी भाग में कुपोषण, रक्त की आपूर्ति में बाधा आदि होने से जोड के कार्य में कमी आ जाती है। जोडों की समस्याएँ विभिन्न कारणों से होती हैं जिनमें शामिल हैं चोट, शरीर के चयापचय तथा रोग-प्रतिकार क्षमता में कमी, लिगामेंट्स को क्षति, हड्डी एवं कार्टिलेज के टिशूज़ में रक्त की आपूर्ति में बाधा और मोटापा।

जॉइंटजेल एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है जो फ्लेवोनाइड्स और ऑर्गनिक एसिड्स का अतिरिक्त स्रोत है। यह जोडों के मुख्य टिशूज़, जैसे हड्डी की सतह पर स्थित कार्टिलेजिनस टिशू और घने कनेक्टिव टिशूज़ जो जोड का निर्माण करते हैं, को पोषण आधार देता है।

फाइतोजेल के सक्रिय घटक, जैसे ग्लूकोज़एमाइन सल्फेट और कोंड्रॉइटिन सल्फेट कार्टिलेजिनस टिशू के निर्माण घटक होते हैं। बायोएक्टिव पदार्थों का मिश्रण कनेक्टिव टिशू के जैवसंश्लेषण में हिस्सा लेता है, कार्टिलेज नष्ट होने की प्रक्रिया रोकता है और उसके पुनर्निमाण में तेजी लाता है। कोंड्रॉइटिन कैल्शियम की हानि रोकता है, हड्डियों के टिशू के नवीनीकरण में तेजी लाता है और इस प्रकार दीर्घकालीन दाहपूर्ण जोडों की बीमारी का विकास धीमा करता है। ग्लूकोज़एमाइन एक एंडोजेनस अणु है, इस कारण वह जोडों की झिल्ली, जोडों के बीच के द्रव और कार्टिलेजिनस टिशू की निर्माण सामग्री के संश्लेषण को सक्रिय करता हैऔर इस प्रकार कार्टिलेज को रासायनिक चोटों से बचाता है और एक सौम्य दाहरोधक प्रभाव छोडता है। यह क्रिया स्पष्ट रूप से मार्श सिंकफॉइल घास, विलो और युक्का के सतों के दाहरोधक, सूक्ष्मजीवरोधक, और किटाणुनाशक प्रभाव की वजह से होती है। जॉइंटजेल कॉम्प्लेक्स में सिलिकॉन होता है जो चयापचय में मददगार होता है और जोडों तथा हड्डियों के टिशूज़ को ऊर्जा प्रदान करता है। जॉइंटजेल के सक्रिय घटकों की एकत्र क्रिया से संपूर्ण पोषण आधार तथा दाहरोधक प्रभाव मिलता है जिससे स्नायु-अस्थि तंत्र का कार्य सामान्य होता है।

1 छोटा चम्मच (5 ग्राम) की सामग्री:
ग्लूकोज़एमाइन सल्फेट - 400 मिग्रा, सेब का पेक्टिन - 200 मिग्रा, कैल्शियम लैक्टेट - 100 मिग्रा, सेब का सेल्युलोज़ - 100 मिग्रा, बबूल का गोंद (गम अरेबिक) - 100 मिग्रा, कोंड्रॉइटिन सल्फेट - 75 मिग्रा, नैट्रियम एस्कॉर्बेट - 50 मिग्रा, मार्श सिंकफॉइल हर्ब का सत - 25 मिग्रा, सीयर की छाल का सत - 25 मिग्रा, युक्का - 15 मिग्रा, सिलिकॉन ऑक्साइड - 5 मिग्रा

अतिरिक्त पदार्थ:
सान्द्र सेब का रस, शुद्ध जल, फ्रुक्टोज़, लेमन एसिड, नैट्रियम बेंज़ोएट, केलियम सॉरबेट, प्राकृतिक - सदृश स्वाद

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):
वयस्क दिन में 1 छोटा चम्मच भोजन के साथ पानी में घोल कर लें या बाद में थोडा पानी पिएँ।

अनुशंसित खुराक (1 चम्मच) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:
ग्लूकोज़एमाइन सल्फेट (400 मिग्रा) - 80%, विटामिन सी (44 मिग्रा) - 60%, कोंड्रॉइटिन सल्फेट (75 मिग्रा) - 20%, खाद्य फाइबर (300 मिग्रा) - 15%

% - दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:
उत्पाद घटकों के प्रति व्यक्तिगत असहनीयता।

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

Art of Life®

यूरोजेल
(100 ग्राम)

यूरो–जेनिटल या जेनिटो–यूरीनरी सिस्टम के दाहपूर्ण रोग सीधे सामान्य स्वास्थ्य पर असर करते हैं। इसीलिए यूरीनरी या मल तंत्र की बीमारीयों पर उनके शुरुआती दौर में ही ध्यान देना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

यूरोजेल एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है जो आरब्युटिन, विटामिन्स सी और ई, ऑर्गनिक एसिड्स और जस्ता का स्त्रोत है। यह जेनिटो–यूरीनरी सिस्टम की बीमारीयों में तत्काल राहत पहुँचाते हैं।

इस कॉम्प्लेक्स में कई हर्ब्स का मिश्रित सत है जो यूरोजेनिटल बीमारीयों के इलाज और रोकथाम में सैकडों वर्षो से इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें पॉलीगोनम, बियरबेरी, कैलेंड्युला, काउबेरी, मुलेठी, भोज, जूनिपर और हॉर्सटेल के सत सामिल हैं। सक्रिय वनस्पतिक पदार्थ दाहरोधक, एंटीसेप्टिक, सूक्ष्मजीवरोधक, ऐंठनरोधक और सौम्य डाइयूरेटिक प्रभाव छोडते हैं। सान्द्र क्रेनबेरी के रस में बायोएक्टिव पदार्थ होते हैं जो सूक्ष्मजीवरोधक क्रिया करते हैं और डाइयूरेटिक प्रभाव छोडते हैं। क्रेनबेरी न केवल जेनिटो–यूरीनरी सिस्टम का स्वास्थ्य सुधारती है, बल्कि वह विटामिन सी का स्त्रोत भी है, जो विटामिन ई के साथ मिल कर कोलाजेन का संश्लेषण सक्रिय करता है और रक्तवाहिनियों की कोशिकाओं को सक्रिय कर उन्हें ताकत देता है। फाइटोकॉम्प्लेक्स के सक्रिय पदार्थ जेल में घुली हुई अवस्था में पेट के भीतर सोख लिए जाते हैं। यूरोजेल में मौजूद जस्ता किडनी को संरक्षण देता है और उसका कार्य सामान्य बनाए रखता है। पोटेशियम शरीर को स्थिरता देता है और प्राकृतिक पानी–लवण संतुलन बनाए रखता है।

1 छोटा चम्मच (5 ग्राम) में सक्रिय घटक:
मिश्रित सत (पॉलीगोनम, बियरबेरी, काउबेरी, मुलेठी, भोज, जूनिपर, हॉर्सटेल) – 300 मिग्रा, सेब का पेक्टिन – 200 मिग्रा, सेब का सेल्युलोज़ – 100 मिग्रा, बबूल का गोंद (गम अरेबिक) – 100 मिग्रा, पोटेशयम क्लोराइड – 100 मिग्रा, सान्द्र क्रेनबेरी का रस – 60 मिग्रा, सोडियम एस्कॉर्बेट – 50 मिग्रा, ज़िंक एस्पार्जिनेट – 10 मिग्रा, टोकोफेरोल एसिटेट – 7.5 मिग्रा

अतिरिक्त पदार्थ:
सान्द्र सेब का रस, शुद्ध जल, फ्रुक्टोज़, साइट्रिक एसिड, सोडियम बेंज़ोएट, पोटेशियम सॉरबेट, प्राकृतिक – सदृश स्वाद

इस्तेमाल हेतु निर्देश (खुराक):
वयस्क दिन में 1 छोटा चम्मच भोजन के साथ पानी में घोल कर लें या बाद में थोडा पानी पिएँ।

अनुशंसित खुराक (1 चम्मच) के उपयोग से निम्न की आपूर्ति होती ह:
विटामिन ई (7.5 मिग्रा) – 75%, विटामिन सी (44मिग्रा) – 60%, जस्ता (2 मिग्रा) – 30%, खाद्य फाइबर (400 मिग्रा) – 20%

% – दैनिक आवश्यकता का

विपरीत लक्षण:
उत्पाद घटकों के प्रति व्यक्तिगत असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

दांतों की देखभाल

Art of Life®

मेडिकलप्रोफाइलेक्टिक टूथपेस्ट एन-ज़िम

दंतक्षय की रोकथाम के लिए बायोएक्टिव एंज़ाइम पेपेन और टी ट्री ऑइल युक्त

एन-ज़िम प्रोफाइलेक्टिक टूथपेस्ट दांतों की सफाई के लिए बनाया गया एक उत्पाद है।

टूथपेस्ट में उपस्थित बायोएक्टिव एंज़ाइम पेपेन प्लाक का आधार बनाने वाली प्रोटीन श्रृंखला को तोडता है और एंज़ाइम के सक्रिय घटक प्लाक को नष्ट करते हैं। सिलिकॉन डाइऑक्साइड के अति-सूक्ष्म कणों की एक सक्रिय सिस्टम दांतों पर होने वाले हमले को रोकती है और एनामेल को सुरक्षित रखते हुए बेहद सावधानी से दांतों की सतह की सफाई करती है और प्राकृतिक चमकदार सफेदी लौटाती है। टी ट्री ऑइल मसूडों को मजबूती देता है और दाहरोधक एवं एंटीसेप्टिक प्रभाव छोडता है जिससे कैविटी जैसी दाहपूर्ण बीमारीयों की रोकथाम होती है। कैल्शियम, फ्लोरीन और फास्फोरस का मिश्रण दांतों के एनामेल को मजबूती देता है और दंतक्षय की रोकथाम करता है। वनस्पतिक घटकों का प्राकृतिक कार्य, संरचना की जटिलता और आधुनिकतम तकनीक का इस्तेमाल इस बात की गारंटी देते हैं कि दांतों की गुणवत्ता और मुँह की देखभाल सर्वोत्तम दर्जे की हो।

सामग्री:

खनिज-रहित जल, सोरबाइट, सिलिकॉन डाइऑक्साइड, पॉलीइथिलिन ग्लायकॉल, सोडियम लॉरोइल सार्कोसिनेट, सुगंध, सोडियम मोनोफ्लोरोफॉस्फेट, पेपेन, सोडियम कार्बोक्सीमेथिलसेल्युलोज़, स्टेवियोसाइड, कैल्शियम ग्लिसेरोफॉस्फेट, टी ट्री ऑइल, मेथिल पैरावेन, प्रोपलि पैरावेन, डाइसोडियम ईडीटीए साल्ट, रंग ई 104, ई133।

फ्लोराइड की मात्रा: 0.1% से कम नहीं

उपयोग की विधि:

दांतों को स्वस्थ रखने के लिए दिन में कम से कम दो बार ब्रश करें। अच्छे परिणाम पाने के लिए ओरल रिन्सिंग एजेंट भी इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है।

Art of Life®

उपचारात्मक और रोगनिवारक टूथपेस्ट एन-ज़िम प्रीबायो

बायोएक्टिव एंज़ाइम पेपेन और लैक्टोबैसिलस लायसेट युक्त

उपचारात्मक और रोगनिवारक टूथपेस्ट एन-ज़िम प्रीबायो मुँह में अम्ल-क्षार का संतुलन बनाए रखती है और दाहरोधक एवं क्षयरोधक क्रिया देती है। संवेदनशील मसूड़ों की बार-बार जलन पर इसके इस्तेमाल की सलाह दी जाती है। लैक्टोबैसिलस के लायसेट में मौजूद बायोएक्टिव कॉम्प्लेक्स ओरल कैविटी में रागकारक तत्व जमा नहीं होने देता और दांतों को प्लाक से बचाता है। ग्वारपाठा के सत के साथ मिल कर यह मुँह और मसूड़ों की श्लेष्मा झिल्ली को मजबूत बनाता है। वनस्पतिक एंज़ाइम पेपेन नरम प्लाक को काटता है, उच्च दर्जे की सफाई देता है और दांतों की प्राकृतिक सफेदी लौटाता है। सिलिका एनामेल को क्षति से बचाते हुए दांतों की नाजुक सतह की सफाई करता है।

सामग्री:

खनिज-रहित जल, सोरबिटॉल, सिलिकॉन डाइऑक्साइड, डाइकैल्शियम फॉस्फेट डाइहाइड्रेट, पॉलीइथिलिन ग्लायकॉल, सोडियम लॉरोइल सार्कोसिनेट, सोडियम कार्बोक्सीमेथिलसेल्युलोज़, फ्लेवरिंग डी-पैंथेनॉल, सोडियम लॉरिल फॉस्फेट, लाइसीन, टाइटैनियम डाइऑक्साइड, पेपेन, सोडियम फ्लोराइड, एमिनो, एलेन्टॉइन, सैकरीन, लैक्टोबैसिलस का लाइसेट, मेथिल पैरावेन, प्रोपलि पैरावेन, स्टेवियोसाइड, ग्वारपाठा का सत। फ्लोराइड की मात्रा 0.1% से कम नहीं

उपयोग की विधि:

दांतों को स्वस्थ रखने के लिए दिन में कम से कम दो बार ब्रश करें।

बालों की देखभाल

Art of Life®

नैचुरासेप्ट शैम्पू

टी ट्री ऑइल युक्त शैम्पू ≪नैचुरासेप्ट≫

नियमित उपयोग करने पर इसमें मौजूद टी ट्री ऑइल अपनी एंटीसेप्टिक क्रिया से रूसी कम करता है। यह सेबेशियस ग्रंथी का कार्य सामान्य करता है और सिर की खुजली मिटाता है। क्लिम्बाज़ोल के सक्रिय कॉम्प्लेक्स टी ट्री ऑइल के कार्य को बढावा देते हैं और सिर के गुणकारी बैक्टीरिया को नुकसान नहीं पहुँचाते। यह पिटिरोस्पोरम ओवल फंगस का फैलना रोकते हैं, जो रूसी की प्रमुख वजह होता है। शैम्पू में मौजूद भोज का सत दाहरोधक प्रभाव छोडता है, बालों की जडों को मजबूती देता है और पतले और कमजोर बालों को फिर नयापन देता है। बालों की संपूर्ण लंबाई को पोषण देता है और उनकी प्राकृतिक चमक लौटाता है।

सामग्री:

जल, सोडियम लॉरेथ सल्फेट, कोकेमिडोप्रोपिल बीटेन, पीईजी – 40, हाइड्रोजनेटेड कैस्टर ऑइल, कोकेमाइड डीईए, कोकोग्लूकोसाइड, लॉरेथ – 2, सोडियम लॉरोइल ग्लूटामेट, पीईजी – 7 ग्लिसिरिल कोकोएट, क्लिम्बाज़ोल, पीईजी – 120 मेथिल ग्लूकोज़ डायोलिएट, डी – पैंथेनोल, टी ट्री लीफ ऑइल, बेट्युला एल्बा का सत, सेलकैट एससी 240सी, बेंजील अल्कोहोल, एथिलक्लोरोआइसोथाएज़ोलाइन, मेथिलआइसोथाएज़ोलाइन, डाइसोडियम ईडीटीए, साइट्रिक एसिड।

इस्तेमाल की विधि:

गीले बालों और त्वचा पर शैम्पू समान रूप से फैलाकर लगाएँ, हल्के – हल्के मलें, फिर पानी से साफ करें। आवश्यक हा, तो क्रिया को दोहराएँ। अच्छे नतीजों के लिए शैम्पू को हेयर बाम नैचुरासेप्ट के साथ इस्तेमाल करें।

हेयर बाम नैचुरासेप्ट

टी ट्री ऑइल युक्त बाम (कंडीशनर)

≪नैचुरासेप्ट≫

नैचुरासेप्ट बाम त्वचा की कोशिकाओं का नवीनीकरण सामान्य करता है जिससे रूसी की रोकथाम होती है। टी ट्री ऑइल, जो एक शक्तिशाली प्राकृतिक एंटीसेप्टिक है, की मदद से सेबेशियस ग्रंथी का कार्य सामान्य बनता है और सिर की त्वचा की चुभन और खुजली दूर होती है।

सक्रिय कॉम्प्लेक्स क्लिम्बाज़ोल टी ट्री ऑइल की क्रिया में मदद देता है, त्वचा के गुणकारी बैक्टीरिया को नुकसान नहीं पहुँचाता और पिटिरोस्पोरम ओवल फंगस का फैलना रोकता है, जो रूसी की प्रमुख वजह होता है।

वालसम स्टैटिक विद्युत को हटाता है, बालों में कंघी करना सुविधाजनक करता है और उन्हें ड्रायर से सुखाते समय नुकसान से बचाता है। यह क्षतिग्रस्त बालों को भीतर से सुधारता है, उनकी नाजुकता कम करता है जिससे वे स्मूथ और सिल्की बनते हैं और उनकी स्वस्थ चमक लौट आती है।

इस्तेमाल की विधि:

आवश्यक मात्रा में बाम लेकर गीले, साफ बालों पर लगाएँ, उसे बालों की लंबाई पर एक समान फैलाएँ और सिर पर मालिश करें। **3 – 5** मिनट तक वैसे ही छोड़ दें, फिर पानी से धो लें।

जोडों की देखभाल

जॉइंटफ्लेक्स एक्टिव क्रीम जेडीसी फ्लेक्सगो

दुनिया का हर पाँचवे व्यक्ति को जोडों में दर्द और/या अकडन की शिकायत होती है। इन समस्याओं की वजह होती है दीर्घकालीन दाहक प्रक्रियाएँ, रोग-प्रतिकार क्षमता का घटना, अक्रिय जीवनशैली, जोडों का अयोग्य प्रकार से इस्तेमाल, कुपोषण और मोटापा।

जॉइंटफ्लेक्स-एक्टिव क्रीम में प्राकृतिक घटकों का कॉम्प्लेक्स होता है जो जैविक रूप से अति सक्रिय होते हैं जिससे चयापचय और टिशूज़ का नवीनीकरण सुधरता है। क्रीम के घटक स्थानीय दाहरोधक प्रभाव उत्पन्न करते हैं, जोडों तथा मांसपेशियों का दर्द मिटाते हैं, तनाव दूर करते हैं और रक्तप्रवाह में सुधार लाते हैं।

जॉइंटफ्लेक्स-एक्टिव क्रीम दाहपूर्ण जोड के रक्तप्रवाह में सक्रियता और सक्रिय घटकों की दीर्घ कालीन क्रिया के द्वारा एनस्थेटिक और दाहरोधक दोनों प्रभाव छोडती है। क्रीम की प्रभावकारकता उसमें मौजूद प्राकृतिक तत्वों के सक्रिय पदार्थों की वजह से होती है, जो लाइपोसोम रूप में होते हैं और त्वचा की परतों में गहरे तक समाकर दाह पर तत्काल असर करते हैं, जिससे दीर्घकाल और अधिकतम उपचारात्मक प्रभाव मिलता है। लाइपोसोम की संरचना त्वचा की जीवित कोशिकाओं के समान होती है, इसलिए वे नवीनीकरण की प्रक्रियाओं पर प्रभाव डाल सकते हैं और बायोकेमिकल प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से हिस्सा ले सकते हैं। लाइपोसोम एक प्रकार के छोटे डिब्बे होते हैं जिनके भीतर सक्रिय घटक होता हैं। इससे उन्हें त्वचा की सतह पर और उसके अंदर सक्रिय घटक पहुँचाने में मदद मिलती है जिससे प्रभावित स्थान पर अच्छा असर पडता है।

लाइपोसम सिस्टम में जली हुई काली मिर्च का सत, तारपीन और कपूर दाह के स्थान पर रक्त प्रवाह बढाते हैं, टिशू का पोषण सामान्य करते है और गर्मी देते हैं। मेंथॉल, देवदार का तेल और नीलगिरी का तेल मिलकर ठंडक पहुँचाते हैं और प्रभावित क्षेत्र का दर्द कम करते हैं। इस पार्श्वभूमि पर काली मिर्च के सत द्वारा दी गई गर्मी अस्वस्थ नहीं करती और ये सभी घटक साथ मिलकर प्रभावित क्षेत्र में रक्त प्रवाह बढाते हैं। सिंकफॉइल, बुर्डाक और लैवेंडर के तेल का एक साथ प्रयोग दर्दनाशक प्रभाव छोडता है, आसपास के टिशूज़ से सूजन कम करता है और बढे हुए रक्त प्रवाह के साथ तेजपत्ता का सत प्रभावित टिशू में समाने की क्षमता रखता है, जिससे दर्द कम होता है और जोड की अकडन कम होती है। इस प्रकार जॉइंटफ्लेक्स क्रीम, और कॉम्प्लेक्स जॉइंटजेल तथा जॉइंटफ्लेक्स के इस्तेमाल से ओस्टियोआर्थराइटिस एवं हड्डियों को नुकसान पहुँचाने वाले रोगों का विकास धीमा होगा, हड्डियों के नुकसान की राकथाम होगी, दर्द, सूजन और जोडों के रोग के अन्य लक्षण कम होंगे, प्रभावित क्षेत्र की हलचल में और कार्य में सुधार होगा। यह अपूर्व मिश्रण शरीर में अनावश्यक तनाव की रोकथाम करेगा जो कसरत या शारीरिक गतिविधि के समय स्नायु-अस्थि तंत्र में पैदा होता है।

सामग्री:

जल, सोडियम पॉलीएक्रिलेट और डाइमेथिकोन और साइक्लोपेंटासाइलोक्ज़ेन और ट्राइडेसेथ - 6 और पीईजी/पीपीजी - 18/डाइमेथिकोन, हाइड्रोजनेटेड कैस्टर ऑइल, पीईजी - 600, तारपीन, कपूर, कैप्सिकम एनम का सत, मेंथॉल, एवीस साइविरिका का तेल, नीलगिरी का तेल, लेसिथिन, आर्क्टियम लैप्पा की जड का सत, लॉरस नोबिलिस, लैवेंड्युला वेरा का तेल, इथाइलहेक्ज़िल ग्लिसरीन, फेनॉक्सीइथेनोल, वेट्युला पेंड्युला का सत, आर्टेमिसिया वल्गारिस का सत, कोमारम पालुस्ट्रे (पर्पल मार्शलॉक का सत), सैलिक्स का सत, डाइसोडियम ईडीटीए, ब्यूटिल हाइड्रोक्सीटाल्यूइन

लगाने (इस्तेमाल) की विधि:

दर्द होते ही त्वचा के स्थान को साफ कर क्रीम लगाएँ और एक समान फैलाएँ, 3 - 5 मिनट तक हल्के से मालिश करें। ऐसा दिन में 2 - 3 बार करें। एक बार का असर 5 - 6 घंटे तक रहता है। दर्द वाले स्थान पर क्रीम लगाने के बाद उसका प्रभाव अच्छी तरह से होने के लिए वहाँ गर्मी देने वाला बैंडेज लगाना, और संभव हो तो 20 - 30 मिनट आराम करना आवश्यक होता है। इसे 1 - 4 सप्ताह तक लगाएँ। आवश्यक हो तो कोर्स दोहराएँ।

सावधानी:

क्रीम को शरीर पर खुले घाव पर न लगाएँ; श्लेष्मा झिल्ली के संपर्क में न आने दें।

विपरीत लक्षण:

क्रीम के घटकों के प्रति व्यक्तिगत असहनीयता

यहाँ वर्णित उत्पाद औषधि नहीं है। यदि आपको कोई चिकित्सीय समस्या हो, तो कृपया डॉक्टर की सलाह लें।

संवर्धित पोषण कार्य उत्पाद

प्रोटीन सिरियल कॉकटेल एमिनो–एक्टिव

(300 ग्राम)

प्रीबायोटिक्स, लेसिथिन, लौह तथा विटामिन्स से संवर्धित (जीएमओ–रहित)

प्रोटीन और ग्रेमिनियस कॉकटेल ≪एमिनो एक्टिव≫ एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित है जो लौह, विटामिन्स ए, बी1, बी2, बी3, बी6, बी9, बी12 और सी का स्रोत है। यह वजन घटाने के दौरान शरीर में एमिनो एसिड और विटामिन–खनिज संतुलन बनाए रखने के लिए, चयापचय को सामान्य बनाने के लिए और जठरांत्र सिस्टम के कार्य में मदद के लिए निर्देशित है। यह सामान्य स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती बनाए रखता है।

इसकी एमिनो एसिड प्रोफाइल में सोया प्रोटीन की उपस्थिति मनुष्य की आवश्यकताओं के सर्वाधिक अनुरूप है। इसकी मात्रा अधिकतम संभव है और वास्तव में यह पशुजन्य प्रोटीन के बराबर है। सोया प्रोटीन की विशेषता यह है कि यह शरीर को आसानी से वजन घटाने में मदद करता है और मांसपेशियों के निर्माण में मदद कर चर्बी को बाहर करता है। भोजन में सोया प्रोटीन को शामिल करने से संतुष्टि का अहसास होता है और मीठा खाने की इच्छा कम होती है।

चयापचय क्रिया का मुख्य उत्पाद, ग्लूकोज़, कोशिकाओं को शीघ्र ऊर्जा देता है, खून में तत्काल शामिल हो जता है और शरीर में ऊर्जा के निर्माण में योगदान देता है। कॉर्नफ्लेक्स और गेहूँ का चोकर फाइबर के स्रोत हैं, अवशोषक हैं, आंतों में गतिशीलता बढाते हैं और उसके गुणकारी सूक्ष्मजीवों पर सकारात्मक प्रभाव छोडते हैं। लिनोलेइक एसिड टोनालिन एक प्राकृतिक फैटी एसिड है जो चर्बी और मांसपेशियों की संख्या का संतुलन बनाए रखता है। लेसिथिन वसा के चयापचय में सुधार लाता है और तंत्रिका तंत्र के कार्य में मदद करता है। मध्यम श्रृंखला के ट्राइग्लिसेराइड्स शरीर में फैटी एसिड्स की आवश्यकता की पूर्ति करते हैं, संतुष्टि की भावना देते हैं और अन्य लिपिड्स की तरह अतिरिक्त फैट टिशू के रूप में जमा नहीं होते। घुलनशील खाद्य फाइबर न्यूट्रियोज़ असाधारण पोषण विशेषताओं से युक्त होते हैं। वे न केवल जठरांत्र नलिका पर सकारात्मक प्रभाव छोडते हैं, बल्कि उत्पादों से कैलोरी भी घटाते हैं और ऊर्जा को धीरे–धीरे मुक्त करते हैं। केला दाहरोधक और कवच–सदृश प्रभाव छोडता है, इसमें उपयोगी श्लेष्मा होता है जो जठरांत्र नलिका की श्लेष्मा झिल्ली के नवीनीकरण में मदद करता है। लैक्ट्युलोज़ सामान्य सूक्ष्मजीवों के कार्य में मदद करता है, आंतों की पचन क्रिया तथा अवशोषण में मददगार होता है, कई प्रकार के पोषक तत्व (विटामिन, ट्रेस एलिमेन्ट्स) देता है और आंतों में भोजन को आगे बढाता है। एल–टौरीन शरीर में ऊर्जा के उपयोग में तथा ऊर्जा चक्र में वसा के उपयोग में सुधार लाता है और खून में कोलेस्ट्रॉल का स्तर घटाता है।

लौह रीडॉक्स प्रक्रिया में शामिल होता है, कई एंज़ाइम्स और प्रोटीन्स का हिस्सा होता है। विटामिन्स (सी, ए, बी3, बी2, बी6, बी1, बी9, बी12) रोग–प्रतिकार क्षमता बढाते हैं, तंत्रिका तंत्र के संतुलन में मदद करते हैं और चयापचय क्रिया के लिए उत्प्रेरक का कार्य करते हैं।

प्रोटीन सिरियल कॉकटेल एमिनो–एक्टिव एक एनर्जी प्रॉडक्ट है। यह सामान्य भोजन के साथ–साथ भी लिया जा सकता है और एक या दो भोजनों की जगह भी लिया जा सकता है। व्रत वाले दिन आप ≪एमिनो एक्टिव कॉकटेल≫ को आहार के रूप में भी ले सकते हैं। यह उत्पाद फिटनेस या अन्य खेलों में सक्रिय लोगों के लिए भोजन विकल्प नहीं बन सकता। कॉकटेल को कसरत से 30–60 मिनट पहले और/या बाद में लिया जाना चाहिए। इससे थकान मिटती है और चयापचय क्रिया में वृद्धि होती है जिससे चर्बी और मांसपेशियों की संख्या का संतुलन बनए रहता है।

40 ग्राम उत्पाद का पोषण मूल्य:

प्रोटीन्स – 7.5 ग्रा, ग्लूटमाइन – 1.32 ग्रा, एस्पारिजिन – 0.79 ग्रा, फेनिलएमाइन†टायरोसाइन* – 0.6 ग्रा, ल्यूसाइन* – 0.59 ग्रा, आर्जिनाइन – 0.45 ग्रा, लाइसीन* – 0.47 ग्रा, वेलाइन* – 0.37 ग्रा, प्रोलाइन – 0.38 ग्रा, आइसोल्यूसाइन* – 0.36 ग्रा, सेराइन – 0.36 ग्रा, मीथियोनाइन†सिस्टाइन* – 0.104 ग्रा, एलानाइन – 0.308 ग्रा, थियोनाइन* – 0.32 ग्रा, ग्लाइसीन – 0.26 ग्रा, हिस्टीडाइन – 0.17 ग्रा, सिस्टीन – 0.1 ग्रा, ट्रिप्टोफान* – 0.1 ग्रा, एल – टौरीन – 0.12 ग्रा, वसा – 8.4 ग्रा, मध्यम श्रृंखला के ट्राइग्लिसेराइड्स – 0.5 ग्रा, जुडे हुए लिनोलेइक एसिड – 0.5 ग्रा, कार्बोहाइड्रेट्स – 17.46 ग्रा, खाद्य फाइबर – 2.82 ग्रा, लेसिथिन (फॉस्फोलिपिड्स) – 0.5 ग्रा, लैक्ट्युलोज़ – 0.2 ग्रा, विटामिन सी – 21 मिग्रा, विटामिन पीपी – 6.0 मिग्रा, विटामिन बी2 – 0.54 मिग्रा, विटामिन बी6 – 0.6 मिग्रा, विटामिन बी1 – 0.45 मिग्रा, विटामिन ए – 0.3 मिग्रा, विटामिन बी9 – 0.06 मिग्रा, विटामिन बी12 – 0.9 माइक्रोग्राम

* – अत्यावश्यक एमिनो एसिड्स

40 ग्राम सूखे उत्पाद का ऊर्जा मूल्य:

176.34 किलो कैलोरी

संरचना:

फ्रुक्टोज़, सोया प्रोटीन, ग्लूकोज़, सोया सेल्युलोज़, प्रोमिक्स, गेहूँ का खाद्य फाइबर, न्यूट्रियोज़, कॉर्नफ्लेक्स, आइन्युलाइन, फाइबुलाइन इंस्टेन्ट, जुडे हुए लिनोलेइक एसिड टोनालाइन, गेहूँ का चोकर, मध्यम श्रृंखला के ट्राइग्लिसेराइड्स, डेलियोज़ एस पाउडर, लेसिथिन, स्टिफनर स्टेबिलान (खाद्य फाइबर), एलिमेंटल फ्लेवर, लैक्ट्युलोज़, केले का सत, एल–टौरीन, आयरन पायरोफॉस्फेट, विटामिन्स: सी, ए, बी3, बी2, बी6, बी1, बी9,बी12

खुराक तैयार करना:

20 ग्रम (2 छोटे चम्मच) पाउडर एक ग्लास में लें, उबाल कर ठंडा किया हुआ पानी या दूध थोडी मात्रा में लेकर पाउडर घोल लें, फिर बचा हुआ द्रव (20 ग्राम पाउडर के लिए 80–100 मि.ली.) मिला दें। कॉकटेल पर अच्छी तरह से झाग आने के लिए शेकर, मिक्सर या ब्लेंडर का उपयोग करें। उत्पाद लेते समय सूखा चम्मच उस्तेमल करें। इसे लेने से पहले और द्रव मिला लें।

Art of Life®

लेसिथिन–जेल

वेबी श्रृंखला में प्रस्तुत है एक नया, बच्चों के लिए विटामिन युक्त ≪लेसिथिन–जेल≫। यह पहला आहार पूरक है जो बच्चों के ब्रेन और तंत्रिका तंत्र के पोषण हेतु विकसित किया गया है।

आहार पूरक ≪लेसिथिन–जेल≫ में लेसिथिन, सब्ज़ियाँ, मानक फॉस्फोलिपिड्स और विटामिनों का मिश्रण (ए, ई और ग्रुप बी) होता है जो बढते बच्चों की ज़रूरतों के अनुरूप होता है।

लेसिथिन (आवश्यक फॉस्फोलिपिड) एक आवश्यक तत्व है जो शरीर के सामान्य कार्य में एक प्रमुख भूमिका निभाता है।

उत्पाद का विशिष्ट जेल स्वरूप सक्रिय घटकों की शरीर के लिए उपलब्धता सुनिश्चित करता है और इसका बेहतरीन स्वाद (खूबानी) तुनकमिजाज बच्चों को भी निश्चित है अच्छा लगेगा।

लेसिथिन–जेल इस्तेमाल में आसान है और स्कूप की सहायता से इसकी खुराक भी आसानी से मापी जा सकती है। इसकी एल्यूमिनियम ट्यूब उत्पाद के सारी विशिष्टताएँ सुरक्षित रखती है।

बच्चों के लिए लेसिथिन (फॉस्फोलिपिड) ही क्यों?

लेसिथिन एक ऐसा पदार्थ है जो ब्रेन और तंत्रिका तंत्र को आवश्यक पोषण पहुँचाता है। यह मानव शरीर की कोशिका झिल्ली की आधार संरचना का हिस्सा होता है। इसलिए यह बढते बच्चों के विकास के दौर में विशेष रूप से आवश्यक होता है, खासकर जब तंत्रिका तंत्र, रक्तवाहिनियाँ, पचन तंत्र आदि महत्वपूर्ण सिस्टम्स पर अत्यधिक बोझ होता है। लेसिथिन शीघ्र वयस्क होने की प्रक्रिया की रोकथाम में एक बडी भूमिका निभाता है। यह ज्ञात है कि एथेरियोस्क्लेरोसिस कम आयु में ही विकसित होने लगता है, लेकिन बचपन में पर्याप्त मात्रा में लेसिथिन दिए जाने पर प्लाक जमा नहीं हो पाता और तुरंत नष्ट हो जाता है।

जिन बच्चों में अत्यधिक मानसिक तथा मानसिक–भावनात्मक तनाव हो, उन्हें लेसिथिन की खुराक देना आवश्यक होता है। लेसिथिन की कमी से मानसिक कार्य पर प्रभाव पडता है; बच्चा पढाई में पिछडने लगता है, ध्यान केन्द्रित नहीं कर पाता, जानकारी याद नहीं रख पाता, जल्दी थक जाता है, आदि। साथ ही, रोज़मर्रा की ज़िंदगी के तनाव (स्कूल या घर बदलना, साथियों से झगडा या शिक्षक के साथ अनबन, आदि) से निपटने के लिए भी लेसिथिन आवश्यक है।

लेसिथिन कमजोर और बीमार बच्चों का चिडचिडापन और रोना कम करता है और रोग–प्रतिकार क्षमता को मजबूती देकर संक्रमण से बचाव करता है।

केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र की विभिन्न बीमारीयों, जैसे बोलने की क्षमता विकसित होने में देरी, अधिक चिडचिडापन, थकान, पेशाब पर नियंत्रण न होना, और पचन तंत्र, लीवर और श्वसन तंत्र की बीमारीयों वाले वाले बच्चों में लेसिथिन का अच्छा प्रभाव देखा गया है।

स्कोप:

विटामिन युक्त आहार पूरक ≪लेसिथिन जेल≫ विटामिन ए, डी, ई, ग्रुप बी और फॉस्फोलिपिड्स (लेसिथिन) के स्रोत के रूप में अनुशंसित है।

इस्तेमाल की सलाह:

3 साल के बच्चों से लेकर किशोर उम्र तक – 2 स्कूप (10 ग्राम) दिन में 2 बार भोजन के साथ। अवधि – 1 महीना

किसेल वाइल्डबेरी

उच्च बायोलॉजिकल मूल्य और विटामिन–खनिज कॉम्प्लेक्स से युक्त तुरंत तैयार होने वाला आहार उत्पाद

किसेल फॉरेस्ट बेरीज़ विभिन्न बेरीज़ – ब्लुबेरी, क्रेनबेरी और रास्पबेरी – के उपयोगी गुणों का मिश्रण है। यह रोग–प्रतिकार क्षमता को मजबूती देता है और सामान्य स्वास्थ्य सुधार एवं जुकाम, ऑपरेशन और दीर्घकालीन संक्रमण के बाद स्वास्थ्य–लाभ के लिए इसकी सिफारिश की जाती है। किसेल एक प्राकृतिक उत्पाद है, जो इसमें शामिल विटामिन और खनिजों के कारण रोजाना की शक्ति और स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए उत्तम है। शरीर में विटामिन्स, लौह, तथा आयोडीन की कमी होने की दशा में इसे लेने की सिफारिश की जाती है। यह सभी आयु–वर्गों के लोगों, बच्चों (3 वर्ष से अधिक), गर्भवती तथा स्तनपान करा रही महिलाओं के लिए एक उत्कृष्ट उत्पाद है जो बीमारी एवं ऑपरेशन के बाद स्वास्थ्य में सुधार लाता है।

बिलबेरी (चेर्निका) विटामिन्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है जो रोग–प्रतिकार क्षमता बढाते हैं, कोशिकाओं को समय से पहले वयस्क होने से बचाते हैं, आँखों में खून का संचरण बेहतर करते हैं, आँखों में अस्वस्थता, दाह और थकान नहीं होने देते।

लिंगनबेरी (ब्रुस्निका) घरेलू नुस्खे के रूप में कीटाणुनाशक, डाइयूरेटिक और पित्त–जनक के तौर पर सदियों से इस्तेमाल हो रही है। इसमें सक्रिय घटक के रूप में आर्ब्युटिन होता है।

रास्पबेरी (मलिना) पारंपरिक रूप से जुकाम, फ्लु और तीव्र श्वसन संक्रमण पर इस्तेमाल होती आ रही है। इसमें हीमेटोपेसिस ठीक करने वाले घटक मौजूद होते हैं।

किसेल के विटामिन–खनिज कॉम्प्लेक्स में लौह, आयोडीन आदि खनिजों सहित 12 प्रमुख विटामिन योग्य अनुपात में होते हैं।

विटामिन सी रक्तवाहिनियों की दीवारों को मजबूती देता है और उन्हें वाइरस और बैक्टीरिया से बचाता है।

विटामिन ई वसा में घुल जाता है, यह एक एंटीऑक्सीडेंट भी है जिसकी शरीर में एक भिन्न क्रिया होती है। यह कोशिकाओं को नुकसानदेह फ्री रैडिकल्स से बचाता है जिससे आपकी त्वचा स्वस्थ रहती है, जलने और चोटों के घाव तेजी से भरते हैं और यह कैन्सर कोशिकाओं का निर्माण भी रोक सकता है।

विटामिन ए रात में अच्छी तरह से देख सकने के, हड्डियों की वृद्धि, त्वचा की अवस्था सुधारने और संक्रमण से लडने के अपने गुणों के लिए जाना जाता है।

विटामिन बी1 कार्बोहाइड्रेट के चयापचय के लिए आवश्यक होता है, शरीर में अतिरिक्त चर्बी जमा नहीं होने देता। यह तंत्रिका तंत्र, हृदय और लीवर के सामान्य कार्य के लिए जिम्मेदार होता है और थायरॉइड के हारमोन थायरोक्सीन के संश्लेषण में हिस्सा लेता है।

विटामिन बी2 कार्बोहाइड्रेट, वसा और प्रोटीन के चयापचय की क्रिया को नियमित बनाने में शामिल होता है।

विटामिन बी5 प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा और कोलेस्ट्रॉल के एक्सचेंज में सहभागी होता है। यह कुछ हारमोन्स, कोलाइन, हिस्टेमाइन, हीमोग्लोबिन के संश्लेषण के नियमन में भाग लेता है। यह कोलन में अन्न को आगे बढाता है, छोटी आंत में पचे अन्न के अवशोषण में सुधार लाता है, जुकाम और ऊपरी श्वास नलिका की बीमारियों के कति प्रतिरोध विकसित करता है।

विटामिन बी6 चयापचय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, तंत्रिका तंत्र के सामान्य कार्य को बढावा देता है। पचन कार्य में हिस्सा लेता है: पेट के आमाशय रसों में मौजूद हाइड्रोक्लोरिक एसिड इसी विटामिन की उपस्थिति में बनता है।

विटामिन बी9 हीमेटोपेसिस की प्रक्रिया में और न्यूक्लिक एसिड के बायोसिंथेसिस में हिस्सा लेता है, शरीर की वृद्धि के लिए, कोशिकाओं के निर्माण के लिए, टिशूज़ के नवीनीकरण के लिए, टाँके और घाव भरने के लिए यह अत्यावश्यक होता है।

विटामिन बी12 लाल रक्त कोशिकाओं की परिपक्वता के लिए आवश्यक होता है, तंत्रिका तंत्र का स्वास्थ्य सुधारता है, ध्यान केन्द्रित करने की क्षमता बढाता है, स्मृति में सुधार लाता है, शरीर का संतुलन बनाने में मदद करता है।

सामग्री:

आइसिंग शुगर, एमाइलम, बेरी का रस, बिलबेरी, काउबेरी, रास्पबेरी, मल्टी – विटोमिन कॉम्प्लेक्स, लेमन एसिड, फूड फ्लेवर ≪वाइल्ड बेरी≫, विटामिन सी, स्वीटनर सुक्रालोज़, फेरिक सल्फेट, पोटशियम आयोडेट।

इस्तेमाल की विधि:

15 ग्राम पाउडर (3 छोटे चम्मच) एक ग्लास गरम पानी (96 – 98° से.) में घोलें। इसका स्वाद और घनत्व पानी की मात्रा पर निर्भर होता है।

एक कप पेय का आहार मूल्य:

कार्बोहाइड्रेट्स 13.05 ग्रा, विटामिन सी (90 मिग्रा) – 100%, विटामिन पीपी (10 मिग्रा) – 50%, लौह (4 मिग्रा) – 40%, विटामिन ई (5 मिग्रा) – 30%, डी – कैल्शियम पैंटोथनेट (बी5) (4 मिग्रा) – 80%, विटामिन ए (0.7 मिग्रा) – 70%, विटामिन बी1 (1 मिग्रा) – 60%, विटामिन बी6 (1 मिग्रा) – 50%, विटामिन बी2 (0.8 मिग्रा) – 40%, फोलिक एसिड (बी9) (0.3 मिग्रा) – 75%, बायोटिन (एच) (0.1 मिग्रा) – 100%, आयोडीन (30 माइक्रोग्राम) – 20%, विटामिन डी3 (5 माइक्रोग्राम) – 100%, विटामिन बी12 (2 माइक्रोग्राम) – 67%,
कैलोरी मूल्य: 49.8 किलोकैलोरी

% – एक वयस्क व्यक्ति के लिए प्रतिदिन, एमआर 2.3.1.1915–04 के अनुसार

विटामिन डी3 शरीर में कैल्शियम का चयापचय नियमित करता है और रोग–प्रतिकार सिस्टम का हिस्सा बनता है।

बायोटिन (एच) वसा के सामान्य चयापचय और प्रोटीन के लिए आवश्यक है। यह त्वचा और बालों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

लौह – एक आवश्यक ट्रेस तत्व जो शरीर के कई सिस्टम्स का अभिन्न भाग है। यह हीमोग्लोबिन निर्माण में हिस्सा लेता है, ऑक्सीजन को टिशूज़ तक ले जाता है, कई एंज़ाइम सिस्टम्स का भाग है, मांसपेशियों के हीमोग्लोबिन–मायोग्लोबिन– का हिस्सा है और भारी शारीरिक गतिविधि के दौरान मांसपेशियों को अतिरिक्त ऊर्जा देता है।

आयोडीन थायरॉइड ग्रंथि के हारमोन संश्लेषण के लिए आवश्यक होता है जो शरीर में चयापचय पर नियंत्रण करते हैं। आयोडीन शरीर के योग्य विकास एवं वृद्धि को बढावा देती है, मोटापे की रोकथाम करती है, मानसिक क्षमता बढाती है और त्वचा तथा दांतों के स्वास्थ्य की रक्षा करती है।

किसेल ब्लुबेरीचेरी

किसेल – एक आहार पूरक के रूप में अनुशंसित – एक प्राकृतिक उत्पाद है जो रोजाना की सेहत और ताकत के लिए डिज़ाइन किया गया है। जेली के सक्रिय घटक – ब्लुबेरी, चेरी, रुटिन, एल–टौरीन और विटामिन कॉम्प्लेक्स – आँखों पर सकारात्मक प्रभाव छोडते है, जो आँखों पर अत्यधिक जोर पडने पर काम आता है।

किसेल ≪ब्लुबेरी–चेरी≫ में जैविक रूप से सक्रिय पदार्थों का सेट होता है जो आँखों पर सकारात्मक प्रभाव छोडते हैं। आँखों पर अत्यधिक बोझ और कृत्रिम रोशनी में देर तक काम करने से जुडी बीमारीयों की रोकथाम के लिए यह एक टॉनिक की तरह कार्य करता है।

बिलबेरी में मौजूद पदार्थ आँखों के रक्त प्रवाह में सुधार लाते हैं, आँखों को चुभन, जलन और थकान से बचाते हैं।

चेरी एक बहुमूल्य आहार उत्पाद है जो तंत्रिका तंत्र के लिए फायदेमंद होता है और शरीर की एंटीऑक्सीडेंट सुरक्षा को मजबूती देता है।

एल–टौरीन आँखों के टिशू का और लैक्रिमाल ग्रंथी का मुख्य एमिनो एसिड है। यह रेटिना के नुकसान को एवं आँख की फुन्सियों को ठीक करता है।

विटामिन सी आँख के कार्य पर सकारात्मक असर डालता है, आँखों के भीतर के दबाव को सामान्य करता है।

विटामिन ई फ्री रैडिकल्स के असर से कोशिकाओं का असमय बूढा होने की प्रक्रिया को धीमा करता है, रीडॉक्स प्रक्रिया के नियमन में हिस्सा लेता है, रेटिना को नुकसान से बचाता है।

रुटिन रक्त वाहिनियों को चौडा करता है और हाइड्रोपिकरोधक और ऐंठनरोधक असर डालता है।

विटामिन ए आँखों के लिए अत्यंत आवश्यक होता है। विटामिन ए की कमी से रतौंधी हो सकती है, आँखों में सूखापन आ सकता है, संवेदनशीलता कम हो सकती है, दर्द हो सकता है, आँखें लाल हो सकती है और पलकों पर सूजन आ सकती है।

सामग्री:

स्टार्च, पिसी शकर, सान्द्र बेरी का रस, चेरी, ब्लुबेरी, साइट्रिक एसिड, एल–टौरीन, फ्लेवरिंग एजेंट, स्वीटनर सुक्रालोज़, ब्लुबेरी का सत, रुटिन, विटामिन ई, विटामिन ए, खाने के रंग (कार्मुएज़िन, नीला)

इस्तेमाल की विधि:

15 ग्राम पाउडर (3 छोटे चम्मच) एक ग्लास गरम पानी (96–98° से.) में घोलें। इसका स्वाद और घनत्व पानी की मात्रा पर निर्भर होता है।

1 कप पेय का पोषण मूल्य		दैनिक आवश्यकता का अनुशंसित % *
कार्बोहाइड्रेट्स	13.5 ग्रा	
ऑर्गनिक एसिड्स	0.16 ग्रा	
एल–टौरीन	20 मिग्रा	30
विटामिन सी	21 मिग्रा	30
एंथोसायनिन ब्लुबेरीज़	10.2 मिग्रा	20
विटामिन ई	4.5 मिग्रा	30
रुटिन	10 मिग्रा	30
विटामिन ए	0.3 मिग्रा	30
कैलोरी मूल्य	54.67 कलोकैलोरी	

* – एक वयस्क व्यक्ति के लिए प्रतिदिन, एमआर 2.3.1.1915–04 के अनुसार

विपरीत लक्षण:

फेनिलकीटोन्यूरिया के रोगियों के लिए अनुशंसित नहीं।

किसेल ब्लुबेरीब्लैकबेरी

किसेल ब्लुबेरी–ब्लैकबेरी चयापचय पर सकारात्मक प्रभाव छोडती है जो मधुमेह के रोगियों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होता है। साथ ही, इस उत्पाद में मौजूद ब्लुबेरी और ब्लैकबेरी का सान्द्र रस आँखों को अत्यधिक जोर पडने पर राहत देता है।

किसेल ऑन फ्रुक्टोज़ एक परिपूर्ण पेय है जो दिन भर तरोताजा और उत्साही रखता है। इसमें कई लाभकारी गुणों के अलावा बेरी का प्राकृतिक और मनभावन स्वाद भी है।

फ्रुक्टोज़ से भरपूर किसेल बच्चों, किशोरों, गर्भवती महिलाओं, ख़ून की कमी या अन्य गंभीर बीमारी के रोगियों,, मधुमेह के रोगियों आदि के लिए आहार योजना में मल्टी–विटामिन कॉम्प्लेक्स के तौर पर शामिल किया जा सकता है, विटामिन की कमी या अधिकता की रोकथाम के लिए उपयोग किया जा सकता है और चयापचय की समस्या के रोगी भी इसे ले सकते हैं।

पीने के लिए तैयार 1 कप पेय में शामिल हैं:

कार्बोहाइड्रेट्स – 8.38 ग्रा, ऑर्गनिक एसिड्स (0.175ग्रा) – 35%, लिपोइक एसिड (9मिग्रा) – 30%, जस्ता (4.5मिग्रा) – 30%, विटामिन ई (3मिग्रा) – 30%, विटामिन बी5 (1.5मिग्रा) – 30%, विटामिन बी6 (0.6मिग्रा) – 30%, विटामिन बी2 (0.54मिग्रा) – 30%, विटामिन बी1 (0.45मिग्रा) – 30%, तांबा (0.3मिग्रा) – 30%, विटामिन ए (0.3मिग्रा) – 30%, आयोडीन (45माइक्रोग्राम) – 30%, विटामिन के (36माइक्रोग्राम) – 30%, क्रोम (15माइक्रोग्राम) – 30%, विटामिन डी3 (1.5माइक्रोग्राम) – 30%
ऊर्जा मूल्य: 33.96 किलोकैलोरी

% – दैनिक आवश्यकता का

बनाने की विधि:

एक 200 मि.ली. ग्लास में 2 छोटे चम्मच पाउडर लें। थोडा उबाल कर ठंडा किया हुआ पानी मिलाएँ, पाउडर घोलें और चम्मच से चलाते हुए गरम (96–98° से.) पानी डालें। इसका स्वाद और घनत्व पानी की मात्रा पर निर्भर होता है।

सामग्री:

आलू का स्टार्च, फ्रुक्टोज़, लैक्टोज़, सान्द1 रस, साइट्रिक एसिड, स्वीटनर सुक्रालोज़
विटामिन/खनिज कॉम्प्लेक्स: विटामिन्स सी, 4, बी5, बी6, बी2, बी1, ए, के, डी3, जस्ता, तांबा, आयोडीन, क्रोमियम, लिपोइक एसिड, खाने का फ्लेवर, खाने का रंग (कार्मुएज़िन, नीला)

किसेल काउबेरीक्रेनबेरीज़

किसेल ≪काउबेरी-क्रेनबेरी≫ में विटामिन्स, बेरीज़, ऑर्गनिक एसिड्स और सत हैं जो शरीर के यूरोजेनिटल सिस्टम के लिए फायदेमंद होते हैं और टॉनिक-सदृश और दाहरोधक प्रभाव छोडते हैं। जेनिटोयूरीनरी सिस्टम की दाहपूर्ण बीमारीयों में इसे लेने की सिफारिश की जाती है।

लिंगनबेरी एक एंटीसेप्टिक और डाइयूरेटिक के रूप में घरेलू नुस्खों में पुराने समय से प्रचलित है। इसका सक्रिय घटक आर्बुटिन लीवर में पित्त उत्पन्न करने का गुण रखता है।

क्रेनबेरी में डाइयूरेटिक और दाहरोधक गुण होते हैं। विटामिन सी भरपूर मात्रा में होने के कारण यह जुकाम पर भी गुणकारी है।

हायलैंडर बर्ड में बडी संख्या में जैविक रूप से सक्रिय घटक होते हैं, जिससे इसकी कई क्रियाएँ होती हैं। यह अतिरिक्त सोडियम और क्लोरीन को बाहर निकालती है, रक्तचाप कम करती है। यह मूत्राशय में पथरी भी नहीं जमने देती। हायलैंडर बर्ड के सक्रिय घटकों में सूक्ष्मजीवरोधक, दाहरोधक और टिशू बांधने के गुण होते हैं।

विटामिन सी रक्त वाहिनियों की दीवारों को मजबूती देता है तथा वाइरस और बैक्टीरिया से संरक्षण देता है।

विटामिन ए संक्रमण के प्रति प्रतिरोध विकसित करता है।

विटामिन डी3 रोग-प्रतिकार में सक्रिय रूप से शामिल होता है और संक्रमण के प्रति प्रतिरोध विकसित करता है।

सामग्री:

स्टार्च, पिसी शकर, सान्द्र बेरी का रस, काउबेरी, कैल्शियम ग्लूकोनेट, साइट्रिक एसिड, स्वीटनर सुक्रालोज़, नॉटग्रास का सत, फ्लेवरिंग एजेंट, खाने का रंग - कार्मुएज़िन, विटामिन्स: सी, ए, डी3।

इस्तेमाल की विधि:

15 ग्राम पाउडर (3 छोटे चम्मच) एक ग्लास गरम पानी (96-98° से.) में घोलें। इसका स्वाद और घनत्व पानी की मात्रा पर निर्भर होता है।

1 कप पेय का पोषण मूल्य		अनुशंसित दैनिक आवश्यकता का % *
कार्बोहाइड्रेट	13.68 ग्रा	
ऑर्गनिक एसिड्स	0.17 ग्रा	
विटामिन सी	21 मिग्रा	30
विटामिन ए	0.5 मिग्रा	30
विटामिन डी3	2.5 माइक्रोग्राम	30
कैलोरिक	54.58 कलोकैलोरी	

* - एक वयस्क व्यक्ति के लिए प्रतिदिन, एमआर 2.3.1.1915-04 के अनुसार

यह सभी आयु वर्ग, बच्चे (3 वर्ष), गर्भवती तथा स्तनपान दे रही महिलाओं के लिए बीमारी तथा ऑपरेशन के बाद स्वास्थ्यलाभ हेतु उपयोगी है।

विपरीत लक्षण:

फेनिलकीटोन्यूरिया के रोगियों के लिए अनुशंसित नहीं।

संवर्धित टॉफियाँ

संवर्धित मिठाई करकेड
(100 नग)

चेरी स्वाद | क्रोमियम, जस्ता, मैग्नेशियम, कैल्शियम, फास्फोरस, विटामिन सी। शुगर-फ्री, ग्लूटेन-रहित

लो-कैलोरी मिठाई ≪करकेड≫ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने वाले तथा स्वयं के बॉडी मास पर नियंत्रण रखने वाले लोगों के लिए एक आदर्श आहार-पूरक है।

आवश्यक सूक्ष्म-पोषक-जस्ता, मैग्नेशियम, कैल्शियम, फास्फोरस से परिपूर्ण, चेरी-युक्त टॉफी करकेड एक सुसंतुलित मिश्रण है जिसमें करकेड सत के साथ खनिज होते हैं जो सामान्य स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होते हैं और कार्बोहाइड्रेट-लिपिड एक्सचेंज/पचन पर सकारात्मक प्रभाव छोडते हैं, रोग-रक्षा प्रणाली को बढावा देते हैं, जिससे नाडी/हृदय रोगों का निवारण होता है। आहार-पोषण और मधुमेह-सम्बन्धी आहार में इसे लेने की सलाह दी जाती है।

सामग्री:
वनस्पति-आधारित मिल्क पाउडर, फ्रुक्टोज़, लैक्टोज़, करकेड पंखुडी सत, खाद्य फ्लेवर ≪चेरी≫, लेमन एसिड, एस्कॉर्बिक एसिड, माल्टोज़, मैग्नेशियम ऑक्साइड, ज़िंक ऑक्साइड, स्वीटनर सुक्रालोज़, क्रोमियम पाइकोलिनेट

पोषण मूल्य	100 ग्राम	दैनिक आवश्यकता का %
प्रोटीन	1.27 ग्रा	
वसा	19.18 ग्रा	
कार्बोहाइड्रेट	68.18 ग्रा	
मैग्नेशियम	211 मिग्रा	52.7
कैल्शियम	119.5 मिग्रा	9.5
फास्फोरस	92.62 मिग्रा	1.5
एस्कॉर्बिक एसिड	70 मिग्रा	100
जस्ता	12 मिग्रा	100
क्रोमियम	50 माइक्रोग्राम	100
ऊर्जा मूल्य	450.47 कलोकैलोरी	

Art of Life®

मिठाई प्रोबायोमिल्क

प्रोबायोटिक्स और प्रीबायोटिक्स युक्त मिल्क टॉफी। चीनी-रहित।

प्रोबायोमिल्क स्वादिष्ट टॉफियाँ हैं जिनमें तीन प्रकार के उपयोगी बैक्टीरिया होते हैं - बाइफिडस, लैक्टोबैसिली और एसिडोफिलिक बैक्टीरिया और इसके घटक हैं प्रीबायोटिक, आहार फाइबर और लैक्टुलोज़।

कम्पनी आर्ट लाइफ द्वारा खोजी गई तथा पेटेन्ट की गई विशिष्ट तकनीक द्वारा इस समस्या का हल मिल गया है कि उपयोगी बैक्टीरिया को उनके सक्रिय गुणों का नुकसान हुए बगैर अपने गंतव्य तक कैसे पहुँचाया जाए।

प्रोबायोमिल्क टॉफी को **3** वर्ष से बडे बच्चों के लिए भी डिसबैक्टीरियोसिस (डिसबायोसिस) के निवारण हेतु तथा रोग-प्रतिकार क्षमता के संवर्धन हेतु अनुशंसित किया जा सकता है। प्रोबायोमिल्क टॉफी में कृत्रिम रंग एवं सैक्रोज़ इस्तेमाल नहीं किए जाते, इसलिए वह दंतक्षय और प्रवणता के लक्षण विकसित नहीं होने देती।

सामग्री:

वनस्पति मिल्क पाउडर, माल्टोडेक्स्ट्रीन, शुष्क लैक्टिक बैक्टीरिया, शुष्क एसिडोफिलिक बैक्टीरिया, शुष्क बाइफिडस बैक्टीरिया, कैल्शियम फॉस्फेट, लैक्टुलोज़ गम अरेबिक, फ्लेवर, स्वीटनर सुक्रालोज़। भंडारण की अवधि के अंत पर प्रोबायोटिक कल्चर की मात्रा: **105** सीएफजी/जी न्यूनतम

पोषण मूल्य	100 ग्राम	4 टॉफियाँ	दैनिक आवश्यकता का %
प्रोटीन	1.5	0.072	
वसा	22.59	1.08	
कार्बोहाइड्रेट	61.2	2.93	
लैक्टुलोज़	1.92	0.092	5
घुलनशीन खाद्य फाइबर	1.92	0.09210	5
प्रोबायोटिक कल्चर्स	10^7 सीएफयू	$4.8*10^5$ सीएफयू	100
ऊर्जा मूल्य	454 किलो कैलोरी	22 किलो कैलोरी	

Art of Life®

मिठाई फ्रूट-मिक्स

आयोडीन, सेलेनियम, विटामिन सी तथा ई से परिपूर्ण (संतरा, पाइनएप्पल, किवी और स्ट्रॉबेरी स्वादों में)। शुगर-फ्री, शुद्ध शकाहारी, ग्लूटेन-रहित

लो-कैलोरी मिठाई ≪फल-सभी प्रकार≫ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने वाले तथा स्वयं के वजन पर नियंत्रण रखने वाले लोगों के लिए एक आदर्श आहार-पूरक है। इसके घटक आयोडीन तथा सेलेनियम की कमी को पूरा करते हैं, जो ऊर्जा का उपयोग एवं शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालने वाले तत्व हैं। विटामिन-खनिज मिश्रण अपनी अनुरूपता तथा सक्रिय घटकों के संतुलित प्रभाव के लिए चुना गया है, जो आयोडीन का उपयोग करने में तथा फ्री रेडिकल्स के दुष्परिणामों से शरीर को बचाने में मदद करता है।

सामग्री:
सॉर्बिटोल, माल्टोडेक्स्ट्रीन, मैग्नेशियम स्टीयरेट, टैल्क, खाद्य फ्लेवर, स्वीटनर सुक्रालोज़, खाद्य रंग (कार्माइन, क्विनोलाइन, पीला, हरा, मिश्रित), विटामिन-खनिज मिश्रण: विटामिन सी तथा ई, आयोडीन, सेलेनियम।

पोषण मूल्य	100 ग्राम मिठाई	44 टॉफियाँ* (22ग्रा)	दैनिक आवश्यकता का %
कार्बोहाइड्रेट्स	2.0 ग्रा	0.44 ग्रा	
सॉर्बिटोल	92.0 ग्रा	20.24 ग्रा	
ऑर्गनिक एसिड्स	0.7 ग्रा	0.154 ग्रा	
विटामिन सी	95.45 मिग्रा	21.0 मिग्रा	30
विटामिन ई	13.65 मिग्रा	3.0 मिग्रा	30
आयोडीन	200 माइक्रोग्राम	44 माइक्रोग्राम	29.3
सेलेनियम	95.5 माइक्रोग्राम	21.0 माइक्रोग्राम	30.0
ऊर्जा मूल्य	230.55 कलोकैलोरी	50.72 कैलोरी	

* - 44 से अधिक टॉफियों के उपयोग से अतिसार हो सकता है

–12–

जैविक रूप से सक्रिय मिश्रण/आहार पूरक

• टॉक्सफाइटर–लक्स • एन्ज़ाइम प्लस मिश्रण • ग्रीन स्टार
• थायरोबैलेन्स आर्टीमाइज़िन–एस • ग्लूकोसिल • हेपर फार्मूला • बर्डोक–सी • फाइटोरेन ग्लैज़ोरोल
• पर्सिफेन • फेरोडॉक • कैल्सिमैक्स • जॉइंटफ्लेक्स • पल्मोक्लिंज़ • सेट्राज़िन
• एटेरोलेक्स • नोवोमेजिन • एडी–बैलन्स मेमोरी–राइज़ • न्यूरोस्टेबिल • मेन्स फार्मूला • वीमेन्स फार्मूला
• डिस्कवरी चार्म • डिस्कवरी फोस

–39–

फाइटोजेल्स

• सोर्बायोजेल • गैस्ट्रीजेल • कार्डियोजेल • सीडाजेल • जॉइंटजेल • यूरोजेल

–46–

ओरल–केयर

औषधि तथा प्रोफाइलेक्टिक टूथपेस्ट एन–ज़िम
उपचारात्मक तथा प्रोफाइलेक्टिक टूथपेस्ट एन–ज़िम प्रीबायो

–49–

हेयर–केयर

टी–ट्री ऑइल युक्त नैचुरासेप्ट शैम्पू
हेयर बाम नैचुरासेप्ट

–52–

जॉइंट–केयर

जॉइंटफ्लेक्स एक्टिव क्रीम जेडीसी फ्लेक्सगो

–54–

संवर्धित कार्य पोषण उत्पाद

• प्रोटीन एण्ड ग्रमिनियस कॉकटेल एमिनो एक्टिव • लेसिथिन जेल
• किसेल वाइल्डबेरी (वाइल्ड–बेरी) • किसेल ब्लूबेरी–चेरी
• किसेल ब्लूबेरी–ब्लैकबेरी • किसेल काउबेरी–क्रैनबेरी

–61–

संवर्धित टॉफियाँ (मिठाई)

• संवर्धित मिठाई ≪करकेड≫
• मिठाई ≪प्रोबायोमिल्क≫ • मिठाई ≪फ्रूट–मिक्स≫